जबलपुर

रविवार, 9 नवंबर 2025

- अगहन मास कृष्ण पक्ष-04
- वर्ष : 20, अंक : 191
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 27

न्यून. 12

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सीएम डॉ. मोहन यादव बिहार के मोतिहारी में जनसभा को संबोधित करते हुए

राजधानी में 26 साल की सबसे ठंडी रात का पारा 8.4 डिग्री, यह सामान्य से 7.9 डिग्री कम

भोपाल सहित 4 जिलों में सीवियर कोल्ड वेब... राजगढ़ में ओस जमने जैसे हालात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के मध्य हिस्से में बर्फीली हवाओं का असर तेजी से बढ़ा है। शनिवार को भोपाल सहित चार जिलों में सीवियर कोल्ड वेब और दो जिलों में कोल्ड वेब का असर रहा है। राजगढ़ और शाजापुर प्रदेश में सबसे सर्द रहा। यहां न्यूनतम पारा 7.4 डिग्री रहा, जिससे अलसुबह घास पर ओस जमने के हालात रहे।

प्रदेश में छह जिलों में पारा 10 डिग्री से कम होने से कड़ाके की सर्दी रही है। मौसम केंद्र के अनुसार अभी सर्दी में और बढ़त होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार उत्तरी हवाओं का असर लगातार बना हुआ है, जिससे रात का पारा लगातार गिर रहा है।

राजगढ़ और शाजापुर प्रदेश में सबसे सर्द रहे, यहां न्यूनतम पारा 7.4 डिग्री रहा

भोपाल का सुभाष नगर ब्रिज, शाम 5:15 बजे का दृश्य

यहां सीवियर कोल्ड वेब रही

भोपाल, राजगढ़, इंदौर, शाजापुर में सीवियर कोल्ड वेब रही। सीहोर, रीवा में शीतलहर का भाव रहा। राजगढ़, शाजापुर में पारा 7.4, इंदौर 7.6, भोपाल 8.4, सीहोर 8.9, रीवा 9.6 डिग्री दर्ज हुआ है। इससे इन जिलों में कड़ाके की सर्दी रही। प्रदेश में पचमढ़ी, मंडला और नरसिंहपुर में रात का पारा सामान्य से औसतन दो डिग्री तक अधिक रहा। शेष सभी जिलों में यह नॉर्मल से औसतन 5 डिग्री तक कम दर्ज हुआ है।

सीएम डॉ. यादव ने तीन सीटों पर की सभाएं

राहुल गांधी ने मान ली हार, चुनाव छोड़ घूम रहे पचमढ़ी की वादियों में

हम कृष्ण के वंशज हैं कालिया नाग के फन पर नाचना जानते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बिहार प्रदेश के बांका जिले की बेलहर, मोतिहारी जिले की पिपरा और बोधगया विधानसभा चुनाव में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं बीते कई दिनों से बिहार आ रहा हूं। जिस तरह से थर्मामीटर बुखार का हाल बता देता है, उसी तरह यहां की जनता-जनार्दन का उत्साह बता रहा है कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने जा रही है। हर मतदाता का दिल ये बोल रहा है, बिहार की बहार-एनडीए सरकार। दिल्ली में मोदी जी और बिहार में नीतीश कुमार। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, नीतीश कुमार, चिराग पासवान समेत एनडीए के सभी नेता दौरे कर रहे हैं। यहां तक कि नेताओं के दौरों के कारण हेलीकॉप्टर की कमी पड़ गई है। एनडीए के नेता जनता के बीच जा रहे हैं। अपनी पार्टी के सिद्धांतों के बारे में बता रहे हैं, सरकार की नीतियों की चर्चा कर रहे हैं। लेकिन इस सब के बीच राहुल गांधी इस परिदृश्य से नदारद हैं।

बिहार को बदल रहे नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा देश और बिहार की जनता प्रधानमंत्री मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके कामों के लिए जानती है। एक तरफ पीएम मोदी देश बदल रहे हैं, तो दूसरी तरफ नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में बड़े बदलाव आए हैं। कुछ दिन पहले विधानसभा चुनाव का पहला चरण संपन्न हुआ। मतदान वाले दिन कहीं कोई गोली नहीं चली, कहीं पर भी दोबारा मतदान की नौबत नहीं आई। इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हो रहा है। माता-बहनों के खातों में अभी 10 हजार रुपए आए हैं। जिन बहनों के खातों में पैसे नहीं आए हैं, उन्हें भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। उनके खातों में भी पैसे आएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल लगातार बिहार का अपमान कर रहे हैं। आप भी 11 तारीख को होने वाले मतदान तक इन्हें नजरअंदाज कीजिए। मतदान वाले दिन इनकी 100 गालियां पूरी हो जाएंगी और आपकी अंगुली पर वोट का सुदर्शन चक्र होगा।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों के पचमढ़ी ट्रेनिंग कैंप में पहुंचे राहुल गांधी, हर दो महीने में पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक करने के दिए निर्देश

राहुल का फैसला-हटाए जाएंगे अब 'नॉन परफॉर्मर' जिलाध्यक्ष

दिग्विजय सिंह ने दिया मध्यप्रदेश में बूथ स्तर पर कांग्रेस की जीत का मंत्र

▶▶ राहुल ने पार्टी को निर्णयों और कार्यक्रमों की 6 महीने की भीतर समीक्षा करने के भी निर्देश दिए

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

पचमढ़ी में आयोजित कांग्रेस जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सबसे पहले प्रदेश के सीनियर लीडर्स की बैठक ली। उन्होंने कहा है कि आप जिलाध्यक्षों के कार्यों पर नजर रखें। काम की सतत मॉनीटिरिंग की जाएगी। इसके बाद नॉन परफॉर्मर जिला अध्यक्षों को हटाया जा सकता है। बैठक में बड़ा मुद्दा नेताओं की बीच समन्वय न होने का रहा।

कुछ ने राहुल से इसकी शिकायत की। इसके लिए राहुल ने सभी नेताओं से सहयोग मांगा। उन्होंने संगठन के साथ मिलकर काम करने की बात सीनियर नेताओं से कही। बैठक के बीच दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश में बूथ स्तर पर जीतने का मंत्र दिया। उन्होंने इस संदर्भ में माइक्रो प्लानिंग की रिपोर्ट राहुल गांधी को दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी पचमढ़ी आ सकते हैं।

पचमढ़ी के रविशंकर भवन में संवाद करते राहुल गांधी

- **वरिष्ठ** नेताओं से कहा कि वे जिलाध्यक्षों के कार्यों पर नजर रखें
- **राहुल** शनिवार और रविवार को करीब 19 घंटे तक पचमढ़ी में रहेंगे

दिग्विजय ने बूथ स्तर की माइक्रो प्लानिंग रिपोर्ट राहुल को सौंपी

हम बूथ से लेकर गांव तक कनेक्ट रहें

राहुल ने कहा कि साल 2028 में चुनाव है। चुनाव से पहले हमें संगठन को मजबूत करना है। कोशिश रहे कि हम बूथ से लेकर गांव तक कनेक्ट हो पाएं, इसके लिए सभी नेताओं को एकजुट होकर काम करना है। सभी को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी नेता पार्टी के खिलाफ जाकर प्रदर्शन न करे। पार्टी से अनुमति लेकर प्रदर्शन किया जाए और जनता के मुद्दों को पूरी ताकत से उठाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक हर दो माह में की जाना चाहिए। निर्णयों और कार्यक्रमों की 6 महीने की भीतर समीक्षा करने के लिए भी निर्देश दिए।

जिलाध्यक्षों के परिजनों के साथ डिनर किया

राहुल गांधी कांग्रेस के जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होकर संवाद किया। उन्होंने पार्टी संगठन को मजबूत करने और मिशन 2028 के तहत सरकार बनाने का लक्ष्य देकर जुट जाने को कहा है। राहुल जिला अध्यक्षों के परिजन के साथ डिनर भी किया। जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण स्थल के बाहर राहुल गांधी से मिलने पहुंची छिंदवाड़ा के सौसर की महिला गेट पर आकर रोने लगी। वह राहुल से मिलने की जिद पर जमीन पर बैठ गई।

अस्पताल के सामने आधे घंटे तक पड़े रहे तीनों

इंदौर में स्कॉर्पियो ने तीन छात्रों को रौंदा, 2 की मौत

- **करीब 100 की रफ्तार से चला रहे थे**
- **4 आरोपी युवक कार छोड़कर भाग गए**

आयुष राठौर (मृतक)

कृष्ण पाल (मृतक)

स्कॉर्पियो में फंसी बाइक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खंडवा/इंदौर

इंदौर में एक स्कॉर्पियो ने बाइक सवार तीन इंजीनियरिंग छात्रों को रौंद दिया। दो छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है। तीनों खंडवा के रहने वाले हैं।

हादसे के बाद स्कॉर्पियो सवार 4 युवक गाड़ी छोड़कर भाग निकले।

पुलिस ने स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है। हादसा शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे लाइफ केयर हॉस्पिटल के सामने हुआ। कृष्ण पाल सिंह तंवर (20) और आयुष राठौर (20) की मौके पर ही मौत हो गई थी।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

1 से 19 दिसंबर तक चलेगा संसद का शीतकालीन सत्र

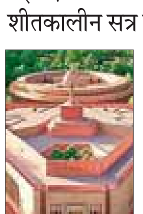

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र इस बार 1 से 19 दिसंबर तक चलेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि कुल 15 बैठकों वाले इस सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में है।

अनंतनाग में ट्रेन रोकी, चील को निकाला

चलती ट्रेन से टकराई चील से विंडस्क्रीन टूटी, चालक घायल

ट्रेन का शीशा टूटा

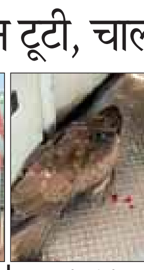

अधमरी हुई चील

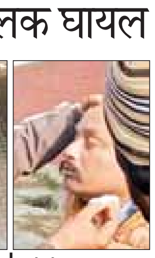

लोकोपायलट घायल

एजेंसी ▶▶ अनंतनाग

जम्मू-कश्मीर में चलती हुई ट्रेन से एक चील टकरा गई। इससे ट्रेन के इंजन का शीशा टूट गया। इससे लोकोपायलट विशाल घायल हो गया। बारामूला से बनिहाल जा रही उत्तर रेलवे की ट्रेन संख्या 74626 से शनिवार सुबह बिजबेहरा और अनंतनाग रेलवे स्टेशनों के बीच एक पक्षी टकरा गया।

- बारामूला से बनिहाल जा रही थी ट्रेन

4,000 युवा ले रहे हैं ट्रेनिंग

ध्यान सत्र से पहले नव आरक्षक पढ़ रहे गीता

8 पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में शुरू हुआ गीता पाठ

प्रशिक्षण ले रहे नए आरक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र के 8 पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में प्रशिक्षण ले रहे नए आरक्षकों को शनिवार से भगवद् गीता का पाठ भी पढ़ाना शुरू कर दिया गया है। जुलाई में ट्रेनिंग सेशन की शुरुआत के समय एडीजी राजा बाबू सिंह ने रामचरितमानस का पाठ कराने के निर्देश दिए थे। उनका कहना था कि इससे रंगरूटों में अनुशासन और चरित्र निर्माण की भावना विकसित होगी। उन्होंने आदेश में कहा कि भगवद् गीता हमारा शाश्वत ग्रंथ है।

प्रदेश के साढ़े चार लाख पेंशनर्स के लिए बड़ी खुशखबर

हाई कोर्ट से अपील निरस्त होने पर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की, जो अभी लंबित

राहत: 32 माह का एरियर छह प्रतिशत ब्याज के साथ मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

हाई कोर्ट से पेंशनरों को बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने इंदौर बेंच के आदेश के अनुरूप पेंशनर्स को छठवें वेतनमान के शेष 32 माह का छह प्रतिशत ब्याज के साथ भुगतान करने के निर्देश दिए। दरअसल, इंदौर बेंच ने 15 अप्रैल 2024 को इस मामले में फैसला दिया था। इसके

फाइल फोटो

बाद सरकार ने युगलपीठ के समक्ष अपील पेश की थी। हाई कोर्ट से अपील निरस्त होने के बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की है, जो कि लंबित है।

2 मार्च 2020 का पुराना आदेश रहेगा यथावत

दरअसल, यह निर्णय कोर्ट के 2 मार्च 2020 को दिए गए पुराने आदेश को यथावत रखता है, जिसमें पहले भी छह माह में भुगतान के निर्देश दिए गए थे। छठवां वेतनमान 1 जनवरी 2006 से लागू हुआ था। एरियर्स का मुद्दा 1 जनवरी 2006 से 31 अगस्त 2008 तक के 32 महीनों के संशोधित पेंशन अंतर से जुड़ा है।

कब-कब क्या हुआ?

- याचिकाकर्ताओं का कहना था कि राज्य के कर्मचारियों को तो इस अवधि का एरियर्स किस्तों में मिल गया था, लेकिन पेंशनरों को यह लाभ नहीं दिया गया।
- मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा सेवानिवृत्त प्राध्यापक संघ व अन्य की ओर से शुरुआत में हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

मुख्यालय मध्य भारत एरिया द्वारा "एंटी-ओबेसिटी प्रोमो रन" और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन

हरिभूमि, जबलपुर।

मुख्यालय मध्य भारत जबलपुर में "एंटी-ओबेसिटी प्रोमो रन" और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। प्रोमो रन का शुभारंभ सुबह सात बजे रिज रोड स्थित कोबरा ग्राउंड से लेफ्टिनेंट जनरल पी एस शेखावत, जनरल सेक्रेटरी, गोल्फ फेडरेशन ऑफ़ इंडिया आर्यवीर आर्या जनरल अफसर कमांडिंग, मध्य भारत एरिया और श्रीमती राजलक्ष्मी शेखावत, अध्यक्षा, परिवार कल्याण संगठन, मध्य भारत एरिया द्वारा झंडी दिखाकर किया गया। मैराथन दौड़ के साथ हुआ भारत गोल्फ महोत्सव का शानदार आगाज, लेफ्टिनेंट जनरल पी एस शेखावत और आर्यवीर आर्या ने दिखाई हरी झंडी,हजारों पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश।

गोल्ड फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के बैनर तले हो रहे हैं भारत गोल्फ महोत्सव का आज शानदार आगाज हो गया। स्कूल महोत्सव का आगाज आज प्रोमो रन के साथ हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में आर्मी के जवानों ने दौड़ में भाग लिया आर्मी की जवानों के साथ स्कूली बच्चों और महिलाओं ने भी इस रण में हिस्सा लिया। यह मैराथन कोबरा ग्राउंड से शुरू होकर, सृजन चौक सदर एरिया से होते हुए सदर बाजार,गणेश चौक और गणेश चौक से वापस कोबरा ग्राउंड में समाप्त हुई।

पर्यावरण को बचाने की ली शपथ

जबलपुर में गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले हो रहे भारत गोल्फ महोत्सव का आज सुबह प्रोमो रन के साथ शानदार आगाज के बाद पर्यावरण और प्रकृति को बचाने के लिए आर्मी क्षेत्र के भैंसा सुर रोड स्थित भैरव ताल को विकसित करने का संकल्प लिया गया इसके साथ ही हजारों की संख्या में वहां पर पौधा रोपण किया गया। मध्य भारत एरिया के लेफ्टिनेंट पी एस शेखावत ने इस अवसर पर अपने जवानों को पर्यावरण को बचाने के लिए कसम दिलाई और वहां मौजूद लोगों से भी प्रकृति प्रेमी बनने और पर्यावरण को बचाने के लिए आगे आकर बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। श्री शेखावत ने कहा कि पेड़ है तो पानी है और पानी है तो पेड़ है। जनरल सेक्रेटरी, गोल्फ फेडरेशन ऑफ़ इंडिया आर्यवीर आर्या ने इस दौरान लोगों से अपील की की गोल्फ महोत्सव का आयोजन सिर्फ इन 2 दिन तक सीमित नहीं है बल्कि इस आयोजन के माध्यम से यह प्रेरणा ले कि वह अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे, लेफ्टिनेंट जनरल पी एस शेखावत ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है। लिहाजा आज इस मौके पर हम संकल्प ले कि हम सभी फिट इंडिया का हिस्सा बने। 03 कि.मी, और 05 कि.मी की दौड़ शामिल की गयी। 03 कि.मी की दौड़ में महिलाओं और स्कूली बच्चों ने भाग लिया और 05 कि.मी दौड़ में सैन्य अधिकारियों, जवानों, अग्निवीरों और एन सी सी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक कर भाग लिया। इस आयोजन में कुल 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह प्रोमो रन कोबरा ग्राउंड से शुरू होकर होशियार सिंह द्वार, समन्वय चौक, शौर्य स्थल, टैगोर गार्डन और सदर बाजार होते हुए वापिस कोबरा ग्राउंड में समाप्त हुई। प्रतिभागियों ने जोश और ऊर्जा के साथ दौड़ लगाई और शहरवासियों को फिटनेस, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण और देशभक्ति का सन्देश दिया। प्रतिभागियों ने जबलपुर वासियों में उत्साह और जागरूकता का माहौल बनाया। प्रोमो रन के पश्चात जबलपुर के भैरों ताल लेक में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसमे विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। पौधरोपण के साथ-साथ सभी को इनकी देखभाल और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प दिलाया गया। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जागरूकता फ़ैलना और जबलपुर को हरित एवं स्वच्छ शहर बनाने के संकल्प को आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर जनरल शेखावत ने सम्बोधित करते हुए बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मोटापे के विरुद्ध जागरूकता, फिटनेस, एकता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है तथा "फिट इंडिया – स्वस्थ भारत" के संदेश को सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि फिटनेस केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि सैनिक जीवन का संस्कार है। ऐसी गतिविधियाँ युवा पीढ़ी को अनुशासन, सामूहिकता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देती हैं। प्रतिभागियों ने जोश, उत्साह और एकजुटता का अद्भुत प्रदर्शन किया। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी 16 नवंबर को सूर्या हाफ मैराथन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे विभिन्न दौड़ श्रेणियां 21 किमी (हॉफ मैराथन), 10 किमी, 05 किमी और 03 किमी निर्धारित की गयी हैं। प्रत्येक श्रेणी को विभिन्न आयु वर्ग में विभाजित किया गया है। इस रोमांचक मैराथन का अधिकतर रूट जबलपुर शहर के हरे-भरे वातावरण और प्रसिद्ध स्थलों से होते हुए गुजरेगा। चारों रेस श्रेणियों हेतु पंजीकरण खुले हैं, प्रतिभागियों से समय पर पंजीकरण और आधिकारिक निर्देशों का पालन करने का अनुरोध है।

खबर संक्षेप

चुनाव खत्म होते ही पार्टी को नया अध्यक्ष मिलेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव खत्म होने के बाद पार्टी को नया अध्यक्ष मिलेगा। उन्होंने साफ कर दिया कि पार्टी में किसी तरह की कोई कलह नहीं है। संघ कभी भी भाजपा के राजनीतिक कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करता।

पीएम देहरादून में रजत जयंती में होंगे शामिल

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को उत्तराखंड के स्थापना दिवस पर आयोजित रजत जयंती समारोह में हिस्सा लेंगे। दोपहर लगभग 12:30 बजे पीएम मोदी देहरादून का दौरा करेंगे और उत्तराखंड राज्य के गठन की रजत जयंती समारोह में पीएम मोदी एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करेंगे। लोगों को संबोधित करेंगे।

भारत रत्न आडवाणी को दी शुभकामनाएं

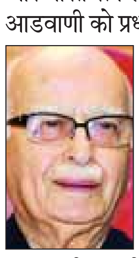

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी को प्रधानमंत्री ने शनिवार को जन्मदिन की शुभकामानाएं दीं। एक महान दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता से संपन्न राजनेता, आडवाणी का जीवन भारत की प्रगति को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित रहा है। अन्य नेताओं ने भी आडवाणी को बधाई दी।

तरन तारन की एसएसपी ग्रेवाल निलंबित

तरनतारन। विधानसभा हलका तरनतारन के उपचुनाव दौरान शिरोमणि अकाली दल के नेताओं को गिरफ्तार करने के मामले पर चुनाव आयोग ने तरनतारन की एसएसपी रवजोत ग्रेवाल को सस्पेंड कर दिया है। अमृतसर के पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर को एसएसपी का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 4 वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

ये भारतीयों की और भारतीयों द्वारा बनाई गईं विकसित भारत के लिए बनेंगी श्रेष्ठ साधन

पीएम ने कहा- देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर

एजेंसी ▶▶ बनारस

बनारस रेलवे स्टेशन से शनिवार की सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस से खजुराहो जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। पीएम ने यहां से देशवासियों को चार वंदे भारत की सौगात दी। इसके बाद उन्होंने कहा कि आज वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें, भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं। वंदे भारत भारतीयों की, भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए बनाई गई ट्रेन है। जिस पर हर भारतीय को गर्व है। आज जिस तरह से भारत ने विकसित भारत के लिए अपने साधनों को श्रेष्ठ बनाने का अभियान शुरू किया है, ये ट्रेनें उसमें एक मील का पत्थर बनने जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधन की शुरुआत भोजपुरी में करते हुए कहा कि बाबा विश्वनाथ के ई पावन नगरी में आप सब लोगन के काशी के परिवारजन के हमार प्रणाम। देव दीपावली के बाद आज के दिन भी काशी के विकास पर्व पर आप सबके शुभकामना देत हईं। पीएम ने कहा कि विकसित देशों की प्रगति का सबसे बड़ा आधार मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर रहा है। भारत भी अब तेजी से उसी राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे नेटवर्क, सड़कों और नई व्यवस्थाओं के विस्तार से देश के हर हिस्से में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है।

बनारस में वंदे भारत को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री मोदी।

पावन धाम, अब वंदे भारत नेटवर्क से जुड़ रहे

पीएम मोदी ने बताया कि देश में अब 160 से अधिक वंदे भारत ट्रेन संचालित हो रही हैं। ये ट्रेन भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और आत्मनिर्भरता की प्रतीक हैं। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत ट्रेनें भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं। वंदे भारत भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए बनाई गई ट्रेन है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की तीर्थ यात्राएं केवल धार्मिक नहीं, बल्कि देश की आत्मा को जोड़ने वाली परंपरा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, चित्रकूट, कुरुक्षेत्र जैसे पावन धाम अब वंदे भारत नेटवर्क से जुड़ रहे हैं, जिससे आस्था और विकास दोनों का संगम हो रहा है। ये देश के विकास के नेटवर्क को मजबूत बनाएंगी।

ट्रेन में बच्चे से हाथ मिलाते और बात करते पीएम मोदी।

मुझे गर्व है कि मेरे शहर के बच्चे इतने प्रतिभाशाली

पीएम मोदी ने इस दौरान काशी के बच्चों की प्रतिभा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों के उद्घाटन के दौरान विद्यार्थियों ने "विकसित भारत" पर सुंदर कविताएं और चित्र प्रस्तुत किए। काशी के सांसद के रूप में मुझे गर्व है कि मेरे शहर के बच्चे इतने प्रतिभाशाली हैं। मैं चाहता हूं कि इन बच्चों का कवि सम्मेलन काशी में कराया जाए और कुछ बच्चों को पूरे देश में ले जाया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में काशी की भूमिका अग्रणी रहेगी। "हमें काशी की ऊर्जा और गति बनाए रखनी है, ताकि भव्य काशी, समृद्ध काशी का सपना साकार हो सके।

काशी अब पूर्वांचल की स्वास्थ्य राजधानी बन गई

पीएम ने कहा कि काशी अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी पूर्वांचल की स्वास्थ्य राजधानी बन गई है। पहले इलाज के लिए मुंबई जाना पड़ता था, लेकिन अब शहर में ही अत्याधुनिक अस्पताल, कैंसर सेंटर, आयुष्मान भारत और जन औषधि केंद्रों से लोगों को राहत मिल रही है। काशी में रहना, काशी आना और यहां जीना अब सबके लिए विशेष अनुभव बन गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि शहर में सड़कों, गैस पाइपलाइन, स्टेडियम, और रोपवे जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट तेजी से पूरे हो रहे हैं।

इससे आर्थिक और अन्य गतिविधियों को नया बल मिला

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष में उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन और पर्यटन से आर्थिक गतिविधियों को नया बल मिला है। पिछले वर्ष 11 करोड़ श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने आए, जबकि अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद 6 करोड़ से अधिक लोग रामलला के दर्शन कर चुके हैं। इससे यूपी की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ का लाभ हुआ और लाखों लोगों को रोजगार मिला।

दिल्ली हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

रेप पीड़िता के पूर्व चरित्र को नहीं बनाएं बचाव की ढाल

दिल्ली हाईकोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि बलात्कार के मामलों में पीड़िता के चरित्र (चाहे वह कितना भी दागदार क्यों न हो) को उसके खिलाफ हथियार नहीं बनाया जा सकता।

जस्टिस अमित महाजन की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि यहां तक कि जो महिला या युवती कुछ पैसे के बदले किसी व्यक्ति के साथ जाती है वह भी दुष्कर्म की शिकार हो सकती है। पीठ ने यह टिप्पणी एक बलात्कार के आरोपी की याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की मांग की थी। आरोपी एक विवाहित व्यक्ति है, जिस पर शादी का झूठा वादा करके बलात्कार व अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का आरोप लगा है।

ड्रिंक में कुछ मिलाकर यौन उत्पीड़न किया

शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसकी ड्रिंक में कुछ मिलाकर उसे यौन उत्पीड़न का शिकार बनाया। उसके बाद भी आरोपी ने उससे शादी का झूठा वादा कर के शारीरिक संबंध बनाना जारी रखा।महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उससे लगभग 8 लाख रुपए ले लिए और 10 लाख और मांगे। साथ ही धमकी दी कि यदि वह राशि नहीं देती है तो वह उसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल कर देगा।आरोपी ने महिला के चरित्र पर सवाल उठाते हुए दलील दी कि वह खुद पहले भी इसी तरह के आरोपों पर मामला दर्ज करा चुकी है, जिसमें आरोपी बरी हो चुका है। महिला अनैतिक देहव्यापार के तहत भी एक मामले में फंसी थी। आरोपी का दावा था कि महिला ने खुद कहा था कि वह शारीरिक संबंध के लिए पैसे की मांग करती है।

चरित्र का गलत लाभ न उठाया जाए

इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि महिला के चरित्र को ढाल बनाकर कोई उसके साथ अपराध को अंजाम नहीं दे सकता है। फिर चाहे उस महिला चरित्र पूर्व में कितना भी दागदार क्यों ना रहा हो। किसी आरोपी को यह अधिकार नहीं दिया जा सकता है कि वह किसी महिला के चरित्र का गलत लाभ उठाए या ऐसी कोशिश करे।

वित्त मंत्री सीतारमण ने रखी नींव

असम को मिला पहला टेक्निकल और वोकेशनल विश्वविद्यालय

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने असम के पहले तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर केंद्रित विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। इसका नाम शहीद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय रखा गया है। यह बिस्वनाथ जिले के गोहपुर के भोलागुड़ी क्षेत्र में लगभग 415 करोड़ की लागत से बनेगा। इसका क्षेत्रफल 241 एकड़ होगा, करीब 7 लाख वर्ग फीट का निर्मित क्षेत्र शामिल रहेगा। 2,000 छात्रों के लिए शैक्षणिक भवन, 1,620 छात्रों के लिए हॉस्टल, आवासीय क्वार्टर,

विवि की आधारशिला रखतीं सीतारमण

गेस्ट हाउस और स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर होंगे। इसमें एआई, मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन, ड्रोन और नेविगेशन टेक्नोलॉजी, क्वांटम कंप्यूटिंग, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे कोर्स होंगे।

परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में सुरक्षा में लापरवाही उजागर

यहां कैदियों की मोबाइल-टीवी संग कट रही सजा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सबेंगलुरु की परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में सुरक्षा में भारी लापरवाही और कुछ कैदियों को मिल रही विशेष सविधाओं के आरोप सामने आए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई खतरनाक अपराधी मोबाइल फोन चलाते और टीवी देखते नजर आए। वीडियो में सीरियल रेपिस्ट और किलर उमेश रेड्डी को जेल के अंगर दो एंड्रॉयड और एक कीपैड मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए देखा गया। बताया गया है कि जेल स्टाफ को इसकी जानकारी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उसके बैरक में टीवी भी लगा देखा गया।

रेपिस्ट को फोन चलाते और खाना बनाते देखा गया

सीरियल रेपिस्ट, किलर उमेश रेड्डी फोन पर बात करता हुआ।

मोस्ट वांटेड आतंकी को भी मिल रहीं सुविधाएं

यह बात भी सामने आई है कि आईएसआईएस के मोस्ट वांटेड आतंकी जुहाद हामिद शकील मन्ना को भी जेल में वीआईपी सुविधाएं मिल रही हैं। वह आईएसआईएस आतंकी संगठन में शामिल होने के लिए युवाओं की भर्ती कर रहा था। जेल में उसे एक स्मार्टफोन दिया गया है। वह जेल में शाही अंदाज में फोन का इस्तेमाल करता देखा गया है। इसके साथ ही, यह भी संदेह पैदा हो गया है कि क्या परप्पना अग्रहारा जेल आतंकियों की पनाहगाह बन गई है।

कर्नाटक सरकार करेगी सख्त कार्रवाई

तरुण राजू को उस समय पकड़ा गया था जब वह जिनेवा भागने की कोशिश कर रहा था। वीडियो सामने आने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि सरकार इस पूरे मामले की जांच करवाएगी और जेल अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेड्डी 20 महिलाओं से रेप का आरोपी

उमेश रेड्डी को 1996 से 2002 के बीच 20 महिलाओं से रेप और 18 हत्या के मामलों में दोषी ठहराया गया था। उसे पहले मौत की सजा हुई थी, लेकिन 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे 30 साल की सजा (बिना रियायत) में बदल दिया था। रेड्डी ने मानसिक बीमारी का दावा किया था, पर मेडिकल रिपोर्ट में वह मानसिक रूप से स्वस्थ पाया गया।एक और वीडियो में तरुण राजू नाम के आरोपी को फोन इस्तेमाल करते और जेल में खाना बनाते देखा गया। तरुण राजू रान्या गोल्ड स्मगलिंग केस में गिरफ्तार हुआ था। बताया जाता है कि वह दुबई से सोने की तस्करी का नेटवर्क चलाता था जिसमें रान्या राव का भी नाम जुड़ा था।

सीआईए के पूर्व अधिकारी रिचर्ड बार्लो का बड़ा दावा

इजराइल था तैयार, पूर्व पीएम इंदिरा ने पाक परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले की नहीं दी मंजूरी, कई समस्याएं सुलझ सकती थीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सीआईए के पूर्व अधिकारी रिचर्ड बार्लो का दावा है कि 1980 के दशक की शुरुआत में भारत और इजराइल ने एक ज्वॉइंट ऑपरेशन का प्रस्ताव रखा था। इस ज्वॉइंट ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान के कहुता के परमाणु संयंत्र पर हमला किया जाना था लेकिन भारत की तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने इसकी अनुमति नहीं दी। उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के एक फैसले पर उंगली उठाई है। रिचर्ड ने कहा कि मैं 1982 से 1985 तक सरकारी सेवा से बाहर था। मुझे लगता है कि यह योजना उस समय की हो सकती थी। मैंने इसके बारे में सुना था लेकिन मैंने कभी गहराई से इसके बारे में नहीं सोचा। यह शर्मनाक है कि इंदिरा गांधी ने इस मिशन को मंजूरी नहीं दी। इससे कई समस्याएं सुलझ सकती थी। उन्होंने कहा कि कई रिपोर्ट्स और खुफिया जानकारियों से पता चलता है कि इजराइल और भारत ने कथित तौर पर पाकिस्तान के कहुता यूरेनियम संवर्द्धन संयंत्र पर एयरस्ट्राइक की योजना बनाई थी।

उन्होंने कहा कि कई रिपोर्ट्स और खुफिया जानकारियों से पता चलता है कि इजराइल और भारत ने कथित तौर पर पाकिस्तान के कहुता यूरेनियम संवर्द्धन संयंत्र पर एयरस्ट्राइक की योजना बनाई थी। यह प्लांट पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम का केंद्र था। इसका मिशन का उद्देश्य पाकिस्तान को उसके परमाणु हथियारों को विकसित करने से रोकना था

अमेरिकी प्रशासन को पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम की पहले से जानकारी थी

1987 और 1993 में पाकिस्तान के परमाणु बम बनाने का सबको पता था

पूर्व सीआईए अधिकारी रिचर्ड बार्लो

पूर्व पीएम स्व. इंदिरा गांधी

तत्कालीन यूएस सरकार हमले का विरोध करती

बता दें, रिचर्ड बार्लो 1980 के दशक में पाकिस्तान की गुप्त परमाणु गतिविधियों के दौरान प्रतिरोधक प्रसार अधिकारी के रूप में सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने कहा कि तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन सरकार इस तरह के किसी भी हमले का कड़ा विरोध करती। खासकर तब जब यह हमला इजराइल की ओर से होता। इसका कारण था अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ अमेरिका की सीक्रेट युद्ध रणनीति, जिसमें पाकिस्तान एक महत्वपूर्ण सहयोगी था। बार्लो ने कहा कि मुझे लगता है कि रीगन ने तत्कालीन इजराइली पीएम मेनाकेम बेगिन की कड़ी निंदा करते अगर उन्होंने ऐसा कुछ किया होता तो।

पाकिस्तान ने कबूल किया था

पाक परमाणु मिसाइल शाहीन-3

बार्लो ने बताया कि 1987 में पाकिस्तानी बम के पिता माने जाने वाले डॉक्टर अब्दुल कादीर खान ने कबूल किया था कि पाकिस्तान परमाणु संपन्न देश बन चुका है। इसके बाद 1993 में पता चला कि पाकिस्तान के द्वारा एफ-16 लड़ाकू विमान में परमाणु हथियार रखने की खुफिया जानकारी सामने आई थी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम बेनजीर भुट्टो को इससे अलग रखा गया था। पाक आर्मी चीफ जनरल मिर्जा असलम बेग और राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान ने परमाणु परीक्षण की बागडोर अपने हाथ में ली थी।

अमेरिकी प्रशासन को आगाह किया था

रिचर्ड ने कहा कि 1989 तक सभी राष्ट्रपति कहते रहे कि पाकिस्तान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। हालांकि, हमने अमेरिकी प्रशासन को आगाह किया था कि पाकिस्तान परमाणु हथियार बनाने में जुटा है। सीआईए भी इससे खुश नहीं था, लेकिन हम सुझाव देने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते थे। हम निर्वाचित नहीं थे। हमारा काम सिर्फ वरिष्ठ अधिकारियों को खुफिया जानकारी देना है, वहां हमारा काम खत्म हो जाता है।

पाक को एफ-16 विमान देना गलती

रिचर्ड बार्लो ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति 1989 तक दावा करते रहे कि पाकिस्तान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। यही नहीं, अमेरिका ने जानबूझकर पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमान दिए, जबकि उन्हें पता था कि पाकिस्तान इनपर परमाणु हथियार तैनात कर सकता है। यह अमेरिका की बड़ी गलती थी। सीआईए भी पाकिस्तान के परमाणु संपन्न देश बनने से खुश नहीं था, मगर इसमें वो कुछ नहीं कर सके।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू अंगोला व बोत्सवाना की यात्रा पर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार को अंगोला और बोत्सवाना की छह दिवसीय राजकीय यात्रा पर रवाना हुईं। यह यात्रा अफ्रीकी क्षेत्र में दोनों देशों के साथ सहयोग और साझेदारी बढ़ाने के नए रास्ते खोलने के भारत के प्रयासों का हिस्सा है। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इन देशों की पहली राजकीय यात्रा होगी। अपनी यात्रा के पहले चरण में, मुर्मु अंगोला की राजधानी लुआंडा पहुंचेंगी और आठ से 11 नवंबर के बीच उच्च स्तरीय बैठकें करेंगी।

भारतीय एनजीओ को मिला मैग्सेसे पुरस्कार

मनीला। भारत की गैर-लाभकारी संस्था (एनजीओ) 'एजुकेट गर्ल्स' को प्रतिष्ठित रेमन मैग्सेसे सम्मान मिला है। संस्था ने यह सम्मान उन हजारों क्षेत्रीय समन्वयकों, स्वयंसेवकों और युवा मार्गदर्शकों को समर्पित किया है, जिन्होंने देश की लाखों लड़कियों को स्कूल वापस लाने में मदद की है। इस पुरस्कार की घोषणा 31 अगस्त को की गई थी। फिलीपींस की राजधानी में शुक्रवार को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। संस्था की स्थापना साल 2007 में हुई। यह यूपी, राजस्थान, एमपी और बिहार के तीस हजार से अधिक गांवों में काम कर रही है।

educate girls

माली में पांच भारतीयों का अपहरण

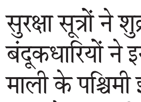

बमाको। माली में बढ़ती हिंसा और आतंकी गतिविधियों के बीच पांच भारतीय नागरिकों का अपहरण कर लिया गया। यह जानकारी उनकी कंपनी और सुरक्षा सूत्रों ने शुक्रवार को दी। बंदूकधारियों ने इन भारतीयों को माली के पश्चिमी इलाके कोबरी के पास से अगवा किया। ये सभी एक ऐसी कंपनी में काम करते थे जो वहां बिजलीकरण से जुड़ी परियोजनाओं पर काम कर रही है। बाकी भारतीय कर्मचारियों को राजधानी बमाको सुरक्षित पहुंचा दिया गया है।

नेतन्याहू के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी

तेल अवीव। तुर्किये ने घोषणा की है कि उसने इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनके साथ कई दूसरे सीनियर इजराइली अधिकारियों के खिलाफ नरसंहार के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इस्तांबुल अभियोजक कार्यालय के मुताबिक, इजराइल के 37 अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए गये हैं, जिनमें इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर और सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर शामिल हैं।

अमेरिका से टैरिफ तनाव के बीच भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ी

तेजस विमानों के लिए 113 जेट इंजन खरीदेगा एचएएल, जीई एयरोस्पेस के साथ हुआ 'करार'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस के साथ अपने तेजस हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) कार्यक्रम के लिए 113 जेट इंजनों की खरीद का बड़ा करार किया है। यह समझौता भारतीय उत्पादों के आयात पर अमेरिका में 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाए जाने से दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बीच हुआ है।

इस करार के तहत एचएएल अपने स्वदेशी तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) कार्यक्रम के लिए 97 विमानों में लगाए जाने वाले 113 जेट इंजनों की खरीद करेगा। ये एफ404-जीई-आईएन20 इंजन स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एलसीए एमके1ए के लिए होंगे। अधिकारियों के अनुसार, एफ404-जीई-आईएन20 इंजन की आपूर्ति वर्ष 2027 से शुरू होगी और 2032 तक पूरी की जाएगी। इस सौदे के साथ भारत की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को एक और मजबूती मिलेगी।

एचएएल ने बताया कि यह समझौता जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी (जीई) के साथ इंजन और सपोर्ट पैकेज की खरीद के लिए किया गया है, जो तेजस एलसीए मार्क-1ए कार्यक्रम के निष्पादन में अहम भूमिका निभाएगा। वायुसेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े की रीढ़ माने जाने वाले मिग-21 की विदाई के बाद लड़ाकू विमानों की कमी को पूरा करेंगे

सितंबर में 62370 करोड़ की डील पर साइन

इंजन की आपूर्ति वर्ष 2027 से शुरू होगी

2032 तक सभी इंजन एचएएल को मिलेंगे

जीई एयरोस्पेस का एफ404-आईएन20 इंजन

62,370 करोड़ के सौदे पर हस्ताक्षर

इससे पहले, रक्षा मंत्रालय ने सितंबर में 62,370 करोड़ रुपए के सौदे पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के लिए 97 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान खरीदे जाएंगे। इन विमानों के इंजन अब जीई एयरोस्पेस से प्राप्त किए जाएंगे। एचएएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस समझौते के बाद उत्पादन लाइन को तेज करने की तैयारी की जा रही है ताकि वायुसेना को निर्धारित समय सीमा में विमान सौंपे जा सकें।

स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एलसीए एमके1ए

नए तेजस में लगेंगे इंजन

एचएएल ने बताया कि यह समझौता जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी (जीई) के साथ इंजन और सपोर्ट पैकेज की खरीद के लिए किया गया है, जो तेजस एलसीए मार्क-1ए कार्यक्रम के निष्पादन में अहम भूमिका निभाएगा। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े की रीढ़ माने जाने वाले मिग-21 की विदाई के बाद लड़ाकू विमानों की कमी को पूरा करने के लिए चल रही कवायद के बीच भारत और अमेरिका के बीच यह समझौता हुआ है।

स्वदेशी रूप से विकसित है तेजस

तेजस भारतीय वायुसेना के लिए एक स्वदेशी रूप से विकसित सिंगल-इंजन, मल्टी-रोल फाइटर जेट है। इसे उच्च खतरे वाले हवाई माहौल में संचालित करने की क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है। यह विमान हवाई सुरक्षा, समुद्री निगरानी और सटीक हमले जैसे कई मिशनों को अंजाम देने में सक्षम है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह सौदा भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को नई गति देगा। इन इंजनों के निर्माण और रखरखाव में भारत की तकनीकी क्षमता और उत्पादन नेटवर्क को भी व्यापक लाभ मिलेगा।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम

कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना ने मुठभेड़ में 2 आतंकी मारे

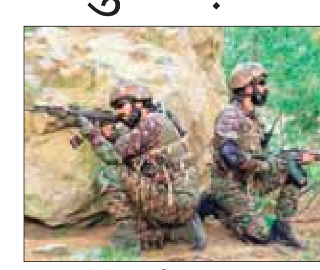

फाइल फोटो : भारतीय सेना

एजेंसी ▶▶| कुपवाड़ा

कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एक बार फिर पाकिस्तान की घुसपैठ की कोशिश को भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया है। 8 नवंबर को सेना के अधिकारियों ने बताया कि लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के केरन सेक्टर में 7 नवंबर को देर रात आतंकवादियों के एक ग्रुप ने अंधेरे का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश की, लेकिन सतर्क जवानों ने जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। 3 अन्य घुसपैठिए या तो पाकिस्तान की ओर लौट गए या इलाके में छिपे हो सकते हैं, जिन्हें पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। सेना ने बताया कि खुफिया एजेंसियों से मिली खास सूचना के बाद पहले ही एक जॉइंट ऑपरेशन शुरू कर दिया गया था।

आतंकियों की पहचान की जांच जारी

अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन से संबंध की जांच की जा रही है। अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि वे किस आतंकी संगठन से जुड़े थे। चिनार कोर ने पहले ही एक्स पर कहा था कि 7 नवंबर 2025 को एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर केरन सेक्टर में जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया गया था। संदिग्ध गतिविधि देखते ही आतंकियों ने फायरिंग शुरू की, जिसके बाद संपर्क स्थापित हुआ और ऑपरेशन जारी है। सेना का कहना है कि यह घुसपैठ रोकने की कार्रवाई न सिर्फ नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा की सफलता है, बल्कि पाकिस्तान की लगातार नाकाम हो रही साजिशों का भी सबूत है।

केरन सेक्टर में सर्च ऑपरेशन जारी

सेना के प्रवक्ता ने बताया कि अभी ऑपरेशन जारी है और इलाके में अतिरिक्त जवानों की तैनाती कर दी गई है। आशंका जताई जा रही है कि मारे गए आतंकवादियों के तीन साथी या तो पाकिस्तानी इलाके में भाग निकले या अब भी जंगल में छिपे हैं। सेना के जवानों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, इस कार्रवाई ने पाकिस्तान की एक बड़ी घुसपैठ साजिश को नाकाम कर दिया।

एएमएसएस में आई थी तकनीकी समस्या

दिल्ली एयरपोर्ट पर 36 घंटे बाद धीरे-धीरे से सुधर रहे हालात, डीजीसीए ने शुरू की जांच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली में एयरपोर्ट पर लगभग 36 घंटे पहले हुई बड़ी तकनीकी खराबी के बाद शनिवार को हालात में सुधार देखा गया। शनिवार को कुल 129 उड़ानें (53 आगमन और 76 प्रस्थान) देरी से चल रही हैं। गुरुवार शाम को दिल्ली एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) सिस्टम में तकनीकी दिक्कत आ गई थी। यह समस्या ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम (एएमएसएस) में आई, जो उड़ानों की योजना (फ्लाइट प्लानिंग) से जुड़ा एक अहम हिस्सा है।

जीपीएस सिग्नल की गड़बड़ी भी कारण

एयरपोर्ट का एटीएस टॉवर

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इन घटनाओं का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। इस मामले में पायलटों ने बताया कि यह गड़बड़ी दिल्ली से 60 नॉटिकल मील (लगभग 110 किमी) की सीमा में ज्यादा दिखाई दी। यह बात सामने आ रही है कि जीपीएस सिग्नल की गड़बड़ी भी एक बड़ा कारण है।

465 जीपीएस स्पूफिंग की घटनाएं हुईं

नवंबर 2023 से फरवरी 2025 के बीच 465 जीपीएस स्पूफिंग की घटनाएं भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र (अमृतसर और जम्मू) में दर्ज की गईं। जीपीएस स्पूफिंग एक साइबर हमला है।

अरुणाचल में खोजी 'होया' पौधों की दो दुर्लभ प्रजातियां

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने बताया कि बोटैनिकल सर्वे ऑफ इंडिया (बीएसआई) के क्षेत्रीय केंद्र के वैज्ञानिकों ने राज्य में होया पौधों की दो दुर्लभ प्रजातियां खोजी हैं। यह खोज राज्य की पुष्पीय विविधता के दस्तावेजीकरण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। सीएम खांडू ने बताया कि होया चिंगहुंगेंसिस प्रजाति को भारत में पहली बार दर्ज किया गया है, जबकि होया एक्यूमिनाटा प्रजाति को पहली बार अरुणाचल प्रदेश में पाया गया है। उन्होंने एक्सपर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि बोटैनिकल सर्वे ऑफ इंडिया, अरुणाचल प्रदेश रीजनल सेंटर, ईटानगर की पूरी टीम को इस अद्भुत वैज्ञानिक योगदान के लिए हार्दिक बधाई। यह खोज ईस्ट कामेंग, पक्के केसांग और लॉन्गडिंग जिलों में किए गए व्यापक पुष्पीय सर्वेक्षण के दौरान की गई।

टाइम आउट सिटी लाइफ इंडेक्स 2025 जारी

एशिया का सबसे खुशहाल शहर बना मुंबई, टॉप-10 में चीन के दो शहर भी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टाइम आउट के सिटी लाइफ इंडेक्स 2025 में दुनिया भर के 18,000 से ज्यादा लोगों से पूछा गया कि वे अपने शहरों में कितने खुश हैं। इस सर्वे में शामिल लोगों ने अपने शहरों को उनकी कल्चर, नाइटलाइफ, फूड, लाइफस्टाइल और पांच बातों के आधार पर रेटिंग दी, जैसे कि क्या उनका शहर उन्हें खुश रखता है और क्या स्थानीय लोग सकारात्मक हैं।

मुंबई को साल 2025 में एशिया का सबसे खुशहाल शहर घोषित किया गया है। 94 फीसदी मुंबईकर का कहना है कि उनका शहर उन्हें खुश रखता है। ताजा सर्वे के मुताबिक, 89% लोग मुंबई में कहीं और की तुलना में ज्यादा खुश महसूस करते हैं।

नरीमन पॉइंट, मुंबई

88% लोगों का कहना है कि शहर के लोग खुशमिजाज दिखते हैं। 87% लोगों का मानना है कि हाल ही में मुंबई में खुशियां बढ़ी हैं। इस सूची में दूसरे और तीसरे नंबर पर चीन के शहर बीजिंग और शंघाई हैं।

अमेरिका के वीजा नियमों में बड़ा बदलाव

गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों की यूएस में 'एंट्री' प्रतिबंधित की गई

अमेरिका का वीसा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

डायबिटीज और कैंसर समेत कई बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए अमेरिकी वीजा पाना थोड़ा मुश्किल भरा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने वीजा नीति में कुछ बदलाव किए हैं। इसके अनुसार हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर, मोटापा और मेंटल हेल्थ से जूझ रहे लोगों को अमेरिकी वीजा के लिए मना किया जा सकता है। ट्रंप सरकार की ओर से जारी निर्देश के अनुसार अमेरिकी वीजा के लिए आवेदन करने वाले विदेशी नागरिकों को हृदय रोग, श्वसन रोग, कैंसर, डायबिटीज, मोटापा, न्यूरोलॉजिकल और मेंटल हेल्थ जैसी दिक्कतों की वजह से वीजा देने से मना भी किया जा सकता है।

अमेरिका के केएफएफ हेल्थ न्यूज के अनुसार संबंधित विभाग को लगता है कि इन बीमारियों से ग्रसित लोग दूसरों के लिए बोझ बन सकते हैं। इसके साथ ही अमेरिकी संसाधनों पर भी इसका बुरा असर होगा।

वैज्ञानिकों ने बनाई चावल के दाने से भी छोटी ब्रेन चिप

दिमाग के जरिए हो सकेगा कंप्यूटर का नियंत्रण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी ब्रेन इंप्लांट चिप बनाई है जो चावल के दाने से भी छोटी है। यह दिमाग के अंदर लगाई जाती है और वहां से निकलने वाले इलेक्ट्रिक संकेतों को पकड़कर इंफ्रारेड लाइट के जरिए बाहर भेजती है। इस खोज को न्यूरोटेक्नोलॉजी की दुनिया में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

इस यंत्र का नाम एमओटीई (माइक्रो स्केल ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स टेथरलेस इलेक्ट्रोड) है। यह अब तक की बनी सबसे छोटी वायरलेस ब्रेन इंप्लांट है। इसे बनाने वाले वैज्ञानिक कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के इंजीनियर एलियोशा मोलनार ने कहा कि यह अब तक की सबसे छोटी डिवाइस है जो दिमाग की गतिविधि को माप सकती है और वायरलेस तरीके से बाहर भेज सकती है।

2001 से काम चल रहा था, 20 साल बाद हुआ पूरा

लकवाग्रस्त और अक्षम लोगों के लिए वरदान

मनुष्य के दिमाग में लगाई जाएगी ब्रेन चिप

चूहों पर परीक्षण सफल

इस चिप को एल्युमिनियम गैलियम आर्सेनाइड नाम की खास सामग्री से बनाया गया है। यह लाइट के जरिए डाटा भेजती भी है और उसी लाइट से अपनी ऊर्जा भी लेती है। इसमें डाटा को लाइट के पल्स के जरिए भेजने वाली तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह वही तकनीक है जो सैटेलाइट कम्युनिकेशन में इस्तेमाल होती है। पहले इस डिवाइस को लैब में उगाई गई सेल कल्चर पर टेस्ट किया गया। इसके बाद इसे चूहों के दिमाग के उस हिस्से में लगाया गया जो उनकी मूंछों से आने वाली जानकारी को प्रोसेस करता है।

मस्तिष्क में सर्जरी के जरिए लगाते हैं

ब्रेन इंप्लांट चिप एक छोटी सी कंप्यूटर चिप होती है, जिसे मानव मस्तिष्क में सर्जरी के जरिए लगाया जाता है। इसका उद्देश्य मस्तिष्क को सीधे कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जोड़ना है, ताकि गंभीर रूप से लकवाग्रस्त या अक्षम लोग भी केवल अपने दिमाग के जरिए कंप्यूटर को नियंत्रित कर सकें। यह चिप मस्तिष्क के न्यूरल संकेतों को पढ़कर उन्हें डिजिटल कमांड में बदलती है, जिससे कर्सर को हिलाना, गेम खेलना या कुछ टाइप करना संभव हो पाता है। यह चिप लगभग 300 माइक्रॉन लंबी और 70 माइक्रॉन चौड़ी है। अगर बोलचाल की भाषा में कहें तो यह एक इंसान के बाल जितनी पतली है।

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय, आपको ग्रोथ ऑप्शन और डिविडेंड ऑप्शन में से एक का चयन करना होता है। ये दोनों ऑप्शन आपके निवेश के उद्देश्य और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर करते हैं।

म्यूचुअल फंड के ग्रोथ या डिविडेंड ऑप्शन में से बेहतर क्या और क्यों?

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों के लिए क्या रहेगा फायदे का सौदा ग्रोथ और डिविडेंड किसमें मिलेगा ज्यादा फायदा, फैसला गलत हो जाए तो कैसे स्विच करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कई बार निवेशकों को यह कनफ्यूजन हो सकता है कि किसी स्कीम का ग्रोथ ऑप्शन चुनें या डिविडेंड ऑप्शन बेहतर रहेगा? सही ऑप्शन का चुनाव आपके रिटर्न को बढ़ा सकता है, जबकि गलत सेलेक्शन से आपका मुनाफा घट सकता है। यही वजह है कि समझदारी से लिया गया फैसला आपके इनवेस्टमेंट की ग्रोथ को कई गुना बढ़ा सकता है। आमतौर पर ग्रोथ विकल्प बेहतर होता है, क्योंकि यह लंबी अवधि में चक्रवृद्धि ब्याज के कारण अधिक धन बनाता है, जबकि डिविडेंड विकल्प उन निवेशकों के लिए बेहतर है जो नियमित आय चाहते हैं। ग्रोथ में, फंड लाभ को फिर से निवेश करता है, जिससे निवेश का मूल्य समय के साथ बढ़ता है, जबकि डिविडेंड में, फंड आय वितरित करता है, जिससे चक्रवृद्धि ब्याज का प्रभाव कम हो जाता है। आइए इस रिर्पोट में जानते हैं दोनों ऑप्शंस का फर्क, फायदे और स्विच करने के नियम।

ग्रोथ ऑप्शन के फायदे

म्यूचुअल फंड के ग्रोथ ऑप्शन में आपके निवेश पर जो भी मुनाफा बनता है, वो आपको कैश में नहीं दिया जाता है, बल्कि, वह पैसा दोबारा उसी म्यूचुअल फंड फिर से इनवेस्ट कर दिया जाता है। इसका फायदा यह होता है कि आपके मुनाफे पर भी मुनाफा जुड़ने लगता है, जिससे कंपाउंडिंग का बेनिफिट मिलता है। समय के साथ कंपाउंडिंग की यह ताकत आपकी पूंजी को तेजी से बढ़ाने में मदद करती है. यही वजह है कि ग्रोथ ऑप्शन में फंड की नेट एसेट वैल्यू यानी एनएवी ज्यादा तेजी से बढ़ती है।

डिविडेंड ऑप्शन क्या है

पहले जिसे डिविडेंड ऑप्शन कहा जाता था, उसे अब 'इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विदड्रॉल' ऑप्शन यानी आईडीसीडब्ल्यू का नाम दे दिया गया है। इसमें फंड से मिलने वाला मुनाफा समय-समय पर निवेशकों में बांट दिया जाता है। हालांकि पेआउट की यह फ्रीक्वेंसी फिक्स नहीं होती, लेकिन जब भी ऐसा भुगतान किया जाता है, फंड की एनएवी घट जाती है। इसका मतलब है कि लंबे समय में आपकी पूंजी उतनी तेजी से नहीं बढ़ पाती जितनी ग्रोथ ऑप्शन में बढ़ सकती है। सेबी ने डिविडेंड ऑप्शन का नाम बदलकर आईडीसीडब्ल्यू इसलिए रखा, ताकि निवेशकों को यह समझ में आए कि इस पेआउट में कुछ हिस्सा आपकी अपनी पूंजी से निकलता है. यह कोई गारंटीड इनकम जैसा

विकल्प नहीं हैं।

कौन सा विकल्प सही

ग्रोथ और डिविडेंड ऑप्शन में आपके लिए कौन सा विकल्प सही है, यह पूरी तरह आपके आर्थिक लक्ष्य और निवेश के मकसद से तय होता है। अगर आप रिटायर्ड हैं या किसी वजह से रेगुलर इनकम (आपके लिए जरूरी है, तो आईडीसीडब्ल्यू ऑप्शन आपके लिए बेहतर हो सकता है, लेकिन अगर आप लंबी अवधि के लिए पैसे लगा रहे हैं और चाहते हैं कि आपका पैसा लगातार बढ़ता रहे, तो ग्रोथ ऑप्शन सही रहेगा। लंबे समय में देखा जाए तो ग्रोथ ऑप्शन आमतौर पर बेहतर रिटर्न देता है, क्योंकि इसमें कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। वहीं, आईडीसीडब्ल्यू ऑप्शन उन निवेशकों के लिए है जो समय-समय पर पैसा निकालना चाहते हैं और रेगुलर इनकम चाहते हैं।

गलत विकल्प चुन लिया हो तो क्या करें?

म्यूचुअल फंड में सही ऑप्शन चुनना उतना ही जरूरी है जितना सही फंड चुनना. दोनों की अपनी-अपनी खूबियां और सीमाएं हैं।

कई निवेशक शुरुआत में रेगुलर इनकम पाने के लिए या किसी कनफ्यूजन की वजह से आईडीसीडब्ल्यू चुन लेते हैं, लेकिन बाद में उन्हें महसूस होता है कि अगर उनका पूरा मुनाफा फंड में ही दोबारा निवेश होता, तो लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिल सकता था। ऐसा होने पर निवेशक अपने पैसों को ग्रोथ ऑप्शन में स्विच कर सकते हैं, लेकिन उससे पहले म्यूचुअल फंड पर लागू होने वाले टैक्स के नियमों और एग्जिट लोड के असर को समझना जरूरी है।

आईडीसीडब्ल्यू से ग्रोथ ऑप्शन में कैसे स्विच करें

अगर आप अपने म्यूचुअल फंड इनवेस्टमेंट को डिविडेंड या आईडीसीडब्ल्यू ऑप्शन से ग्रोथ ऑप्शन में स्विच करना चाहते हैं, तो इसके लिए एक फॉर्म भरना होता है। फंड स्विचिंग की यह प्रॉसेस आमतौर पर 24 घंटे में पूरी हो जाती है, लेकिन याद रखें कि इस तरह का स्विच रिडेम्पशन और नई खरीदारी दोनों ही माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको यूनिट होल्ड करने की अवधि के हिसाब से एग्जिट लोड और कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ सकता है। इसलिए फैसला करने से पहले पूरी टैक्स देनदारी को जरूर समझ लें।

निवेश का उद्देश्य लंबी अवधि के लिए पूंजी की वृद्धि

डिविडेंड : डिविडेंड का भुगतान नहीं किया जाता है, बल्कि इसे फंड में पुनर्निवेश किया जाता है।

निवेश की वृद्धि : निवेश की वृद्धि होती है, जिससे आपका मूल निवेश बढ़ता है।

कर लाभ : ग्रोथ ऑप्शन में निवेश पर कर लाभ मिलता है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान नहीं किया जाता है।

समझदारी
बिजनेस डेस्क

डिविडेंड ऑप्शन

- **निवेश का उद्देश्य :** नियमित आय प्राप्त करना।
- **डिविडेंड :** डिविडेंड का भुगतान किया जाता है, जिससे आपको नियमित आय मिलती है।
- **निवेश की वृद्धि :** निवेश की वृद्धि कम होती है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान किया जाता है।
- **कर लाभ :** डिविडेंड ऑप्शन में निवेश पर कर लाभ नहीं मिलता है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान किया जाता है।

कब ग्रोथ ऑप्शन चुनें

- **लंबी अवधि के निवेशक :** यदि आप लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और पूंजी की वृद्धि करना चाहते हैं।
- **नियमित आय की आवश्यकता नहीं :** यदि आपको नियमित आय की आवश्यकता नहीं है और आप अपने निवेश को बढ़ाना चाहते हैं।

कब डिविडेंड ऑप्शन चुनें

- **नियमित आय की आवश्यकता :** यदि आपको नियमित आय की आवश्यकता है और आप अपने निवेश से आय प्राप्त करना चाहते हैं।
- **अल्पकालिक निवेशक :** यदि आप अल्पकालिक निवेश करना चाहते हैं और नियमित आय प्राप्त करना चाहते हैं।

गलत फंड चुनने से बचना चाहते हैं तो निवेश से पहले जान लें ये टिप्स

- बाजार में मौजूद 250 से ज्यादा ईटीएफ में से अपने लिए सही फंड चुनना आसान नहीं
- लक्ष्य और कुछ बातों को ध्यान में रखेंगे तो सही फंड में निवेश करना आसान हो जाएगा

अपने लिए सही फंड चुनना किसी निवेशक के लिए बड़ी चुनौती अगर गलत ईटीएफ चुन लिया, तो उसका रिटर्न पर बुरा असर पड़ेगा

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। वजह साफ है। ईटीएफ बेहद कम खर्च में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने का मौका देते हैं। इसके साथ ही उन्हें एक्सचेंज पर जाकर स्टॉक्स की तरह आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है, लेकिन बाजार में 250 से ज्यादा ईटीएफ मौजूद हैं। ऐसे में अपने लिए सही फंड चुनना किसी निवेशक के लिए बड़ी चुनौती हो सकता है। अगर गलत ईटीएफ चुन लिया, तो उसका आपके रिटर्न पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप अपने निवेश के लिए सही ईटीएफ चुनना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे की कुछ ऐसे ही टिप्स जो आपको सही फंड चुनने में मदद करेंगे।

आपका ईटीएफ किस इंडेक्स को ट्रैक करता है

हर ईटीएफ किसी न किसी इंडेक्स को ट्रैक करता है। यानी आप इनडायरेक्ट तौर पर उस इंडेक्स में शामिल कंपनियों या एसेट्स में निवेश कर रहे होते हैं। मसलन, अगर आपका ईटीएफ निफटी 50 या सेसेंक्स को फॉलो करता है, तो आप उनके जरिये देश की टॉप कंपनियों की हिस्सेदारी खरीद रहे होते हैं। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि आपका चुना हुआ ईटीएफ किस इंडेक्स से जुड़ा है और क्या वह आपके निवेश के उद्देश्य से मेल खाता है। सही इंडेक्स का चुनाव लंबे समय में बेहतर रिटर्न की दिशा तय करता है।

ट्रैकिंग एरर पर रखिए खास नजर

हर ईटीएफ कोशिश करता है कि वह अपने बेंचमार्क इंडेक्स को हूबहू फॉलो करे, लेकिन हर बार ऐसा संभव नहीं होता. इस छोटे फर्क को ही ट्रैकिंग एरर कहा जाता है। अगर यह एरर कम है, तो ईटीएफ अपने इंडेक्स के रिटर्न से काफी हद तक मेल खाता है। वहीं, अगर ट्रैकिंग एरर ज्यादा है, तो आपके रिटर्न उम्मीद से कम हो सकते हैं। इसलिए हमेशा ऐसे ईटीएफ को चुनना बेहतर रहता है, जिसका ट्रैकिंग एरर कम से कम हो।

लिक्विडिटी यानी खरीदना-बेचना कितना आसान

निवेश का मकसद सिर्फ रिटर्न पाना नहीं होता, बल्कि आपके पास जरूरत पड़ने पर पैसा निकालने की बेहतर सुविधा होनी भी जरूरी है। इसलिए ईटीएफ की लिक्विडिटी बेहद अहम होती है। अगर किसी ईटीएफ में रोजाना अच्छा कारोबार होता है, यानी खरीदने और बेचने वालों की संख्या काफी है, तो उसे कभी भी बेचना आसान रहेगा, लेकिन अगर फंड का ट्रेडिंग वॉल्यूम कम है, तो आपको जरूरत पड़ने पर कम समय में अपनी यूनिट्स बेचने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। हमेशा ऐसे ईटीएफ का चुनाव करें जिसे जरूरत पड़ने पर आसानी से खरीदा या बेचा जा सके।

ईटीएफ के प्राइस और एनएवी में फर्क को समझें

ईटीएफ की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) यह बताती है कि उसमें शामिल एसेट्स का मौजूदा मूल्य कितना है। आम तौर पर ईटीएफ का मार्केट प्राइस उसके एनएवी के आसपास होना चाहिए, लेकिन कई बार मार्केट प्राइस इससे काफी ऊपर या नीचे भी ट्रेड करता है। अगर ईटीएफ का प्राइस उसकी एनएवी से काफी ज्यादा है, तो आप जरूरत से ज्यादा पैसे चुका रहे हैं। इसलिए निवेश से पहले हमेशा देखें कि ईटीएफ की कीमत उसकी एनएवी के करीब हो, ताकि आपका पैसा सही वैल्यू पर निवेश किया जा सके।

एक्सपेंस रेशियो पर ध्यान देना न भूलें

हर ईटीएफ को चलाने के लिए मैनेजमेंट कॉस्ट लगती है, जिसे एक्सपेंस रेशियो कहा जाता है। इसका आंकड़ा पहली नजर में भले ही बेहद छोटा लगे, लेकिन लंबे समय में यह आपके रिटर्न पर बड़ा असर डाल सकता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी ईटीएफ का एक्सपेंस रेशियो 0.05% है और दूसरे का 0.10%, तो शुरुआत में फर्क छोटा दिखेगा, पर साल दर साल यही फर्क आपके रिटर्न पर बड़ा असर डाल सकता है। इसलिए बाकी बातें समान रहने पर हमेशा उसी ईटीएफ का चुनाव करें, जिसका एक्सपेंस रेशियो कम हो। सही ईटीएफ का चुनाव करना किसी भी निवेशक के लिए बड़ा फैसला होता है, क्योंकि इसी से तय होता है कि आगे चलकर आपका निवेश कितना स्टेबल और फायदेमंद रहेगा।

सही फैसला लें

अगर आप ऊपर बताई गई बातों-बेंचमार्क इंडेक्स, ट्रैकिंग एरर, लिक्विडिटी, प्राइस-एनएवी डिफरेंस और एक्सपेंस रेशियो - को ध्यान में रखकर फंड चुनेंगे, तो सही फैसला लेना आसान होगा। याद रखें, सारे ईटीएफ एक जैसे नहीं होते। इसलिए जल्दबाजी में नहीं, बल्कि समझदारी के साथ सही ईटीएफ चुनें।

क्या है ईटीएफ

ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश उत्पाद है जो शेयर बाजार में ट्रेड किया जाता है। यह एक म्यूचुअल फंड की तरह होता है, लेकिन इसे शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है जैसे कि शेयर।

ईटीएफ की विशेषताएं

1. **ट्रेडेबिलिटी :** ईटीएफ को शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है।
2. **डाइवर्सिफिकेशन :** ईटीएफ में विभिन्न प्रकार के शेयर, बॉन्ड, या अन्य सिक्योरिटीज शामिल होते हैं।
3. **लो कॉस्ट :** ईटीएफ की फीस आम तौर पर म्यूचुअल फंड की तुलना में कम होती है।
4. **ट्रांसपेरेंसी :** ईटीएफ के पोर्टफोलियो की जानकारी दैनिक रूप से उपलब्ध होती है।

ईटीएफ के प्रकार

1. **इक्विटी ईटीएफ :** ये ईटीएफ शेयर बाजार में निवेश करते हैं।
2. **बॉन्ड ईटीएफ :** ये ईटीएफ बॉन्ड में निवेश करते हैं।
3. **सेक्टोरल ईटीएफ :** ये ईटीएफ विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।
4. **इंटरनेशनल ईटीएफ :** ये ईटीएफ विदेशी शेयर बाजार में निवेश करते हैं।
5. **गोल्ड ईटीएफ :** ये ईटीएफ सोने में निवेश करते हैं।

ईटीएफ के लाभ

1. **डाइवर्सिफिकेशन :** ईटीएफ में विभिन्न प्रकार के शेयर या सिक्योरिटीज शामिल होते हैं।
2. **लो कॉस्ट :** ईटीएफ की फीस आम तौर पर कम होती है।
3. **ट्रेडेबिलिटी :** ईटीएफ को शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है।
4. **ट्रांसपेरेंसी :** ईटीएफ के पोर्टफोलियो की जानकारी दैनिक रूप से उपलब्ध होती है।

ईटीएफ के जोखिम

1. **मार्केट जोखिम :** ईटीएफ के मूल्य में उतार-चढ़ाव हो सकता है।
2. **लिक्विडिटी जोखिम :** ईटीएफ की लिक्विडिटी कम हो सकती है।
3. **ट्रैकिंग एरर :** ईटीएफ का प्रदर्शन उसके अंडरलाइंग इंडेक्स के प्रदर्शन से भिन्न हो सकता है।

आय का मुख्य स्त्रोत आप खुद हैं या परिवार पर आपकी जिम्मेदारी तो यह सही कदम

कई बार बैंक सिर्फ अपने कमीशन के लिए भी लोन इंश्योरेंस बेचते हैं

एजेंट की बातों से न हों कनफ्यूज, लोन का इंश्योरेंस का कदम सही या गलत ऐसे समझें

सलाह
बिजनेस डेस्क

जब आप कोई लोन लेते हैं, तो बैंक या एजेंट अक्सर लोन इंश्योरेंस लेने की सलाह देते हैं, लेकिन क्या वाकई इसकी जरूरत होती है? हर स्थिति में नहीं। लोन इंश्योरेंस समझदारी का कदम तब है जब आपकी आय का मुख्य स्त्रोत आप खुद हैं या परिवार पर आपकी जिम्मेदारी है, लेकिन कई बार बैंक सिर्फ अपने कमीशन के लिए भी इसे बेचते हैं। इसलिए आप एजेंट की बातों के कनफ्यूज न हों और अपने लिए सही विकल्प चुनें। तभी आप लोन लेकर खुद को सुरक्षित कर सकते हैं, वरना कई यह आपके गले की फांस भी बन सकता है। अक्सर जब आप बैंक या एनबीएफसी से पर्सनल लोन, होम लोन या कार लोन लेने जाते हैं, तो एजेंट आपको एक और प्रोडक्ट बेचने की कोशिश करता है- लोन इंश्योरेंस वह कहता है कि अगर किसी वजह से आप लोन नहीं चुका पाए तो यह इंश्योरेंस आपकी ईएमआई भर देगा या आपके परिवार पर बोझ नहीं डालेगा। पहली नजर में यह बात सही लगती है, लेकिन असल में हर बार लोन इंश्योरेंस लेना फायदेमंद नहीं होता है। कई बार यह सिर्फ बैंक या एजेंट का कमिशन कमाने का तरीका होता है। इसलिए बिना समझे इंश्योरेंस खरीदना नुकसानदायक हो सकता है।

लोन इंश्योरेंस होता क्या है?

लोन इंश्योरेंस एक ऐसी पॉलिसी होती है जो यह सुनिश्चित करती है कि अगर किसी वजह से लोन लेने वाला व्यक्ति ईएमआई नहीं भर पाता, तो इंश्योरेंस कंपनी बाकी ईएमआई का भुगतान करेगी। इसका मकसद बैंक या लेंडर को डिफॉल्ट रिस्क से बचाना होता है, लेकिन ध्यान दीजिए कि यह सुरक्षा आपके परिवार के लिए नहीं, बल्कि बैंक के लिए होती है। यानी बैंक को तो उसका पैसा मिल जाता है, पर आपके परिवार को सीधा फायदा नहीं होता।

कब जरूरी है लोन इंश्योरेंस?

हर लोन के साथ इंश्योरेंस जरूरी नहीं, लेकिन कुछ परिस्थितियों में यह समझदारी भरा कदम हो सकता है।

1. **होम लोन या बड़ी रकम वाला लोन :** अगर आपने लंबी अवधि के लिए होम लोन या बिजनेस लोन लिया है, तो इंश्योरेंस आपको और परिवार को राहत दे सकता है।
2. **अगर आप सोल ब्रेडविनर हैं :** अगर परिवार में कमाने वाले आप ही हैं और किसी कारणवश आपकी मृत्यु हो जाए या नौकरी छूट जाए, तो यह पॉलिसी बाकी लोन चुका सकती है।
3. **अगर आपका प्रोफेशन रिस्की है :** जो लोग खतरनाक कामों में हैं या फिर मेडिकल इंडस्ट्री में हैं, तो उनके लिए यह इंश्योरेंस जरूरी है।

कब नहीं लेना चाहिए लोन इंश्योरेंस?

कई बार बैंक या एजेंट आपको डर दिखाकर यह पॉलिसी थमा देते हैं, लेकिन हर केस में इसकी जरूरत नहीं होती।

1. **अगर आपके पास लाइफ इंश्योरेंस पहले से है :** अगर आपके पास पर्याप्त टर्म इंश्योरेंस है, तो अलग से लोन इंश्योरेंस लेने की जरूरत नहीं है। आपका टर्म प्लान परिवार को पूरी सुरक्षा देता है।
2. **अगर लोन छोटी अवधि का है :** जैसे पर्सनल लोन 1-2 साल के लिए हो या कार लोन बहुत छोटी रकम का हो, तो उस पर इंश्योरेंस का प्रीमियम देना बेकार है।
3. **अगर ईएमआई आपकी इनकम का छोटा हिस्सा है :** जब ईएमआई आपकी इनकम का सिर्फ 10-15% हो, तो अतिरिक्त इंश्योरेंस का खर्च आपकी जेब पर बोझ बन सकता है।

एजेंट से कनफ्यूज ना हों

एजेंट या बैंक अधिकारी कई बार कहते हैं कि बिना इंश्योरेंस लोन अप्रूव नहीं होगा, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। आरबीआई और इरडा दोनों ने साफ किया है कि लोन इंश्योरेंस कभी भी अनिवार्य नहीं होता। अक्सर ग्राहक कन्फ्यूज होकर पॉलिसी ले लेता है, जो बाद में बेकार साबित होती है।

कितना होता है लोन इंश्योरेंस का प्रीमियम?

अगर आप 10 लाख रुपये का लोन करीब 5 साल के लिए लेते हैं तो उस पर आपको 10-12 हजार रुपये का इंश्योरेंस प्रीमियम लग सकता है। यह प्रीमियम कम-ज्यादा हो सकता है और आप इस पर बारगेनिंग भी कर सकते हैं। यह प्रीमियम या तो आपसे एकमुश्त लिया जाता है या लोन राशि में जोड़ दिया जाता है। मतलब, कुछ मामलों में आप उसके ऊपर भी ब्याज चुकाते हैं।

क्या लोन इंश्योरेंस टैक्स बेनिफिट देता है?

कुछ लोन इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स बेनिफिट मिल सकता है, लेकिन यह इंश्योरेंस के प्रकार पर निर्भर करता है। अगर पॉलिसी लाइफ इंश्योरेंस कैटेगरी में आती है, तो सेक्शन 80सी के तहत छूट मिल सकती है, लेकिन अगर यह केवल क्रेडिट प्रोटेक्शन पॉलिसी है, तो टैक्स बेनिफिट नहीं मिलता।

सही निर्णय कैसे लें?

1. **तुलना करें :** विभिन्न इंश्योरेंस कंपनियों के प्रीमियम और कवरेज की तुलना करें।
2. **एजेंट की बातों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें :** हर सलाह के पीछे कमीशन छिपा हो सकता है।
3. **अपनी जरूरत देखें :** अगर आपका लोन छोटा है या पहले से टर्म इंश्योरेंस है, तो अतिरिक्त इंश्योरेंस की जरूरत नहीं।
4. **पॉलिसी डॉक्युमेंट पढ़ें :** साइन करने से पहले उसके सभी दस्तावेजों को जरूर समझें। यानी किन परिस्थितियों में क्लेम नहीं मिलेगा।

लोन इंश्योरेंस एक अच्छा सेफ्टी नेट

लोन इंश्योरेंस एक अच्छा सेफ्टी नेट है, लेकिन हर किसी के लिए जरूरी नहीं। अगर आपके ऊपर बड़ा लोन है, परिवार आप पर निर्भर है या आपकी हेल्थ रिस्की है, तो इसे लेना समझदारी है, लेकिन अगर आपका लोन छोटा है, ईएमआई कंट्रोल में है और टर्म इंश्योरेंस पहले से है, तो एजेंट की बातों में आकर इंश्योरेंस लेने की जरूरत नहीं। हमेशा याद रखें कि लोन इंश्योरेंस बैंक के लिए सुरक्षा है, आपके लिए नहीं।

सालभर में 13 हजार 619 लोगों को काटा

जबलपुर में स्ट्रीट डॉग्स की दहशत

हरिभूमि जबलपुर।

जबलपुर में आवारा श्वानों की समस्या गंभीर जनसंकट का रूप ले चुकी है। नेशनल हेल्थ मिशन की रिपोर्ट के अनुसार साल 2024 में शहर में 13 हजार 619 लोग डॉग बाइट का शिकार बने, जो यह दर्शाता है कि स्ट्रीट डॉग्स का खतरा अब सड़कों से आगे बढ़कर अस्पताल, स्कूल और रिहायशी इलाकों तक पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में आवारा पशुओं को नेशनल और स्टेट हाईवे से हटाने और अस्पताल, स्कूल-कॉलेज परिसरों में सुरक्षा घेरा लगाने के आदेश के बाद भी शहर में हालात जस-के-तस हैं। मध्यप्रदेश में स्ट्रीट डॉग्स की आबादी 10 लाख के पार पहुंच चुकी है, जिसमें अकेले इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर सहित 5 बड़े शहरों में 6 लाख से अधिक आवारा श्वानों हैं।

अस्पतालों से स्कूल तक, हर जगह श्वानों का जमावड़ा

मेडिकल कॉलेज, विक्टोरिया अस्पताल, जिला अस्पताल के आसपास और शहर के कई विद्यालय-कॉलेज परिसर में श्वानों के झुंड आम दिखाई देते हैं। शहर के रिहायशी इलाकों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और बाजार क्षेत्रों में भी आवारा श्वानों की सक्रियता बढ़ने से नागरिकों में दहशत का माहौल है।

नसबंदी के बाद भी समस्या जस की तस

सूत्रों के अनुसार श्वानों की नसबंदी प्रक्रिया तो की जा रही है, लेकिन ऑपरेशन के बाद श्वानों को फिर उसी इलाके में छोड़ दिया जाता है, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। यही कारण है कि नसबंदी के बावजूद हमलों और आक्रामकता में कोई कमी नहीं आई है। वहीं नसबंदी के नाम पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगते रहे हैं, जिसमें दावा किया गया की नसबंदी कागजों में हो रही है, हकीकत में श्वानें आजाद हैं.

मौसम बदलते ही आक्रामक हो रहे श्वानें

पशु विशेषज्ञों के मुताबिक ठंड में ब्रीडिंग सीजन होने से मादा श्वाने ज्यादा आक्रामक हो जाती हैं। गर्मी में शरीर का ताप संतुलित न कर पाने से वे चिड़चिड़े और हिंसक व्यवहार करते हैं. भोजन की कमी, वैक्सीनेशन न होना और नसबंदी का सीमित असर भी हमलों की बड़ी वजह है।

शहर में तत्काल सख्त कदम उठाना जरूरी

नागरिक सुरक्षा को देखते हुए विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि नगर निगम और जिला प्रशासन एक साथ मिलकर इस दिशा में व्यापाक अभियान चलाएं. स्कूल, कॉलेज और अस्पतालों में सुरक्षा बाड़ लगाई जाए. नसबंदी के बाद श्वानों की मॉनिटरिंग हो, री-लोकेशन नीति बने. शहर में रैबीज वैक्सीनेशन अभियान तेज किया जाए. कचरा प्रबंधन सुधारकर भोजन स्त्रोत नियंत्रित किए जाएं.

नगर निगम रेस्क्यू टीम सक्रिय करे

जानकारों का कहना है की जबलपुर में 13 हजार से अधिक डॉग बाइट के मामले साबित करते हैं कि आवारा श्वानों का मुद्दा अब केवल पशु नियंत्रण की चुनौती नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा का गंभीर संकट बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब जरूरत है कि योजनाएं सिर्फ कागज़ों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीनी स्तर पर कड़े और प्रभावी कदम उठाए जाएं।

आवारा श्वानों व मवेशियों को हटाने एक्शन प्लान बनेगा

जबलपुर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक याचिका पर सुनवाई करते हुए 7 नवंबर को आवारा मवेशियों व श्वानों पर दिए गए पर फैसले पर उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधि मंडल ने नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार से मुलाकात की और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर चर्चा की। निगमायुक्त ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त कराया कि 3 दिन के अंदर इस संबंध में एक्शन प्लान बनाया जायेगा। बैठक में बताया गया कि कठौंदा डॉग शेल्टर होम का विस्तार करने हेतु आज ही निर्देश जारी किए गए। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू द्वारा आवारा श्वानों के बावत बनाई गई सेंट्रल कमेटी के संबंध में महापौर से चर्चा कर सेंट्रल कमेटी की बैठक अगले सप्ताह में बुलाई जायेगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के बाद नगर निगम ने किया उपभोक्ता मंच को आश्वस्त

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने शनिवार की सुबह नगर निगम आयुक्त से सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के संबंध में चर्चा की थी, इसी सिलसिले में नगर निगम आयुक्त के कक्ष में दोपहर 1 बजे वृहद बैठक बुलाई गई थी। बैठक में नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ.पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, तथा एड.वेदप्रकाश अधौलिया, अतिरिक्त आयुक्त व्हीएन बाजपेयी, कार्यपालन यंत्री शैलेंद्र मिश्रा तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। डॉ.पीजी नाजपांडे ने बताया कि शहर में डॉग शेल्टर होम की संख्या बढ़ाना जरुरी है, इस हेतु अनेक संस्थाएं नगर निगम के साथ सहयोग करना चाहती है। वे आवारा श्वानों के टीकाकरण एवं बधियाकरण में मदद करना चाहते हैं, ऐसी संस्थाओं को साथ लेकर तथा नगर निगम के स्वयं के फंड का उपयोग कर टीकाकरण और बधियाकरण की संख्या बढ़ाई जाए। नगर निगम आयुक्त ने अधीनस्थ, अधिकारियों को निर्देश दिया कि डॉग कैचर्स की टीम्स के माध्यम से स्कूल, अधारताल, हाईवे और रेलवे स्टेशनों से आवारा श्वाने हटाये जाये।

नहीं थम रहे सायबर क्राईम

टेलीग्राम पर टास्क देकर डेढ़ लाख की धोखाधड़ी

जबलपुर। सायबर क्राईम तेजी से बढ़ रहे है। इन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से सायबर अपराधियों के हौसले बुलंद है। गोरखपुर थाना क्षेत्र में एक युवक के बिना अनुमति के टेलीग्राम में जोड़कर लुभावने वादे किए गए और उससे 1 लाख 45 हजार 453 रुपए ट्रांसफर करा लिए गए। लिखित शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया। गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेठीनगर गुप्तेश्वर निवासी 34 वर्षीय अनिल जायसवाल के मोबाइल पर अज्ञात नम्बर से कॉल आया, कॉल करने वालें ने बोला कि फ्लिपकार्ड में रिव्यू और रेटिंग बढ़ाने का काम है तो उसने मना कर दिया था उक्त द्वारा और भी लुभावने टास्क बताये और उसकी बिना अनुमति के टेलीग्राम में जोड़कर रिव्यू और रेटिंग करने वाले लोगों के स्क्रीन शॉट भेजा जिसमें बहुत ज्यादा पैसे रिटर्न होने के स्क्रीन शॉट थे और बोला कि उसके इस ग्रुप में काम करके लोग पैसा कमा रहे हैं आप भी अच्छा लाभ कमा सकते हैं तो अनिल उस व्यक्ति की बातों मे आकर काम करने लगा, जब पहला टास्क पूरा हुआ तो उसने पेमेंट विड्रा करने की कोशिश की पेमेंट विड्रो के समय पर उनके द्वारा कोई न कोई बहाना बनाया जाने लगा एवं उनके द्वारा और पेमेंट करा लिया जाता था इस तरह उनके दिये यूपीआई आईडी में उसने लगभग 1 लाख 45 हजार 453 रूपये एवं अपने दोस्त के अकाउण्ट से ट्रांसफर कर दिया। उसे वर्किंग टास्क में पैसे लगाने के नाम पर अलग अलग यूपीआई आईडी भेजते थे जिसमें वह पैसे ट्रांसफर कर देता था उसके द्वारा उनसे पैसे विड्रो करने के लिये बोलने पर उसके ग्रुप से निकाल दिया हैं। पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारक के विरूद्ध धारा 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

जबलपुर सर्वधर्म मैत्री मंच ने गुरु पर्व का गरिमामय आयोजन किया

जबलपुर। जबलपुर सर्वधर्म मैत्री मंच ने 08 नवम्बर को संत अलायसियस महाविद्यालय में गुरु पर्व का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन श्री गुरु नानक देव की जयंती (गुरु पर्व) के उपलक्ष्य में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भक्ति गीत और धर्मग्रंथों के पाठ के साथ-साथ अतिथियों के अभिनंदन से हुई। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. सरदूल सिंह संधू अध्यक्ष, बायो डिजाइन इन्नोवेशन सेंटर रादुविवि जबलपुर की उपस्थिति रही। अपने संबोधन में उन्होंने गुरु नानक देव द्वारा प्रचारित ईमानदारी, करुणा और साम्प्रदायिक सद्भाव के सिद्धांतों पर जोर दिया। उनके भाषण ने श्रोताओं को प्रभावित किया और विभिन्न धर्मों के बीच सहयोग की भावना को सुदृढ़ किया। संत अलायसियस महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फा. जे. बेन एंटोन ने अंतरधार्मिक संवाद हेतु गठित धर्मसंघ की ओर से वेटिकन सिटी का संदेश दिया, जिसका वाचन डॉ. निहारिका सिंह ने किया। यह संदेश शांति वार्ता है, जिसका उद्देश्य सिखों और सभी धर्मों का हाथ थामकर शांति फैलाना और एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र का निर्माण करना है। अंतरधार्मिक सद्भाव का प्रतीक यह समारोह, जेआईआरएफ के विभिन्न सदस्यों और कॉलेजों के शैक्षणिक समुदाय के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में जेआईआरएफ के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की समन्वयक सुखविंदर कौर, डॉ. तरविंदर कौर एवं डॉ. एकता मुकर थीं। कार्यक्रम का समापन उपस्थित लोगों द्वारा गुरु नानक जयंती की शांतिपूर्ण और समृद्ध कामनाओं के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन जसकर्ण चोपड़ा और गुरलीन कौर बंसल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सरदार गुरमीत सिंह ने किया।

अदालत परिसर में चाय के पेपर कप पर प्रतिबंध लगे

जबलपुर। राष्ट्रीय अधिवक्ता मंच ने हाईकोर्ट व जिला अदालत परिसर में चाय के पेपर कप पर प्रतिबंध की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता प्रशांत तिवारी ने इस सिलसिले में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को शिकायत सौंपी । जिसमें कहा गया है कि ताजा शोध के अनुसार पेपर कप घातक है क्योंकि तरल पदार्थ लीक होने से रोकने के लिए पालीमर की पतली परत चढ़ाई जाती है। जब इसमें गर्म चाय या काफी डाली जाती है, तो परत टूटकर माइक्रोप्लास्टिक कणों में बदल जाती है। इस तरह पेय पदार्थ विषाक्त हो जाता है। इससे हार्मोनल गड़बड़ी और नर्वस सिस्टम से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कैंसर तक हो सकता है। अधिवक्ता शशांक शुक्ल, सुरेंद्र तिवारी, प्रमोद मेहरोलिया, रत्नेश दुबे, महेंद्र डोगरे, अमित विश्वकर्मा, नरेश नामदेव व विपिन पाठक मौजूद रहे।

हत्या पर उम्रकैद की सजा मृत्युदंड में बदलने की मांग

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश सुनील मालवी की अदालत ने हत्या के आरोपी हीरागंज, कटनी निवासी किस्सू उर्फ किशोर तिवारी का दोष सिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही तीन हजार रुपये का जुर्माना लगाया। चूंकि हत्याकांड जघन्य श्रेणी का था, अतः मृतक के स्वजनों की ओर से हाई कोर्ट में अपील के जरिए उम्रकैद की सजा को मृत्युदंड में बदले जाने की मांग की गई है। इस मामले में अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक ज्योति राय ने पक्ष रखा। अभियोजन के अनुसार राजू सोनी की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई थी। वह उपरैनगंज, हितकारिणी स्कूल के पीछे निवास करता था। उसे आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर अपहरण किया और फिर हत्या कर दी। राजू को पहले गुंजा के पेड़ पर उलटा टांगा गया और बेरहमी से पीटा गया। जब मुंह से फेन आने लगा तो नीचे लिटाकर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई थी।

"दादा जी, आपको पीएम स्वनिधि योजना में 10 हजार मिले हैं क्या?"

निगमायुक्त ने सड़क किनारे बैठकर की बातचीत, पेश की मानवता की मिसाल

हरिभूमि, जबलपुर।

नगर निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने एक बार फिर अपने संवेदनशील व्यवहार से मानवता की मिसाल पेश की। शहर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते समय जब वे राइट टाउन प्रेम मंदिर के पास पहुंचे, तो सड़क किनारे एक वृद्ध लघु व्यापारी को देखकर रुक गए। निगमायुक्त स्वयं उनके पास पहुंचे और आत्मीयता से पूछा —

"दादा जी, आपको पीएम स्वनिधि योजना के 10 हजार रुपये मिले हैं क्या?"

व्यापारी बल्लू चौधरी, निवासी रानीताल धोबीघाट, ने मुस्कुराते हुए बताया कि अभी तक योजना का लाभ नहीं मिला है। इस पर निगमायुक्त अहिरवार ने उन्हें आश्वासन दिया कि शीघ्र ही टीम भेजकर योजना का लाभ दिलवाया जाएगा, ताकि वे स्वाभिमान के साथ व्यापार कर सकें। निगमायुक्त ने मौके पर ही संबंधित अधिकारी को दूरभाष पर तत्काल निर्देश दिए कि बल्लू चौधरी को पीएम स्वनिधि योजना का लाभ प्राथमिकता से दिलाया जाए। इस अवसर पर अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेडिकल अस्पताल पहुँचना अब हुआ आसान : निगमायुक्त

हरिभूमि, जबलपुर।

- 10 साल पुराने 150 से अधिक अतिक्रमण एक ही दिन में हटाए, नगर निगम ने रचा कीर्तिमान
- 1 किलोमीटर तक मार्ग हुआ पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त, नागरिकों ने की कार्रवाई की सराहना

नगर निगम जबलपुर ने जिला एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से शहर के प्रमुख मेडिकल कॉलेज मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश एवं अपर आयुक्त अरविन्द शाह की उपस्थिति में शुक्रवार को हुई कार्रवाई में लगभग 1 किलोमीटर तक फैले 150 से अधिक अतिक्रमण हटाए गए। निगमायुक्त अहिरवार ने बताया कि पिछले 10 वर्षों से मेडिकल कॉलेज के दोनों ओर अतिक्रमण होने से यातायात बाधित था और मरीजों, डॉक्टरों व नागरिकों को असुविधा होती थी। प्रशासन के सहयोग से एक ही दिन में मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कर शहर हित में बड़ा कदम उठाया गया है। अब मेडिकल अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ लेने और उपचार करने वालों सहित नागरिकों के लिए आवागमन सुगम हो गया है। कार्रवाई के दौरान नगर निगम, जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। निगमायुक्त ने कहा कि नागरिकों की सुविधा के लिए शहरभर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम लगातार जारी रहेगी।

- कलेक्टर ने की मतदाताओं के सत्यापन के कार्य में हुई अभी तक की प्रगति की समीक्षा
- गणना पत्रक के वितरण और मतदाताओं के सत्यापन के कार्य पर दिन-प्रतिदिन की मॉनिटरिंग करें
- एसआइआर की प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार करने स्वीप की गतिविधियां बढाने पर दिया जोर

टाइम लाइन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राघवेंद्र सिंह ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के प्रति जन-जागरूकता पैदा करने जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में स्वीप की गतिविधियां बढाने के निर्देश दिये हैं। इसके लिये उन्होंने दीवार लेखन, रैलियों, नुक्कड़ नाटक तथा स्कूल एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों की वाद-विवाद, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन करने के निर्देश दिये हैं। श्री सिंह आज शनिवार की शाम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिले में बीएलओ के माध्यम से घर-घर जाकर मतदाताओं के सत्यापन के कार्य में हुई प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योति परस्ते, जिले की आठों विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा एसाईआर के लिये नियुक्त सभी सेक्टर अधिकारी, जनपद पंचायतों के सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने बैठक में एसआइआर के कार्य में टाइमलाइन का विशेष ध्यान देने की हिदायत अधिकारियों को दी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में यदि कहीं कोई कठिनाई आ रही है तो उसका समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाये। श्री सिंह ने मतदाताओं की मेपिंग और गणना पत्रकों के वितरण की विधानसभावार समीक्षा करते हुये मतदाताओं के सत्यापन के कार्य में शहरी क्षेत्र की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्र में हुई प्रगति की सराहना की। उन्होंने घर-घर जाकर गणना पत्रक के वितरण और मतदाताओं के सत्यापन के कार्य में जरूरत पड़ने पर बीएलओ की सहायता के लिये अतिरिक्त अमला तैनात करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। श्री सिंह ने कहा कि इस कार्य में शहरी क्षेत्र में स्थानीय निकायों के मैदानी कर्मचारियों तथा ग्रामीण क्षेत्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पंचायत स्तर के कर्मचारियों का सहयोग लिया जा सकता है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को मतदाताओं के सत्यापन के कार्य की दिन-प्रतिदिन की मॉनिटरिंग करने तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को उन बीएलओ की प्रतिदिन बैठक लेने के निर्देश दिये, जिनके क्षेत्र में मतदाताओं के सत्यापन के कार्य की प्रगति अपेक्षाकृत कम है। कलेक्टर ने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर मतदाताओं की जिज्ञासाओं के समाधान के लिये शहरी क्षेत्रों में स्थापित किये गये वोटर्स हेल्प डेस्क के फोन नम्बर का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर ने एसआइआर के कार्य में बीएलओ की सहायता के लिये नियुक्त किये गये सेक्टर अधिकारियों को उनके दायित्वों की जानकारी दी तथा इनका गंभीरता से निर्वाह करने करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सेक्टर अधिकारी को अपने अधीनस्थ स्थानीय अमले को भी इस प्रक्रिया से जोड़ना होगा, ताकि इस कार्य को और गति दी जा सके। उन्होंने अपने सेक्टर में मतदाताओं की मैपिंग और गणना पत्रकों के वितरण पर भी नजर रखने के निर्देश सेक्टर अधिकारियों को दिये। श्री सिंह ने मतदाताओं की मैपिंग और गणना पत्रकों के डिजिटलाइजेशन के लिये दक्ष कम्प्यूटर आपरेटर को नियुक्त करने की सलाह भी निर्वाचक एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा सेक्टर अधिकारियों को दी। उन्होंने इन अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने भी कहा कि वोटर हेल्पलाइन एप में शामिल किये गये बुक ए कॉल विथ बीएलओ फीचर में एसआइआर को लेकर प्राप्त कॉल का बीएलओ द्वारा समय पर रिस्पांस दिया जाये।

कबड्डी में गोविंदगंज बनी विजेता

जबलपुर। हितकारिणी महोत्सव के अंतर्गत आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में बालक वर्ग में हितकारिणी गोविंदगंज की ने हितकारिणी सहजपुर की टीम को हराकर विजेता बनी। बालिका वर्ग में हितकारिणी बीएमडी दीक्षितपुरा की टीम ने हितकारिणी बी.टी. तिराहा को हराकर विजेता बनी। इस अवसर पर हितकारिणी सभा की सभापति श्रीमती सुनयना पटेरिया, उप-सभापति अशोक गुप्ता, हितकारिणी विद्या परिषद के अध्यक्ष समर गायकवाड, मंत्री जयेश सिंह राठौर, सदस्य संदीप गोलछा ने विजेताओ को मेडल तथा प्रमाणपत्र प्रदान कर अपनी शुभकामनाएं दी।

पटवा समाज का परिचय सम्मेलन आज

जबलपुर। श्री पटवा समाज समिति जबलपुर द्वारा आज अग्रसेन कल्याण मंडपम ने आज प्रातः 10 बजे से पटवा समाज परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस परिचय सम्मेलन में पूरे देश से पटवा समाज के व्यक्तियों का समागम होगा जिसने लगभग 3 हजार से अधिक व्यक्तियों के आने की संभावना है । सम्मेलन में पटवा समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों का परिचय के अतिरिक्त धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक, शिक्षा, खेल आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले सामाजिक व्यक्तियों का सम्मान भी किया जाएगा। पटवा समाज परिचय सम्मेलन में लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं जबलपुर महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू के अलावा समाज के राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी मुंबई से अखिल भारतीय पटवा वैश्य महासभा समाज के अध्यक्ष दयाशंकर पटवा, प्रदेश अध्यक्ष श्रीकांत पटवा, संरक्षक गोकुल पटवा के अतिरिक्त अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहकर समाजिक उत्थान के दृष्टिगत आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने किया दीनदयाल अंत्योदय रसोई केन्द्र और रैन बसेरों का निरीक्षण

नगर निगम द्वारा किया जा रहा है मध्यप्रदेश शासन की मंशा का बेहतर क्रियान्वयन

हरिभूमि, जबलपुर

नगर निगम जबलपुर द्वारा मध्यप्रदेश शासन की मंशा अनुरूप दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत संचालित रसोई केन्द्रों और रैन बसेरों का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने राजा गोकुलदास धर्मशाला स्थित रसोई केन्द्र और रैन बसेरों का अचानक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने रसोई केन्द्र में परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और बैठने की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मात्र 10 रुपए में जरूरतमंदों को भरपेट, स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान पाकशाला की स्वच्छता और भोजन परोसने की व्यवस्था को उन्होंने संतोषजनक बताया। इसके बाद निगमायुक्त अहिरवार ने महिला एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग बने रैन बसेरों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शीत ऋतु को देखते हुए पलंग, चादर, कंबल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति देखी और व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया।

निगमायुक्त ने इस मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि रैन बसेरों और रसोई केन्द्रों में साफ-सफाई, रंगरोगन और अन्य व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाए, ताकि जरूरतमंदों को अधिक सुविधाजनक वातावरण मिल सके।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, सहायक आयुक्त रचयिता अवस्थी, स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री अंकिता बर्मन, कार्यपालन यंत्री नवीन लोनारे, शैलेन्द्र मिश्रा, संभागीय अधिकारी कुलदीप तिवारी, उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला, संभागीय यंत्री संतोष पाण्डेय, अभिषेक तिवारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी पोलाराव, और उपयंत्री मनोज पटैल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नालियों से होकर गुजर रही पाइपलाइन गंदा पानी पीने मजबूर नागरिक

बरेला। नगर परिषद द्वारा संपूर्ण नगर में जगह-जगह पेय जल वितरण हेतु पाइप लाइन बिछाई गई है । अपितु वर्तमान में कुछ पाइपलाइन नालियों से होकर गुजर रही हैं। जिसके कारण जीर्ण क्षीण हो चुकी पाइप लाइन में गंदा पानी पहुंच जाता है और यह गंदा पानी पेय जल को दूषित कर रहा है जिससे कारण कुछ परिवार गंदा पानी पीने मजबूर है। संबंध में वार्ड नंबर 4 के निवासी मुन्ना चौरसिया ने बताया कि उनके घर के पास पाइपलाइन नालियां से होकर गुजर रही है तथा इस से उनके घर में भी पाइप लाइन गई हुई है।यह पाइप लाइन अनेक वर्षों पुरानी है जब इन नालियों में गंदा पानी भर जाता है तो गंदे पानी का रिसाव से पाइप लाइन में पहुंच जाता है जिसके कारण पेयजल। दूषित पानी हो रहा है। संबंध में अनेकों बार नगर परिषद में शिकायत चुके हैं तथा वार्ड पार्षद को भी बता चुके हैं किन्तु सुधार नहीं हुआ। शिकायत के बाबजूद नगर परिषद के जल प्रभारी और सी एम ओ द्वारा इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है जिसके कारण वह गंदा पानी पीने मजबूर हैं। बताया जाता है कि नगर में अनेकों जगह यही स्थिति है। पाइपलाइन अनेकों जगह नालियों से होकर गुजर रही है।नगर परिषद द्वारा सुधार नहीं किया जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप नगर में कुछ लोगों को गंदा पानी पीने को मजबूर और है इस गंदा पानी पीने से संक्रामक बीमारियों की आशंका जताईजा रही है।

पश्चिम मध्य रेलवे में क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव सम्पन्न

नाटक "सखी सुहाग राम मोहे दीन्हा" का मंचन करने वाली मुख्यालय टीम बनी विजेता

हरिभूमि, जबलपुर। रेल मंत्रालय के निर्देशानुसार आयोजित "क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव – 2025" का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह पश्चिम मध्य रेलवे मुख्यालय जबलपुर में संपन्न हुआ। नाट्योत्सव में जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडलों सहित कारखानों के सांस्कृतिक अकादमी दलों के 90 रेलकर्मी कलाकारों ने भाग लिया और कुल 6 नाटकों का मंचन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने कहा कि नाटक समाज के भावों, मानवीय मूल्यों और घटनाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने की एक सशक्त विधा है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और विजेता टीमों को शुभकामनाएँ दीं। प्रतियोगिता में मुख्यालय टीम का नाटक "सखी सुहाग राम मोहे दीन्हा" प्रथम स्थान पर रहा, जो अब अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव में पश्चिम मध्य रेल का प्रतिनिधित्व करेगा। द्वितीय स्थान "भेड़िया तंत्र" (जबलपुर मंडल) और तृतीय स्थान "अपनी भाषा, अपना गौरव" (भोपाल कारखाना) को मिला।

कार्यक्रम में अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री, मुख्य राजभाषा अधिकारी एम.एस. हाशमी, तथा प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एस.डी. पाटीदार सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। समापन पर विजेता कलाकारों को ट्रॉफी एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पनागर नगर पालिका की लापरवाही! मंगल भवन के पीछे गंदगी का अंबार

अधिकारियों की कुंभकरणी नींद से परेशान नागरिक, आवारा पशुओं के बीमार होने की आशंका

हरिभूमि, पनागर। पनागर नगर पालिका क्षेत्र के जगमोहन वार्ड स्थित मंगल भवन के पीछे गंदगी का अंबार लगा हुआ है। यहां जमा कचरे और बदबू से गुजरने वाले नागरिकों को भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने यहां एक्सपायरी पेय पदार्थों की बोतलें और माझा फेंक दिए, जिन्हें आवारा पशुओं ने पी लिया और वे बीमार हो गए। इस संबंध में वार्ड पार्षद प्रमोद पटेल ने कहा कि यह नगर पालिका की घोर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एक्सपायरी पेय पदार्थ सड़क किनारे फेंककर न केवल गंदगी फैला रहे हैं बल्कि पशुओं के स्वास्थ्य से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। पार्षद ने मांग की है कि ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर कठोर कार्रवाई की जाए।

इस संबध में जबल नगर पालिका अधिकारी से बात करनी चाही तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया और न ही कार्यालय में उपस्थित मिले। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सरकार जहां स्वच्छ भारत अभियान के तहत करोड़ों रुपये दे रही है, वहीं पनागर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

शंकर सेना टीम ने लिया प्रकृति संरक्षण का संकल्प, रोज लगाए जा रहे हैं नीम के पौधे

भेड़ाघाट में वृक्षारोपण बनी मिसाल

हरिभूमि, भेड़ाघाट।

भेड़ाघाट क्षेत्र में पार्षद सजल तिवारी एवं उनकी टीम शंकर सेना द्वारा वृक्षारोपण को एक आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। प्रकृति संरक्षण को जीवन का उद्देश्य मानते हुए टीम ने संकल्प लिया है कि प्रतिदिन दो से चार नीम के पौधे लगाए जाएंगे। सजल तिवारी का कहना है कि "प्रकृति हमारे जीवन में मां के समान है, जैसे मां हमारा पालन करती है वैसे ही पृथ्वी भी हमारा लालन-पालन करती है।" उन्होंने बताया कि नीम न केवल पर्यावरण के संतुलन के लिए उपयोगी है, बल्कि औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभदायक है। टीम के सदस्य पौधों की देखरेख का भी संकल्प लेते हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से दूसरों को भी इस अभियान से जोड़ रहे हैं। सजल तिवारी ने बताया कि 100वां पौधा लगाने के अवसर पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भविष्य में पीपल, बरगद, अशोक और अन्य फलदार वृक्ष लगाने की योजना भी है।

सिहोरा जिला के लिए बैठक आज रविवार को

सिहोरा।

सिहोरा जिला बनवाने की मांग को लेकर होने वाले अन्न सत्याग्रह एवं जल त्याग आमरण अनशन की तैयारी को लेकर आज 9 नवंबर रविवार को सिहोरा में एक बैठक आयोजित की गई है ।इस बैठक में सिहोरा जिला के लिए आर पार के संघर्ष की रणनीति तय की जाएगी।बैठक की जानकारी देते हुए लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति के अनिल जैन,विकास दुबे,कृष्ण कुमार कुररिया ने बताया कि यह बैठक दोपहर 3 बजे से मझौली बायपास स्थित ध्वनि पैलेस में प्रारंभ होगी। इस बैठक में सिहोरा क्षेत्र के समस्त राजनीतिक दलों के सदस्यों,विधायक,सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा समस्त सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियो को आमंत्रित किया गया है। विदित हो कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचारक प्रमोद साहू द्वारा आगामी 6 दिसंबर से अन्न त्याग कर तीन दिवसीय सद्बुद्धि यज्ञ तथा 9 दिसंबर से अन्न जल त्याग करने की घोषणा की गई है। साहू की इस घोषणा के बाद नगर के अनेक व्यक्तियों के द्वारा भी सिहोरा जिला के समर्थन में आमरण अनशन करने की घोषणाएं की गई है।

शासकीय कॉन्ट्रेक्टर और डॉक्टर के घर चोरी 3 वारदातों में लाखों का माल और नगदी ले गए चोर

जबलपुर।

ठंड शुरु होते ही चोरी की वारदातों में इजाफा होने लगा। रात में सड़के जल्दी सूनी होने पर चोर सूने घरों को निशाना बना रहे है। बीती रात अधारताल, मदनमहल और ओमती थाना क्षेत्रों में चोरी की तीन वारदाते सामने आई हैं। अधारताल में शासकीय कांट्रेक्टर के घर से अज्ञात चोर सोने चांदी व नगदी चोरी कर ले गए। वहीं मदनमहल में एक डॉक्टर के घर में लगी दो नौकरानियों ने डॉक्टर का घर साफ कर दिया। इसी तरह एक होटल के लॉकर में रखे नगदी 85 हजार 885 रुपए एक युवक चोरी कर ले गया, जो सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हो गया।

अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कटरा अधारताल निवासी 45 वर्षीय शासकीय कांट्रेक्टर अनीस अहमद खान की पत्नी श्रीमति इसरत तबुस्सुम खान को ब्रेस्ट कैंसर थर्ड स्टेज में होने से अत्याधिक स्वास्थ्य खराब होने से गत 28 अक्टूबर को हैदराबाद ओमेगा सिटी हास्पिटल जबलपुर में भर्ती किया था पत्नी के अस्पताल में भर्ती से होने से उसका आना जाना लगा रहता था दिन में आता था शाम को चला जाता था। गत शाम लगभग 6 बजे घर पर ताला लगाकर वह अस्पताल चला गया था जहां दूसरे दिन सुबह लगभग 11.30 बजे उसके बड़े भाई नफीस अहमद ने उसे फोन पर चोरी की सूचना दी। सूचना पाकर वह घर पहुंचा तो देखा घर के मेन गेट एवं अंदर का ताला टूटा था अंदर आलमारी का लॉकर टूटा जिसमें रखे सोने चांदी के जेवर व नगदी रुपए अज्ञात चोर चोरी कर ले गए है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

नौकरानियों ने किया घर साफ

इसी तरह मदमहल में आम्रपाली हाउस नेपियर टाउन निवासी 36 वर्षीय डॉक्टर राहुल शुक्ला के घर नवंबर 2024 में घर के काम झाड़ू पोछा बर्तन एवं खाना बनाने के कालीमठ मंदिर के पास मदनमहल निवासी दीक्षा एवं उर्मिला ठाकुर को रखा था। वह अपने काम से निकल जाता था दीक्षा एवं उर्मिला ठाकुर दोनों घर का पूरा काम करती थीं इनके काम करने के कुछ महिनों के बाद उसके घर से कैश तथा सामान गायब होने लगा जिसके बाद उसे शक होने पर उसने घर के अंदर सीसीटीव्ही कैमरे लगवाये थे सीसीटीव्ही फुटेज को यह दोनों 5 से 10 मिनिट के लिये बंद करके उसके घर में रखे कैश की चोरी करते थे उसने जब पूछताछ की दोनों ने चोरी करने की वारदात स्वीकार की। उसके घर से माह मई 2025 से 25 अक्टूबर 2025 के बीच लगभग 6 लाख रूपये केश एवं वन प्लस कम्पनी का एण्ड्रायड मोबाइल तथा मां की सोने का मंगलसूत्र, चोरी हुआ है। पुलिस ने आरोपिया दीक्षा एवं उर्मिला ठाकुर के विरूद्ध धारा 306 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

होटल के लॉकर से 66 हजार गायब

इसी प्रकार ओमती थाना अतंर्गत होटल मैनेजर विजन बिजनिस में लॉकर में रखे 66 हजार 940 रुपए आफिस में ही काम करने वाले एक युवक ने चोरी कर लिए। घटना का खुलासा उस वक्त हुआ जब मैनेजर अनुराग गुलकुंडे ने गत 5 नवंबर को कैश जमा करने के लिए होटल का लॉकर खुलवाया तो उसमें नगद राशि नहीं थी। लॉकर से 66 हजार 940 रूपये गायब थे। उसने सीसीटीव्ही फुटेज देखे जिसमें गत 1 नवंबर की रात 11.47 बजे होटल का फ्रंट आफिस असोसियेट पुष्पराज मिश्रा लॉकर से चोरी कर पैसे निकालते हुये दिख रहा है वहीं दूसरी ओर पुष्पराज मिश्रा ने 18 हजार 495 रूपये आनलाईन स्वयं के सेविंग एकाउण्ट में चोरी किए है। पुलिस ने आरोपी पुष्पराज मिश्रा के विरूद्ध धारा 306 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मुख्यालय में 37 और संभागों में 96 प्रकरणों पर हुई कार्रवाई

मुख्यालय में निगमायुक्त और संभागों में अधिकारियों ने की जनसुनवाई

हरिभूमि, जबलपुर।

नगर निगम जबलपुर में आज प्रातः 11 बजे आयोजित जनसुनवाई के दौरान निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने मुख्यालय में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई कक्ष में पहुंचे आवेदकों से निगमायुक्त ने व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी शिकायतों का संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यालय में कुल 37 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनका तत्काल स्थल पर ही निराकरण किया गया। वहीं 16 संभागों में आयोजित जनसुनवाई के दौरान 96 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 93 शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया तथा शेष 3 प्रकरण संबंधित विभागों को प्रेषित किए गए। इस दौरान आवेदकों को जन्म प्रमाण पत्र एवं समग्र आई.डी. सुधार जैसी सेवाएं तत्काल उपलब्ध कराई गईं। जनसुनवाई प्रभारी अधिकारी ने बताया कि मुख्यालय में प्राप्त शिकायतों में 13 अतिक्रमण, 11 भवन, 3 सम्पदा, 2 राजस्व, 1 स्वास्थ्य, 1 उद्यान, 1 पुस्तकालय, 1 लोक सूचना एवं 3 संभागीय प्रकरण शामिल रहे। निगमायुक्त ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित करना है।

संचार नगर में चाकूबाजों ने फैलाई सनसनी

सरेराह वारदात, 2 युवक बुरी तरह जख्मी

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत एयर पैलेसे होटल के पीछे संचार नगर में भाई का पता लगाने फोन करने पर एक युवक व उसके साथियों ने मिलकर दो लोगों पर चाकू से जानलेवा हमलाकर दिया। सारेराह चाकू बाजी की घटना से सनसनी फैल गई। इस मामलें में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आईटीआई के सामने नई बस्ती निवासी 26 वर्षीय अभिषेक पटेल गत रात अपने साथी रोहित चौबे, अजय पटेल, चिन्टू सेन एवं रवि पटेल के साथ खड़े होकर एयर पैलेस के सामने चाय पी रहा था तभी आकाश पटेल उर्फ अक्कू अपने छोटे भाई लकी को देखने आया नहीं मिलने पर उसके सामने सूर्या मलिक को फोन लगाया, कुछ देर बाद सूर्या मलिक अपने साथी आर्यन, देबू, टिंकू, सचिन उर्फ सच्चू और 2 अन्य लोगों के साथ आया और आकाश पटेल उर्फ अक्कू को तू अपने भाई को पूछने के लिये मुझे क्यों फोन लगाया, कहते हुए गालीगलौज कर आकाश पटैल उर्फ अक्कू के सीने में सूर्या मलिक ने लात मार दी, जिससे आकाश वहीं पर गिर गया इसके बाद आकाश पटेल उर्फ अक्कू के साथ झगड़ा करते हुये एयर पैलेस होटल के पीछे संचार नगर पहुॅचे जहां सूर्या मलिक अपने साथियों के साथ मिलकर आकाश पटेल उर्फ अक्कू पर चाकू से हमला कर दिया, बीच बचाव करने अभिषेक पटेल अपने साथियों के साथ आया तो सभी आरोपी चाकू लेकर उनकी तरफ दौड़े, अपना बचाव करते समय भागे तो भागते समय अभिषेक गिर गया तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर चाकू से उस पर भी हमला कर घायल कर दिया। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 109(1), 191(2), 191(3), 351(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

श्री शिवराज सिंह कटियार- पंसारी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री अमर सिंह कटियार के पुत्र श्री शिवराज सिंह कटियार (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामजी शाह- रतन नगर निवासी श्री रामजी शाह (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती कुंती बाई- पुरानी बस्ती गौरीघाट निवासी श्री लक्ष्मण सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती कुंती बाई (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विश्वनाथ प्रसाद गोंटिया- झिन्ना मोहल्ला राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री विश्वनाथ प्रसाद गोंटिया (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शकुंतला अग्रवाल- गली नं. 3 शांतिनगर दमोहनाका निवासी श्रवण कुमार अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला अग्रवाल (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती त्रिवेणी बाई चक्रवर्ती- राधाकृष्णन वार्ड विद्यापीठ स्कूल के निकट निवासी श्री बंशी लाल चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती त्रिवेणी बाई चक्रवर्ती (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री लालता प्रसाद पांडे- बजरंग नगर रांझी व्हीकल रोड निवासी श्री लालता प्रसाद पांडे (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रूबी यादव- श्याम कुंज छोटी ओमती निवासी श्री अमन यादव की धर्मपत्नी श्रीमती रूबी यादव (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती केसर अग्रवाल- गली नं. 6, शांति नगर दमोहनाका निवासी श्री वासुदेव अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती केसर बाई अग्रवाल (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री शकुंतला साहू- लोधी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री तुलसीराम साहू की पुत्री सुश्री शकुंतला साहू (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ताराचंद दुबे- लार्डगंज थाने के पीछे गढ़ाफाटक निवासी श्री ताराचंद दुबे (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कोमल चंद जाट- पूर्वी बेलबाग निवासी श्री कोमल चंद जाट (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अमित कुमार शर्मा- जयनगर गढ़ा रोड निवासी श्री ओम प्रकाश शर्मा के पुत्र श्री अमित कुमार शर्मा (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रोशनी शुक्ला- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री मनदीप शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती रोशनी शुक्ला का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कमला बाई पासी- मोदीबाड़ा सदर निवासी श्री ओमकार प्रसाद पासी की धर्मपत्नी श्रीमती कमला बाई पासी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भोला डुमार- छोटी ओमती खेरमाई मंदिर के पास निवासी श्री भोला डुमार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री किरण शंकर तिवारी- पंसारी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री किरण शंकर तिवारी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नागेश्वर चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री लखन चौधरी के पुत्र श्री नागेश्वर चौधरी (20) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

भक्तों की रक्षा करने अर्ध रात्रि में अवतरित हुए भगवान : संदीप मिश्रा

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में भावविभोर हुए श्रद्धालु

सिहोरा।

भगवान धन दौलत के नहीं बल्कि भाव के भूखे होते हैं और प्रेम से नाम लेने मात्र से भक्त की ओर खींचें चले आते हैं बस हमारी भक्ति में स्वार्थ नहीं होना चाहिए जब जब प्रथ्वी पर पाप बढ जाते हैं तो भगवान किसी न किसी रुप में अवतार लेकर दुष्टों का संहार करते हैं उक्ताशय के उदगार आचार्य श्री संदीप मिश्रा भेड़ा वाले ने हरदौल मंदिर के पास वेयर हाऊस के सामने चल रही सप्त दिवसीय भागवत कथा के चौथे दिवस श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर व्यक्त किए तथा वामनअवतार,समुद्र,मंथन,गज ग्राह की भी मीमांसा की एंव कहा अर्ध रात्रि में जन्म हुआ तो कमल खिल गये माता देवकी समझ गई की आप साक्षात नारायण है सारा संसार भगवान के जन्म से प्रसन्न हुआ देवताओं ने पुष्प वर्षा की। आगे कहा की कंश के अत्याचार से तीनों लोक त्राहि-त्राहि कर उठे तो भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में आधी रात को अवतार लिया तो सारे पहरेदार गहरी निद्रा में सोए हुए थे और हथकड़ियां व कारागार के ताले अपने आप खुल गए वासुदेव कृष्ण को टोकरी में रखकर गोकुल में छोड़ आए और वहां से माया रूपी बालिका को अपने साथ ले आए इधर जब कंश बच्चे के रोने की आवाज सुना तो कारागार की तरफ दौड़ पड़ा उनके हाथों से छीनकर जैसे ही उसने माया को जमीन पर पटकने का प्रयास किया तो वह उसके हाथ से छूटकर आकाश में चली गई और कहा की तुझे मारने वाला गोकुल में जन्म ले चुका है कथा के दौरान कृष्ण जन्म की झांकी देख श्रोता नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की जयकारे लगाते हुए आनंद में झूम उठे ।कथा के पूर्व सुरेश कुररिया, कुशुम कुररिया, कृष्ण कुमार कुररिया, सरोज कुररिया, आरती कुररिया, पूर्व विधायक दिलीप दुबे, शैलेन्द्र दुबे, कैलाश पंजाबी, मीना कुररिया, नरेश कुररिया, राजेश कुररिया, ध्रुव कुररिया, प्रवीण कुररिया, स्मिता कुररिया, सुनील तिवारी, सीमा तिवारी, राकेश दुबे, बिनिता दुबे आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362100

स्वदेशी मेले में मंचासीन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधायक भगवानदास सबनानी और स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वदेशी मेले में प्रभु श्रीराम की प्रतिमा का लोकार्पण कर किया आह्वान

भारत ने विश्व बाजार में फूंका है स्वदेशी का बिगुल, देश में बनी वस्तुओं का करें उपयोग

स्वदेशी मेले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत तिलक लगाकर अभिनंदन करतीं स्वदेशी जागरण मंच की महिला प्रकोष्ठ की मध्य भारत प्रांत प्रमुख सीमा भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। दुनिया में जारी आर्थिक युद्ध के बीच भारत ने स्वदेशी का बिगुल फूंका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के नागरिकों, व्यापारियों और उद्यमियों को इस आर्थिक युद्ध में स्वदेशी ब्रह्मास्त्र सौंपा है। आज सभी क्षेत्रों में स्वदेशी को महत्व देते हुए भारत की सनातन संस्कृति और विरासत से विकास के पथ पर देश अग्रसर है। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के विजन को मिशन बनाया है। यह बात शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मोतीलाल विज्ञान आदर्श महाविद्यालय प्रांगण में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले में कहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मोतीलाल विज्ञान आदर्श महाविद्यालय प्रांगण में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेला परिसर में स्थापित प्रभु श्रीराम की प्रतिमा का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर श्रीराम स्तुति की प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अंगवस्त्रम एवं ब्रह्मोस मिसाइल की प्रतिकृति भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने लघु उद्यमियों द्वारा लगाए विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया एवं स्वदेशी उत्पादों की जानकारी प्राप्त की।

- **प्रधानमंत्री मोदी का विजन है मध्यप्रदेश का मिशन: सीएम**
- **मुख्यमंत्री ने लघु उद्यमियों के स्टॉल्स का किया अवलोकन**
- **एमवीएम कॉलेज परिसर में स्वदेशी मेले का आयोजन**

कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम डॉ. यादव

स्वतंत्रता आंदोलन में स्वदेशी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई: डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं कि हम दुनिया से अलग हो जाएं। इसका मतलब है कि जो चीज हम अपने देश में बना सकते हैं, उसे बाहर से न लाएं और अपने देश में बनी वस्तुओं का ही उपयोग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में स्वदेशी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी, स्वामी दयानंद, लाला लाजपत राय एवं बाल गंगाधर तिलक जैसे अनेक महापुरुषों ने देशवासियों से विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी अपनाते हुए आजादी की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। यह स्वदेशी की ही ताकत थी कि बंगाल विभाजन के विरोध में बंग-भंग आंदोलन प्रारंभ हुआ और अंग्रेजों को झुकना पड़ा था। वर्तमान समय में एक देश के नेता दुनिया को टैरिफ की धमकी देते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प अडिग है।

दुनिया को भारत में बड़ा बाजार दिखाई दे रहा

सीएम ने कहा कि आज दुनिया को भारत में बड़ा बाजार दिखाई दे रहा है। वे अपनी कमाई के लिए उत्पादों को भारत लाना चाहते हैं। लेकिन हम अपने स्वदेशी के भाव से नई तकनीक अपनाते हुए खेती को भी संरक्षित कर रहे हैं और विभिन्न उत्पादों के निर्यात को बढ़ा रहे हैं। इस मेले में उत्तरप्रदेश भदौही के व्यापारी तक अपने कालीन बेचने यहां आए हैं। इस मौके पर स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय मेला प्रमुख साकेत राठौर ने कहा कि स्वदेशी मेला कोई आम मेला नहीं है। हमें स्वदेशी से एक अलग पहचान मिलती है। स्वदेशी जब समाज के साथ जुड़ता है तो वह आंदोलन में परिवर्तित होता है। स्वदेशी वस्तुओं में हमारी मिट्टी की खुशबू होती है। भारत आर्थिक स्थिति में चौथे पायदान पर है। इस मौके पर स्वदेशी मेला संयोजक सतीश विश्वकर्मा, सह संयोजक व स्वदेशी जागरण मंच की महिला प्रकोष्ठ की मध्य भारत प्रांत प्रमुख सीमा भारद्वाज, रमणवीर सिंह अरोड़ा, सुधीर दाते एवं सुशील अग्रवाल सहित स्वदेशी आंदोलन से जुड़े पदाधिकारी मौजूद थे।

स्टॉल पर स्वदेशी उत्पादों की जानकारी लेते मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने नियुक्ति एवं पदस्थापना आदेश वितरण कार्यक्रम को किया संबोधित

मप्र के युवाओं को रोजगार देने का वादा निभा रही है सरकार

डॉ. मोहन ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा और वन विभाग के 877 अधिकारी-कर्मचारियों को प्रदान किए नियुक्ति एवं पदस्थापना आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा और वन विभाग के 877 पदों के लिए चयनित अधिकारी-कर्मचारियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान कर हम अपना वादा पूरा करने की तरफ एक कदम और बढ़ा रहे हैं। यह नियुक्तियां विकसित मप्र के हमारे सामूहिक संकल्प का एक पड़ाव है। उन्होंने कहा कि हमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए आत्मनिर्भर और विकसित मप्र की नींव मजबूत करनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में वन एवं स्वास्थ्य विभाग के नियुक्ति एवं पदस्थापना आदेश वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन, जहां बेहतर पर्यावरण का आधार है, वहीं स्वास्थ्य विभाग जनसामान्य के जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा करता है। वन विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की सेवा में आज प्रवेश ले रहे अधिकारी-कर्मचारी मजबूत, सुरक्षित, समृद्ध और स्वस्थ मप्र के निर्माण में पूरी प्रतिबद्धता से अपना योगदान देंगे, हम ऐसी अपेक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास शासकीय सेवक की सबसे बड़ी पूंजी है। कार्यक्रम को राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने भी संबोधित किया।

खास बातें

- सर्वाधिक वन क्षेत्र संधारण, वन्य जीवों की संख्या में मध्यप्रदेश अग्रणी
- कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हुआ वन,स्वास्थ्य विभाग में नियुक्ति और पदस्थापना आदेश वितरण कार्यक्रम

महिलाकर्मी को नियुक्ति पत्र देते मुख्यमंत्री डॉ. यादव व राज्यमंत्री पटेल

सेवा में प्रवेश एक उपलब्धि के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी

शासकीय मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवनियुक्त अधिकारी-कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कहते थे कि 'सपना वो नहीं, जो आप सोते हुए देखते हैं, सपना वो है, जो आपको सोने नहीं देता।' शासकीय सेवा में प्रवेश एक उपलब्धि के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। जनता का विश्वास शासकीय सेवक की सबसे बड़ी पूंजी है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को त्वरित, विश्वसनीय और अधिक प्रभावी बनाने में नए अधिकारी-कर्मचारियों का भी सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि वन विभाग वनों के संरक्षण, संवर्धन, पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है।

मप्र पर्यावरण संरक्षण में दे रहा है महत्वपूर्ण योगदान: बर्णवाल

अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने कहा कि मप्र देश के सबसे बड़े वन क्षेत्र का संधारण कर रहा है। यह गर्व का विषय है कि हमारे प्रदेश के वनों की गुणवत्ता भी श्रेष्ठ है और प्रदेश में सघन वनों के क्षेत्र फल में डेढ़ गुना विस्तार हुआ है। अधिकांश वन्य प्राणियों की संख्या में मप्र देश में प्रथम है। यह संकेतक बताते हैं कि मप्र पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वन क्षेत्र की यह उपलब्धियां वनरक्षकों के योगदान से ही संभव हुई हैं। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य संदीप यादव तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वन क्षेत्रपाल, वनरक्षकों एनेस्थेसिया विशेषज्ञों सर्जन को सीएम ने नियुक्ति-पत्र किए प्रदान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतीक स्वरूप सुश्री मनीषा मुकाती, रवि यादव, सोमेश शर्मा, नीरज अंब को वन क्षेत्रपाल के नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इसी प्रकार चंद्रपाल सिंह तोमर, कु. हिमांगिनी राहंगडाले और सुश्री अंजना परते को वन रक्षक के नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग के तहत डॉ. नेहानंदन चौरसिया, डॉ. राम आशीष शुक्ला, डॉ. मंजूलता आर्य, डॉ. जितेन्द्र कैथवाल, डॉ. भूमा भावना और डॉ. नितिन कुमार को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। वन विभाग के नवनियुक्त 76 वन क्षेत्रपाल और 467 वनरक्षकों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में नवनियुक्त 75 एनेस्थेसिया विशेषज्ञों, 62 सर्जन, 106 शिशु रोग विशेषज्ञ ओर 91 नर्सिंग ऑफिसर्स को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए।

उतई थाना क्षेत्र का मामला, सभी आरोपी गिरफ्तार

प्लाईवुड फैक्ट्री में काम करने वाले बिहारी मजदूर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

जिले में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। शहरी इलाकों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी हत्या की वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रानीतराई में पिछले सप्ताह दो हत्याओं के बाद, अब उतई थाना क्षेत्र से एक और सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। डुमरडीह स्थित पांडेय प्लाईवुड फैक्टरी में काम करने वाले बिहार के एक मजदूर की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में आरा मिल संचालक विजय पांडेय के रिश्तेदार अटल पांडेय सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। यह घटना पांडेय प्लाईवुड फैक्टरी के संचालक के रिश्तेदार अटल पांडेय और उसके चार साथियों द्वारा की गई।

मृतक की पहचान गया, बिहार के ग्राम केर निवासी राहुल कुमार रजक के रूप में हुई है, जो अपने भाईयों सोनू कुमार और सिंटू कुमार के साथ इसी प्लाईवुड फैक्टरी में प्लाई बनाने का काम करता था। पुलिस के अनुसार, कुछ दिनों पहले मिल संचालक विजय पांडेय के साले अटल पांडेय का राहुल के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था, जिसके बाद राहुल और उसके साथियों को काम से निकाल दिया गया था। बुधवार को जब हिसाब-किताब का निपटारा हो गया, तो सोनू कुमार, सिंटू कुमार और अन्य श्रमिक दूसरी आरा मिल में काम करने चले गए।

मिल संचालक का रिश्तेदार भी शामिल

हालांकि, राहुल डुमरडीह स्थित विजय पांडेय की आरा मिल के स्टॉफ क्वार्टर में ही रुक गया। इसकी जानकारी मिलते ही मिल संचालक का रिश्तेदार अटल पांडेय, राहुल सिंह, अक्षय यादव, अमरनाथ प्रजापति और अंजनी सिंह के साथ वहां पहुंचा। वहां किसी बात को लेकर विवाद बढ़ा और आरोपियों ने राहुल को जान से मारने के मकसद से लात, घूसे और लाठी-डंडों से जमकर पीटना शुरू कर दिया। इस निर्मम पिटाई से राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद आरोपी उसे घायल अवस्था में उतई बस स्टैंड के पास छोड़कर फरार हो गए।

लापरवाहियों के चलते रेंजर को पद से हटाया

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मरवाही वनमंडल के मरवाही वन परिक्षेत्र में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। शिकायतों की जांच में अनियमितता और वित्तीय गड़बड़ियां पाए जाने के बाद रेंजर रमेश खैरवार को उनके पद से हटा दिया गया है। विभागीय जांच में यह स्पष्ट हुआ कि खैरवार ने अपने कार्यकाल के दौरान कई मामलों में वन विभाग के नियमों और प्रक्रिया की अनदेखी की थी। जांच दल ने उनके खिलाफ सरकारी धन की हेराफेरी, वित्तीय अनियमितता और विभागीय कार्यों में पारदर्शिता की कमी जैसे गंभीर आरोपों की पुष्टि की है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, खैरवार पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में कुछ निजी ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाया और संबंधित दस्तावेजों में कई विसंगतियां पाई गईं।

दंतेवाड़ा के अरनपुर में हुए भीषण नक्सली हमले की जांच का मामला

एनआईए की एक साथ 12 स्थानों पर छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दंतेवाड़ा

अरनपुर में हुए भीषण नक्सली हमले की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को सुकमा और दंतेवाड़ा जिलों में एक साथ 12 स्थानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई 26 अप्रैल 2023 को हुए उस आईईडी ब्लास्ट से जुड़ी है, जिसमें दरभा डिवीजन कमेटी के नक्सलियों ने डीआरजी बल के जवानों को निशाना बनाया था।

इस हमले में 10 जवानों समेत वाहन चालक की मौत हुई थी। एनआईए द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह छापेमारी अरनपुर आईईडी ब्लास्ट केस से जुड़े आरोपियों और संदिग्धों के ठिकानों पर की गई। एजेंसी ने बताया कि तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक और संदिग्ध सामग्री बरामद की गई है, जिनमें नकदी, हस्तलिखित पत्र, प्रिंटेड रसीद बुक्स और डिजिटल उपकरण शामिल हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड कटनी
Email-mp.eephedkat@gmail.com Phone no. 07622-225752

क्रमांक 3820/का.यं./निप्रको./लो.स्वा.यां.परि.खण्ड/2025 — कटनी, दिनांक 06.11.2025

निविदा आमंत्रण सूचना
क्रमांक 45/25-26

ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल http://www.mptender.gov.in पर जिले के विभिन्न विकासखण्डो के ग्रामों में नलकूप खनन कार्य हेतु निम्नानुसार निविदा म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत फर्मो से आमंत्रित है।

निविदा क्रमांक	सिस्टम निविदा कं.	कार्य का विवरण	नलकूपों की संख्या	निविदा की लागत लाख में	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
45/25-26	2025_PHED _461082	कटनी जिले के विभिन्न विकासखंडो में स्थापित ग्रामों में 400/200 एम.एम. व्यास 60 मीटर गहरे ग्रैवल पैक नलकूप खनन कार्य	60	59.97	19970	10000	60 दिवस

ऑनलाईन निविदा क्रय एवं बिड की तिथि - 06.11.2025 15:00 बजे, ऑनलाईन निविदा दर खोलने की तिथि - 26.11.2025 12:00 बजे,

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (Online System) क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते है। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शाई गई वेबसाईट पर देखें।

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
परियोजना खण्ड कटनी, फोन नं.- 07622-225752

G-21168/25

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के मादे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। महिला क्रिकेट के संघर्ष और सफलता का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

मुबारक हो उपेक्षित रात की स्वर्णिम सुबह

विश्लेषण
डॉ. घनश्याम बादल
स्वतंत्र पत्रकार

भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

दो नवंबर 2025 की रोशन रात भारतीय खेल जगत की एक ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम घटना के रूप में याद की जाएगी जो भारत और यहां की लड़कियों तथा महिला खिलाड़ियों के लिए एक स्वर्णिम सुबह लेकर आई। यदि इस जीत को हमने देश के महिला जगत एवं खेल जगत के लिए एक अवसर के रूप में इस्तेमाल कर लिया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह जीत यह एक 'टर्निंग प्वाइंट' सिद्ध होगी। भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है।

खेल से मंत्रमुग्ध किया

पूरे टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने अपने खेल से मंत्रमुग्ध किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने हर चुनौती, हार-जीत और उतार चढ़ाव का डटकर सामना किया और लीग चरण से लेकर फाइनल तक अपनी रणनीति, अनुशासन और टीम भावना के बल पर देश को विश्व चैंपियन बनाया। इस विश्व कप के फाइनल में जीत का परचम लहराने वाली इन लड़कियों का सामना हार से भी हुआ और वह लगातार तीन मैच ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड तथा दक्षिण अफ्रीका से हारी। जब वह हार रही थीं तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि ये शेरनियां पलट कर ऐसा वार भी कर सकती हैं। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के मादे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को हराना ऐतिहासिक था।

टीम का जज्बा और संकल्प

फाइनल में 52 रन की बड़ी जीत इस टीम के जज्बे और संकल्प को रेखांकित करती है। इस मैच में भारतीय टीम ने न केवल तकनीकी श्रेष्ठता बल्कि मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया। हर खिलाड़ी ने टीम की सफलता में योगदान दिया, चाहे वह फील्डिंग में चपलता हो या आखिरी ओवरों में दबाव झेलने की क्षमता। इस विजय का सबसे बड़ा कारण टीम स्पिरिट और आपसी विश्वास था। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका को बखूबी समझा और व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक टीम की जीत को प्राथमिकता दी। इस टीम के कोच और देश के अंदरूनी क्रिकेट के सचिन तेंदुलकर कहे जाने वाले अनमोल मजूमदार की कभी नीली जर्सी ना पहन पाने की टीस भी इन लड़कियों ने खत्म कर दी। उनकी कोचिंग,कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट टीम की भी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तैयार करने में अहम भूमिका रही। टीम की यह एकजुटता और सामूहिक प्रयास उस परंपरा का प्रतीक है जिसमें सामूहिक सफलता को सर्वोच्च माना जाता है। महिला खिलाड़ियों ने यह दिखा दिया कि सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा से नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण और एक-दूसरे पर भरोसे से हासिल होती है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि सरकार और समाज तथा प्रमोटर पैसे की बारिश कर सकते हैं लेकिन सबसे ज्यादा जरूरत है।

सामाजिक मानसिकता बदलेगी

'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' की तर्ज पर ही 'बेटी खिलाओ, बेटी बढ़ाओ' जैसे अभियान यथार्थ के धरातल पर चलाए जाने चाहिए। बेशक, यदि सब ठीक रहे तो यह जीत सामाजिक मानसिकता में बड़ा परिवर्तन लाएगी। अब माता-पिता अपनी बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। महिला खेल अकादमियों की स्थापना व वृद्धि के साथ वहां की दशा एवं दिशा दोनों में सुधार की गति को बढ़ाना होगा। उम्मीद करनी चाहिए कि यह जीत इन प्रयासों को और गति देगी। विश्व चैंपियन बनने के साथ ही भारतीय महिला क्रिकेट एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह विजय न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी बल्कि महिला क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ करेगी और विश्व कप की जीत से इसकी लोकप्रियता और निवेश दोनों में वृद्धि होगी, ऐसी उम्मीद करना अनुचित नहीं होगा।

सरकार को देना होगा ध्यान

नए स्पॉन्सर, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक मैचों की संभावना आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की सबसे मजबूत महिला क्रिकेट संरचनाओं में से एक बना सकता है। महिला क्रिकेट की इस अभूतपूर्व सफलता को बनाए रखने के लिए सरकार और समाज दोनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि वह महिला खिलाड़ियों को उचित आर्थिक सहायता, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण केंद्र और खेल उपकरण उपलब्ध कराए। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में महिला क्रिकेट अकादमियों की स्थापना से नई प्रतिभाओं को मौका मिलेगा। साथ ही, खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स कोटा के तहत नौकरियों और प्रोत्साहनों से सम्मानित करना चाहिए ताकि वे आर्थिक रूप से सुरक्षित रहते हुए अपने खेल पर पूरा ध्यान दे सकें। मीडिया और निजी क्षेत्र को भी महिला क्रिकेट को उसी स्तर की पहचान देनी चाहिए जैसी पुरुष क्रिकेट को दी जाती है। यह ट्रॉफी भारत के लिए केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस जीत ने यह संदेश दिया है कि यदि अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में विश्व विजेता बन सकती हैं।

मगर याद यह भी रखना होगा कि जीत की परंपरा कायम रखना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसलिए इससे खुश होने के साथ-साथ इसे बरकरार रखने के लिए कड़े परिश्रम की भी ज़रूरत होगी।

क्रिकेट के आकाश पर छाई भारत की बेटियां

जय हो
रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीमों के बीच वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें टीम इंडिया ने मेहमान टीम को 52 रनों से हराकर इतिहास रच दिया है। इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने ये करिश्मा करके दिखाया है। इसका जश्न आज पूरा भारत मना रहा रहा है। भारत की बेटियों की जय हो! वाह, क्या खेल दिखाया है? क्या जुझारू पारी और एकाग्रता की मिसाल कायम की है? विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है! यह सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था। यह आधी आबादी को संबल देने वाली जीत है जो नजीर बन गई उनके लिए जो एक मुकाम हासिल करना चाहती हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबले पर हर किसी की नजरें बनी हुई थीं। 25 साल के विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के इतिहास में एक बार फिर से महिला क्रिकेट टीम के सामने एक सुनहरा मौका था और उन्होंने इसमें बाजी मारते हुए विश्वे विजेता बनकर देश का मान और गौरव बढ़ा दिया है। विमेंस क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका जीत के लिए 299 रनों का बड़ा लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में पूरी मेहमान टीम 45.3 ओवर में 246 रनों पर सिमट गई और 52 रनों से टीम इंडिया ने ये मैच जीत लिया। भारत और हम भारतीयों को अपेक्षाएं ही नहीं थीं। हमने महिला क्रिकेट तो क्या, महिला खिलाड़ियों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। फाइनल मैच से पहले सेमीफाइनल में भारत की बेटियों ने जो करिश्मा कर दिखाया। उसकी बात करना जरूरी जान पड़ता है। असल में वो मैच निर्णायक मैच तो था ही। वहीं उस मैच में मिली जीत ने टीम इंडिया के आत्मविश्वास का स्तर बहुत ऊंचा कर दिया था। महिला टीम इंडिया ने 7 बार की विश्व चैम्पियन और लगातार 15 मैचों की अजेय ऑस्ट्रेलिया टीम को पराजित कर विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया,वो पल खेल के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने ग्रुप स्तर पर टीम इंडिया के 330 रनों का सफल चेज कर जीत हासिल की थी। लिहाजा सेमीफाइनल मुकाबले में किसी अतिरिक्त करिश्मे की उम्मीद नहीं थी, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स के रूप में मानो कोई फरिश्ता उतर आया और उसने अभूतपूर्व करिश्मा कर दिखाया। जेमिमा को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में 'ड्रॉप' किया गया था। जेमिमा की फॉर्म भी अच्छी नहीं थी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने 70 से अधिक रन ठोके थे। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 338 रन का पहाड़-जैसा लक्ष्य दिया था। जवाब में जब टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज-शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना-अपेक्षाकृत कम स्कोर पर आउट हो गए, तो भारत की पारी डूबती-सी लगी। उन स्थितियों में जेमिमा ने नाबाद 127 रन (134 गेंद, 14 चौके) बनाकर न केवल विश्व कप का अपना पहला शतक लगाया, बल्कि कप्तान हरमनप्रीत कौर (88 गेंद पर 89 रन) के साथ तीसरे विकेट की साझेदारी में 167 रन (156 गेंद) बना कर 'पहाड़' की ऊंचाई को एक हद तक कम कर दिया।

विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है! यह 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था।

जेमिमा ने दीप्ति शर्मा के साथ 38 रन (34 गेंद), ऋचा घोष के साथ 46 रन (31 गेंद) और अमनजोत कौर के साथ नाबाद 31 रन (15 गेंद) जोड़े और एक अविश्वसनीय-सी लग रही जीत पर मुहर लगा दी। विश्व कप का यह सबसे बड़ा और सफल चेस रहा। भारत ने 1978 में पहली बार महिला विश्व कप में हिस्सा लिया था। 2005 व 2017 में मिताली राज की कप्तानी में भारत फाइनल तक पहुंचा, पर दोनों बार ट्रॉफी हाथ से फिसल गई। आखिरकार हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम विश्व विजेता बन गई। महिला टीम की यह पहली आईसीसी ट्रॉफी है। यह जीत सिर्फ मैदान की नहीं, बल्कि मानसिकता की जीत है। अब गांव-शहर की लड़कियां क्रिकेट को करियर के रूप में देखेंगी। माता-पिता भी बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। 'लड़की होकर क्रिकेट' जैसी पुरानी सोच को यह जीत हमेशा के लिए बदल देगी। शेफाली, दीप्ति और हरमनप्रीत जैसी खिलाड़ी अब हर लड़की की प्रेरणा बनेंगी। कोहली, गिल की तरह ही अब हमारी लड़कियां भी नए हेयरस्टाइल, टैटू के साथ युवाओं के लिए नई सुपरस्टार और रोल मॉडल होंगी। यह ट्रॉफी सिर्फ एक खिताब नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समान अवसर और नए भारत की नारी शक्ति का उदाहरण बन जाएगी।

महिला क्रिकेट टीम ने रचा विश्व कप का नया इतिहास

कीर्तिमान
डॉ. प्रियंका सौरभ
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज़्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है, क्योंकि यह सिर्फ मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है। भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज़ है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा। यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि "खेल लड़कियों का काम नहीं", वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं।

यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है।

इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया रास्ता तैयार कर रही हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यह गौरवशाली प्रदर्शन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। महिला आईपीएल ने खिलाड़ियों को मंच और आत्मविश्वास दोनों दिया। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाली खिलाड़ी जैसे कि प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, राधा यादव और रेणुका ठाकुर ने दिखा दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। इन खिलाड़ियों ने न केवल मैदान में बल्कि देश के हर घर में प्रेरणा की नई कहानी लिख दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और खेल मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट को लेकर जो नीतिगत बदलाव किए हैं, वे इस सफलता की बुनियाद बने। समान वेतन नीति ने खिलाड़ियों को आत्म-सम्मान दिया, जबकि बेहतर कोचिंग सुविधाएँ और घरेलू टूर्नामेंट्स ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। यह देखना सुखद है कि अब महिला क्रिकेट को भी वही सम्मान और प्रसारण मिल रहा है जो पुरुष टीम को मिलता है।

जीत के जश्न का दमदार आगाज

मोनिका डागा

नई ऐतिहासिक जीत के जश्न का दमदार आग़ाज़ किया है,
घर में छुपी बंद मुस्कुराहटों को बिखेरने का साज़ दिया है,
बेटियों ने बेटियों को भविष्य का एक सुंदर ख़्वाब दिया है,
बुलंद हौसलों से कठिनाइयों को मुँह तोड़ जवाब दिया है ।

तोड़कर बंदिशें तपस्या से दृढ़ संकल्प को संजीव किया है,
प्रतिभाशाली व्यक्तिव से जड़ों को मजबूत अतीव किया हैं
ख़्वाबों को हक़ीक़त की धरातल पर श्रम से रंगीन किया है,
खुशियों के ऑंसू दे धड़कनों को आनंद यूं नवीन दिया हैं।

पैनी नज़र लक्ष्य की पकड़ संग धैर्य का समावेश किया है,
हार को जीत में ढालना है संभव श्रेष्ठतम परिवेश दिया हैं,
आत्म विश्वास और उत्साह की किरणों का प्रकाश दिया हैं,
अरबों आंखों में पल रहे रंगीन सपनों को आकाश दिया है ।

सर्पीले रास्तों पर पसीने का चमकता शीतल चंदन दिया है,
भारत का ही नहीं विश्व की धड़कनों को नया स्पंदन दिया है,
संगठन की ताकत और समर्पण का जज़्बा प्रस्तुत किया है,
जीत कर वूमेन्स वर्ल्ड कप अलग उदाहरण अद्भुत दिया हैं ।

खुद पर करना होगा यकीं ऐसा महत्वपूर्ण अभ्यास दिया हैं,
जोर शोर हिलोर मचाने को रचने को नया इतिहास दिया है,
नीली जर्सी में बेटियों ने शानदार जीत को अंजाम दिया हैं,
दबी चाहतों को अर्जुन के तीर सा लक्ष्यभेदी पैगाम दिया हैं ।

म्हारी छोरियां, छोरों से कम नहीं...

इनामों की बरसात

आईसीसी महिला विश्व कप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही देश में जश्न है और लोग बेटियों को बधाई देते नहीं थक रहे हैं. इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पर लगातार इनामों की बरसात हो रही है।

- बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सम्मान के तौर पर 51 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसमें सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य शामिल हैं।
- मध्यप्रदेश सरकार ने टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।
- हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने का ऐलान किया।
- रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स लिमिटेड ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमन प्रीत कौर को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।
- उत्तर प्रदेश में दीप्ति शर्मा को उपाधीक्षक बनाया गया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लिख डाली नई गौरव-गाथा

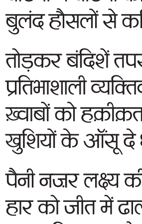

विश्व कप क्रिकेट
सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

दो नवंबर 2025 का दिन अपने-आप में ऐतिहासिक बन गया और हम सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। दरअसल, इस दिन हमारे देश की महिला क्रिकेट टीम 'विश्व विजेत्री' बन गई। रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 298 रन बनाए तथा जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 45.3 ओवर में 246 रन पर ऑलआउट हो गई। इस मैच में साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी, लेकिन भारत ने यह मुकाबला 52 रन से जीत लिया और पहली बार महिला टीम वनडे विश्व कप का खिताब जीतने में कामयाब रही। हालांकि,लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वूलवार्ट ने अकेले दम पर लड़ाई लड़ी। उन्होंने दबाव में रहते हुए भी शानदार बल्लेबाजी की और लगातार दूसरा शतक जड़ते हुए 101 रन बनाए। कहना ग़लत नहीं होगा कि उनकी पारी ने मैच को काफ़ी रोमांचक बनाए रखा, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। इधर, हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम का नेतृत्व किया और अब वह कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे महान कप्तानों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं, विशेष बधाई और शुभकामनाएं। वास्तव में, यह दर्शाता है कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। आज हमारे देश की महिलाएं हर क्षेत्र में कीर्तिमान पर कीर्तिमान स्थापित कर रहीं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज महिला सशक्तीकरण हो रहा है।

महिलाएं हर क्षेत्र में आगे

सच तो यह है कि आज महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। वे राजनीति, विज्ञान, शिक्षा, खेल, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग जगत तक में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। और तो और तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्र में भी उनकी भूमिका तेजी से बढ़ी है। यह साबित करता है कि महिलाएं अब सीमाओं को तोड़कर हर क्षेत्र में अग्रणी बन चुकी हैं। हम यहां यह बात खुले दिल से कह सकते हैं कि महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदानों में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में देश का नाम रौशन कर रही हैं। खेल के माध्यम से

महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदान में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं।

महिलाएं आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं। जहां तक क्रिकेट की बात है तो, क्रिकेट भी अब सिर्फ पुरुषों का खेल नहीं रहा है, बल्कि यह अब समान अवसर और सम्मान का प्रतीक बन गया है। यह बदलाव समाज में महिलाओं की बढ़ती ताकत और उनकी नई पहचान का सशक्त उदाहरण है। बताते चलें कि 25 जून 1983 को कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीतकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया था। वही इतिहास अब दोबारा लिखा गया है, पर इस बार बल्ला थामा हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को करारी शिकस्त देकर विश्व क्रिकेट में एक नया स्वर्ण अध्याय जोड़ दिया है।

भारतीय नारी शक्ति की जीत

यह जीत सिर्फ एक खेल की जीत नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की उड़ान का प्रतीक है। हर महिला खिलाड़ी ने मैदान पर ऐसा जज़्बा दिखाया, मानो 1983 की आत्मा फिर से जीवित हो उठी हो। करोड़ों भारतीयों के दिलों में गर्व और खुशी का सैलाब उमड़ पड़ा है। महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी कि मेहनत और हौसले से कोई भी सपना असंभव नहीं। अब भारत न केवल पुरुष क्रिकेट का, बल्कि महिला क्रिकेट का भी विश्व विजेता बन चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वास्तव में यह सच्चे अर्थों में 'नए भारत' का गौरव क्षण है। इस खिताबी जीत में शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा का अहम योगदान रहा। रोहतक की शेफाली ने पहले 78 गेंद पर 87 रन बनाए और फिर बाद में अपनी फिरकी का जादू चलाते हुए शीर्ष पांच में से दो साउथ अफ्रीकी बैटर्स के विकेट भी निकाले। दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए और शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी ऑफ-स्पिन से 39 रन देकर 5 विकेट भी लिए। वास्तव में सच तो यह है कि भारतीय जीत की वास्तुकार बनीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा।

उन्होंने ही निर्णायक क्षणों में शतकवीर वूलवार्ट का विकेट लिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें टूट गईं। उनकी इस जादुई गेंदबाजी ने टीम इंडिया की जीत सुनिश्चित की। शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत से देशभर में महिलाओं के खेल के प्रति नजरिया और भी सकारात्मक होगा। यह जीत न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी की लड़कियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो यह जीत देश भर में महिला क्रिकेट के प्रति जागरूकता और समर्थन को भी बढ़ाएगी। उम्मीद है कि इस सफलता से महिला क्रिकेट को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा

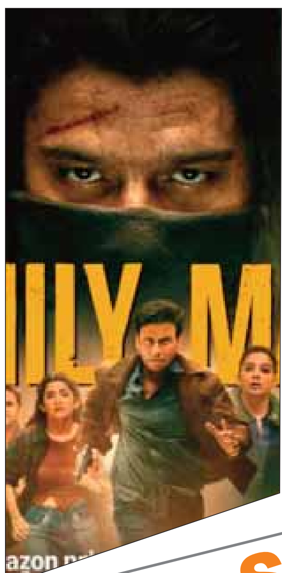

'द फैमिली मैन 3' में नए चेहरों के बीच फंसे 'श्रीकांत तिवारी'

मुंबई। मनोज बाजपेयी की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'द फैमिली मैन 3' का ट्रेलर जारी हो गया है। इसे देखने के बाद लोगों की उम्मीदें सांतवें आसमान पर पहुंच गई हैं। श्रीकांत तिवारी के किरदार में मनोज पिछले दोनों सीजन जैसे कमाल लगे हैं, लेकिन दो नए चेहरों के बीच उन्हें फंसा दिखाया गया है। पहला चेहरा जयदीप अहलावत का है, जो विलेन बने हैं। दूसरीं निमृत कौर हैं, जिनके किरदार में सस्पेंस है। 'द फैमिली मैन 3' का ट्रेलर 2 मिनट 49 सेकंड का है, जिसकी शुरुआत मनोज उर्फ श्रीकांत से होती है। ट्रेलर में वह दोनों बच्चों को अपने काम के बारे में बताते दिखते हैं। अभिनेता को पहली बार सीरीज में परेशान दिखाया गया है और जयदीप उन पर भारी पड़ रहे हैं।

लाइफ Style

रश्मिका

विजय संग शादी की जगह-तारीख आई बाहर

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की सगाई की खबरों ने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी। अब दोनों की शादी की तारीख पर चर्चा हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों अपने रिश्ते को नए स्तर पर ले जाने के लिए तैयार हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अगले साल 2026 में रश्मिका और विजय शादी कें बंधन में बंध जाएंगे। शादी की तारीख और जगह क्या होगी, यह जानकारी भी बाहर आ गई है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आया है जिसमें दावा किया गया है कि रश्मिका और विजय अगले साल 26 फरवरी, 2026 को शादी के बंधन में बंधने की योजना बना रहे हैं। दोनों ने अपनी शादी के लिए उदयपुर का भव्य पैलेस चुना है। इस पोस्ट ने आते ही हलचल मचा दी है, जिस पर लोग भी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक ने लिखा, 'यह अब तक की सबसे प्रतिष्ठित और सबसे बड़ी शादी होगी!' दूसरे ने लिखा, 'बधाई हो।'

रश्मिका ने दिखाई थी सगाई की अंगूठी : रश्मिका और विजय के करीबी सूत्र ने को बताया कि दोनों ने 3 अक्टूबर को निजी समारोह में सगाई की थी। 'गर्लफ्रेंड' के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री ने जगपति बाबू के टॉक शो 'जयम्मु निश्चयमु रा' में अपनी अंगूठियां भी दिखाई थीं, जिसमें से एक उनकी सगाई की अंगूठी थी। जब अभिनेता ने विजय का नाम लिया, तो रश्मिका काफी शर्म से लाल हो गईं थी। रश्मिका आखिरी बार आयुष्मान खुराना के साथ 'थामा' में नजर आई हैं।

हॉलीवुड मसाला

दर्शकों के बीच फिर लौटने तैयार

लॉस एंजिल्स। मार्वल की फिल्मों के शौकीनों का इंतजार खत्म होने वाला है। इस पॉपुलर फ्रेंचाइजी की अगली किस्त 'एवेंजर्स डूम्सडे' लोगों के बीच जल्द लौटने को तैयार है। इससे पहले निर्माताओं ने फिल्म का पहला ट्रेलर रिलीज करने के लिए एक खास योजना बनाई है। जाहिर है कि एमसीयू की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक, 'एवेंजर्स डूम्सडे' को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। सेट से फोटो लीक होने के बाद यह उत्साह और बढ़ गया था।

बॉलीवुड-साउथ की धुरंधर फिल्मों पर भारी पड़ी हॉलीवुड की 'प्रेडेटर बैडलैंड्स'

लॉस एंजिल्स। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इस शुक्रवार जब एक साथ कई फिल्में रिलीज हुईं, तो दर्शकों के सामने कई विकल्प मौजूद थे। बॉलीवुड से लेकर साउथ और हॉलीवुड तक सिनेमाघरों में कई फिल्में देखने के लिए मौजूद थीं। लेकिन चौंकाने वाली बात यह रही कि इस बार बॉलीवुड नहीं, बल्कि हॉलीवुड की एक साइंस-फिक्शन थ्रिलर ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। हम बात कर रहे हैं 'प्रेडेटर बैडलैंड्स' की, जिसने रिलीज के पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर बाकी सभी फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए धमाकेदार शुरुआत की है। 7 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने भारत में पहले दिन 2.25 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। दिमित्रियस शूस्टर-कोलोमाटांगी और एले फैनिंग जैसे कलाकारों के दमदार अभिनय ने दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच लाया। फिल्म को मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिली हैं, लेकिन एक बात तय है- इसका रोमांचक एक्शन और डरावना विजुअल अनुभव भारतीय दर्शकों को खूब लुभा रहा है।

श्रद्धा कपूर सीख रहीं लावणी डांस...

मुंबई। बॉलीवुड की 'स्त्री' यानी श्रद्धा कपूर काफी समय से अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। उनका आगामी प्रोजेक्ट विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की जीवनी पर आधारित होगा। ताजा जानकारी है कि श्रद्धा ने इस फिल्म के लिए तीन महीने तक लावणी और गवलन डांस सीखा है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर करेंगे, जो इससे पहले विक्की कौशल की 'छावा' से प्रसिद्धी हासिल कर चुके हैं। आइए जानते हैं श्रद्धा की इस आगामी फिल्म के बारे में। विथाबाई भाऊ पर आधारित, श्रद्धा की बायोपिक फिल्म का नाम 'ईथा' रखा गया है। प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्र ने कहा, उनकी मां शिवांगी कोल्हापुरी महाराष्ट्रीयन हैं, इसलिए श्रद्धा इस संस्कृति में गहराई से जुड़ी हैं। एक और खूबी उनकी डांस है, क्योंकि यह विथाबाई की जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा थी।

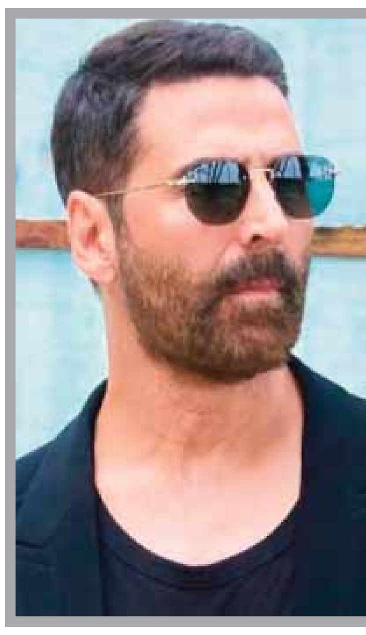

अक्षय लव ट्रायंगल से करेंगे मनोरंजन

मुंबई। अभिनेता अक्षय कुमार साल में 5 से 6 फिल्में करने में विश्वास रखते हैं। इस साल 'केसरी चैप्टर 2' और 'हाउसफुल' समेत उनकी कई फिल्में रिलीज हुईं और अब नजर 2026 पर है। अक्षय ने कई साउथ फिल्मों के हिंदी रीमेक में काम किया है, जिसमें 'राउडी राठौर', 'सरफिरा' और 'सेल्फी' शामिल हैं। अब वह साउथ की फिल्म 'संक्रांतिकी वस्तुनम' की मूल कहानी को बरकरार रखते हुए इसका पुनर्निर्माण करेंगे। इसके लिए वह फिर अनीस बज्मी के साथ जुड़े हैं। सूत्र ने बताया है कि अक्षय और अनीस को फिल्म 'संक्रांतिकी वस्तुनम' की कहानी बेहद पसंद आई है। फिल्म में मुख्य अभिनेता वेंकटेश हैं, जो अपनी पत्नी और प्रेमिका के बीच फंसे होते हैं। अनीस पहले से रिलीज हुईं फिल्मों के आधार पर नई कहानियां लिखने में माहिर हैं।

टीवी मसाला

काम्या ने खोली निर्माताओं की पोल, कहा- गंदा है; पर धंधा है

मुंबई। 'बिग बॉस 19' के हालिया एपिसोड में नॉमिनेशन टास्क हुआ। इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए 5 प्रतियोगियों को नॉमिनेट किया गया है। इससे जहां एक ओर 'बिग बॉस' के घर में घमासान मच गया है, वहीं घर के बाहर भी चर्चा जारी है। अब टीवी अभिनेत्री और 'बिग बॉस 7' का हिस्सा रहीं काम्या पंजाबी ने इस टास्क की आलोचना की और इसी के साथ उन्होंने 'बिग बॉस' के निर्माताओं पर कड़ी नाराजगी जाहिर की।

ऐसे खेला गया नॉमिनेशन टास्क : इस हफ्ते का नॉमिनेशन टास्क जोड़ियों में खेला गया। घरवालों को दो-दो के जोड़े में बुलाया गया और उन्हें दूसरे सदस्यों के नाम देकर फैसला करना था कि किसे बचाना है और किसे नॉमिनेट करना है। कुल 5 राउंड हुए। बेघर होने के लिए नीलम गिरी, अभिषेक बजाज, गौरव खन्ना, अशनूर कौर और फरहाना भट्ट का नाम सामने आया। उधर काम्या हर सीजन के दौरान सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं। अब उन्होंने नॉमिनेशन के तरीके पर सवाल उठाए हैं।

बिग बॉस ने नॉमिनेट किए सदस्य- काम्या : काम्या ने एक्स पर अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'ये कैसा नॉमिनेशन है? जिस तरफ के विकल्प, जिन लोगों को दिए गए थे, इससे एकदम साफ था कि 'बिग बॉस' खुद इन लोगों को ही नॉमिनेट करना चाहते थे। गंदा है, पर धंधा है ये।' उनके इस पोस्ट पर लोगों ने भी सहमति जताई और कहा कि इस बार का नॉमिनेशन तय था। वैसे काम्या से पहले हिना खान ने शो की नॉमिनेशन प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए थे।

कौन हैं कशिश अग्रवाल, जिसे डेट कर रहे शहनाज के भाई शहबाज

'बिग बॉस 19' हमेशा से दर्शकों का मनोरंजन करता आया है। कई बार प्रतियोगी शो के दौरान निजी जिंदगी से जुड़े ऐसे अपडेट्स देते हैं, जिनपर चर्चा शुरू हो जाती है। पिछले दिनों अभिषेक बजाज अपनी पूर्व पत्नी आकांक्षा जिंदल के चलते सोशल मीडिया पर छाए थे। अब शहनाज गिल के भाई शहबाज बदेशा ने लव लाइफ पर संकेत देते हुए दर्शकों को नया मसाला दे दिया है। उन्होंने बताया कि वह कशिश अग्रवाल को डेट कर रहे हैं। लाइवफीड के दौरान, शहबाज शो में अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहते हैं, आज मुझे किसी की याद आ रही है। अपनी गर्लफ्रेंड की। उन्होंने बताया कि स्क्रीन पर निजी जिंदगी के बारे में बात नहीं करने के लिए उन्हें कई लोगों से सलाह मिली थी।

खत्म किया पति मयंक गांधी संग नौ साल पुराना रिश्ता

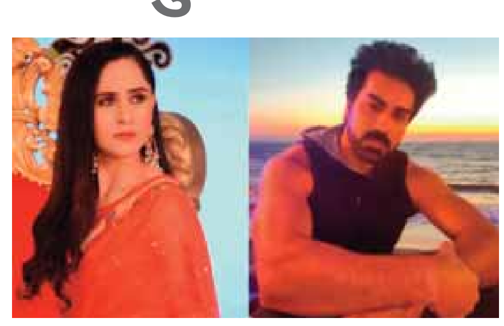

मुंबई। मशहूर टीवी अभिनेत्री हुनर हाली ने पति मयंक गांधी संग अपनी 9 साल की शादी को खत्म करने का फैसला ले लिया है। यही नहीं दोनों के तलाक की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। पिछले कुछ महीनों से दोनों के अलगाव की खबरों ने जोर पकड़ रखा था। चर्चा थी कि अभिनेत्री ने 'बिग बॉस 19' का न्यौता भी इसलिए ठुकराया था, क्योंकि उनके तलाक की प्रक्रिया चल रही थी। अब हुनर ने खुद तलाक की पुष्टि की है। एक इंटरव्यू में हुनर ने कहा, हम तलाक लेने की प्रक्रिया में हैं, लेकिन यह अभी भी प्रक्रिया में है। इसलिए मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहती। मुझे लगता है कि अगर कोई भी बात आती है बाहर तो बहुत सारे माध्यम हैं जिसकी जरूरी चीजें बाहर आती है। मैं कभी भी इस्तेमाल का सवाल नहीं उठाती क्योंकि मैं जानती हूं कि मैं अभिनेत्री हूं। हम कितना भी इस्तेमाल की सुरक्षा करें, वो हमारे हाथ में नहीं होता।

प्रक्रिया को आत्मविश्वास से संभाल रहीं अभिनेत्री : हुनर ने कहा, हम इतने लोगों से मिलते हैं, उठते हैं, काम करते हैं तो आप इससे निपट सकते हैं और मैं इससे निपट रही हूं। लेकिन मैं इसे आत्मविश्वास के साथ संभाल रही हूं। साल 2016 में हुनर और मयंक ने दिल्ली में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शादी रचाई थी। दोनों के तलाक की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। बता दें कि हुनर '12/24 करोल बाग', 'पटियाला बेब्स' और 'वीर हुनमान' जैसे शो में नजर आई हैं।

मुंबई। यामी गौतम अपनी आगामी फिल्म 'हक' को लेकर खबरों में छाई हुई हैं, जो सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में उन्हें पहली बार इमरान हाशमी के साथ देखा जाएगा। जाहिर है कि अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर में कई बेहतरीन फिल्में की हैं, जिनमें से कुछ फिल्मों की कहानी सच्ची घटनाओं पर आधारित रही है। इन फिल्मों को ओटीटी पर देखा जा सकता है, और इन्हें आईएमडीबी पर जबरदस्त रेटिंग मिली है।

ओटीटी पर धूम मचा रहीं ये फिल्में, जबरदस्त है रेटिंग...

'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'अ थर्सडे'

विक्की कौशल अभिनीत फिल्म 'द सर्जिकल स्ट्राइक' में यामी ने अहम किरदार निभाया था। यह फिल्म भारतीय सेना की ओर से आतंकवादी सैन्य ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक पर आधारित है। जी5 पर मौजूद इस फिल्म को 8.2 की रेटिंग मिली है। यामी की 'अ थर्सडे' वैसे तो काल्पनिक कहानी पर बनी है, लेकिन अभिनेत्री ने अपने अभिनय से खूब वाहवाही बटोरी थी। यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर है, और इसे 7 रेटिंग मिली है।

'आर्टिकल 370' और 'बदलापुर'

फिल्म 'आर्टिकल 370' में यामी ने सीक्रेट एजेंट जूनी हस्कर का किरदार निभाया था, जो फिल्म के महत्वपूर्ण किरदारों में से एक था। यह फिल्म आर्टिकल 370 हटाने की कार्रवाई पर आधारित है, जिसे आप जी5 पर देख सकते हैं। इसे 7.8 की रेटिंग मिली है। अभिनेता वरुण धवन की फिल्म 'बदलापुर' में यामी ने अपनी छोटी सी भूमिका से लोगों का ध्यान खींचा था। जी5 पर मौजूद इस फिल्म को 7.4 की रेटिंग मिली है।

'ओएमजी 2' और 'काबिल'

अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'ओएमजी 2' में यामी को महिला वकील के दमदार किरदार में देखा गया था। फिल्म की कहानी यौन शिक्षा को बढ़ावा देती है, जिसे जियो हॉटस्टार पर देखा जा सकता है। इस फिल्म को 7.5 की रेटिंग मिली है। ऋतिक रोशन की फिल्म 'काबिल' यामी की बेहतरीन फिल्मों में शामिल है। इसमें उन्होंने नेत्रहीन महिला का किरदार निभाया था। ये फिल्म जियो हॉटस्टार पर मौजूद है।

इमरान और यामी अभिनीत फिल्म को दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही

'हक' सिनेमाघरों के बाद जनवरी में होगी ओटीटी पर होगी रिलीज

मुंबई। अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'हक' को दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है। कुछ लोगों को यामी का अभिनय पसंद आया है, तो कुछ को कहानी पसंद आ रही है। ऐसे बहुत से लोग हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की तारीफों के कसीदे तो पढ़े हैं, लेकिन फिल्म देखी नहीं है। ओटीटी की बढ़ती लोकप्रियता के बीच बहुत से लोग फिल्मों को घर बैठकर भी देखना पसंद करते हैं। जानिए 'हक' किस ओटीटी पर रिलीज होगी।

फिल्में 60 दिन बाद देती हैं ओटीटी पर दस्तक : एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म 'हक' अगले साल 2 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। हालांकि निर्माताओं की ओर से भले 'हक' की ओटीटी रिलीज पर आधिकारिक बयान नहीं आया हो, लेकिन यह बात तो तय है कि इसमें अभी वक्त है। आमतौर पर हिंदी फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने के करीब 55 से 60 दिन बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक देती हैं। देखा जाए तो निर्माता इमरान और यामी की फिल्म के साथ भी यही फॉर्मूला अपनाएंगे।

फिल्म 'हक' के बारे में

फिल्म 'हक' का निर्देशन सुपर्णा एस वर्मा ने किया है। कहानी इंदौर के चर्चित शाह बानो केस से प्रेरित है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। फिल्म में यामी शाजिया बानो के किरदार में हैं, और इमरान अब्बास के किरदार में हैं। इसके अलावा फिल्म में शीबा चड्ढा, एसएम जहीर, वर्तिका सिंह और दानिश हुसैन जैसे कलाकार नजर आए हैं।

'हक' के अलावा असली कोर्टरूम ड्रामा पर बन चुकी हैं ये फिल्में, ओटीटी पर देखें

मुंबई। अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक' कोर्टरूम ड्रामा पर बुनी गई है। इस फिल्म की कहानी 1980 के शाह बानो केस से प्रेरित है। फिल्म में इमरान ने वकील का किरदार निभाया है, लेकिन पति के किरदार में वह काफी अहम रोल अदा करते दिखे हैं। वैसे 'हक' के अलावा बॉलीवुड में ऐसी कई फिल्में बन चुकी हैं, जिसमें कोर्टरूम ड्रामा को बखूबी दिखाया गया है। ये फिल्में ओटीटी पर मौजूद हैं, जिनका लुत्फ उठा सकते हैं।

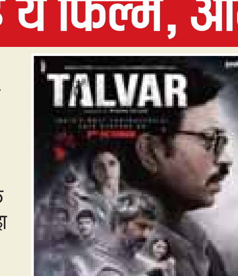

'तलवार' और 'शाहिद' : दिवंगत अभिनेता इरफान खान की फिल्म 'तलवार' 2015 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया था। इसकी कहानी नोएडा के डबल मर्डर केस (आरुषि-हेमराज) पर आधारित है। फिल्म जियो हॉटस्टार पर मौजूद है। राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'शाहिद' 2013 में रिलीज हुई थी, जिसकी कहानी मानवाधिकार कार्यकर्ता और वकील शाहिद आजमी की जिंदगी पर आधारित है। इस फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध कराया गया है। फिल्म का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है।

'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' और 'सिर्फ एक बंदा काफी है': रानी मुखर्जी की फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' असली कहानी पर बनी है, जिसमें एक महिला सागरिका चक्रबर्ती ने नॉर्वे की चाइल्ड वेलफेयर सर्विसेज के खिलाफ कानूनी जंग लड़ी थी। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर है। रानी ने इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल पुरस्कार जीता है। मनोज बाजपेयी की 'सिर्फ एक बंदा काफी है' जी5 पर मौजूद है। फिल्म की कहानी असाराम बापू रेप केस से प्रेरित है, जिसमें अभिनेता वकील पी.सी. सोलंकी के किरदार में हैं।

मंत्री कुंवर विजय शाह ने सभी तैयारियां सुनिश्चित करने दिये निर्देश

भव्यता के साथ मनाया जाएगा जनजातीय गौरव दिवस 15 को

जबलपुर। आगामी 15 नवम्बर शनिवार को जबलपुर में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों की समीक्षा शनिवार को यहां जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने की। बैठक के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया की जबलपुर में कला यात्रा भी निकाली जाएगी। बैठक में बताया गया कि जनजातीय गौरव दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम सदर स्थित गैरीसन ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। मंत्री श्री शाह ने आयोजन की सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश आधिकारियों को दिये।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया की जनजाती कल्याण कार्यक्रमों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाए. कार्यक्रम में सभी विशिष्ट जनों धर्मगुरुओं को ससम्मान आमंत्रित करने के निर्देश भी उन्होंने दिये। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में जनजातीय बंधुओं को लाने के लिए बसों की समुचित व्यवस्था हो। साथ ही ट्रायबल होस्टल में रहने वाले कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए भी आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंत्री शाह ने कहा कि जबलपुर में कला यात्रा निकलेगी।

चलेंग चार गौरव रथ

इस अवसर पर 11 नवम्बर से जिले में चार गौरवरथ भी चलेंगे। समारोह के दौरान आदि कर्मयोगी की उपलब्धियां तथा सिकल सेल उन्मूलन के लिए किये जा रहे प्रयासों के संबंध में लघु फिल्म दिखाई जायेगी। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे। इस दौरान संभागायुक्त धनंजय सिंह, आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमन शुक्ला, आईजी प्रमोद वर्मा, डीआईजी अतुल सिंह, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जबलपुर, रीवा, शहडोल व सागर संभाग के कलेक्टर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी वर्चुअली रूप से जुडे थे।

बम ब्लास्ट से क्षत-विक्षत हुए चेहरे को फिर से पहले जैसा बनाकर बचाई बच्चे की जान

बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के डॉक्टर्स का कमाल

जबलपुर। बड़ेरिया मेट्रो प्राइम अस्पताल जबलपुर के चिकित्सकों की टीम ने बम ब्लास्ट में कटनी के 14 साल के एक बच्चे के क्षत-विक्षत हो चुके जबड़े की जटिल सर्जरी करने में न सिर्फ बड़ी सफलता हासिल की, बल्कि ज़िन्दगी और मौत के बीच झूल रहे बच्चे को जीवनदान भी दिया। अस्पताल के योग्य और कुशल चिकित्सकों की टीम ने एक अलग तरह के भयावह एवं चुनौतीपूर्ण केस की सर्जरी कर असंभव को भी संभव कर दिखाया। इस जटिलतम केस की सफल सर्जरी करके बड़ेरिया मेट्रो प्राइम अस्पताल के डॉक्टर्स ने इतिहास रच दिया। यह ऑपरेशन बेहद ही दुर्लभ था, क्योंकि मरीज के जबड़े की 100 से ज्यादा हड्डियां टूट चुकी थीं जिन्हें जोड़ना आसान नहीं था, इसके अलावा बच्चे को सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी, लेकिन अस्पताल के योग्य और कुशल चिकित्सकों की टीम ने इस जटिलतम केस को चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए सर्जरी प्लान की और पांच घंटे तक लगातार सर्जरी कर जबड़े की 100 से अधिक टूटी हुई हड्डियों को जोड़ा और बच्चे का चेहरा लगभग पहले जैसा बना दिया। संभवतः यह जबलपुर का पहला ऐसा चुनौती भरा केस था जिसमें डॉक्टर्स ने सफलता प्राप्त की है। यह सफलता हॉस्पिटल की उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा और डॉक्टरों की उत्कृष्ट कुशलता का प्रमाण है।

ऑपरेशन के बाद बच्चे का चेहरा प्लास्टिक सर्जरी के द्वारा लगभग विस्फोट के पहले जैसा ही हो गया है और बच्चे का चेहरा देखकर यह प्रतीत नहीं होता कि उसका चेहरा इतनी बुरी तरह से क्षत-विक्षत हुआ था चूंकी बम विस्फोट से पूरा चेहरा बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया था और बच्चे को सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी। इसलिए नाक, कान, गला विशेषज्ञ डॉ. राहुल चतुर्वेदी द्वारा गले से छेद करके पहले सांस लेने का रास्ता बनाया गया, फिर इस जटिल ऑपरेशन को किया गया।

दरअसल, कटनी के 14 वर्षीय बालक का चेहरा बम विस्फोट की वजह से गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसकी वजह से उसका पूरा चेहरा फट गया और सांस लेना मुश्किल हो गया। उसे कटनी से तत्काल बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल जबलपुर लाया गया, जहाँ चिकित्सकों की अथक मेहनत से बच्चे को नया जीवन मिला और उसका चेहरा फिर से पहले जैसा हो गया है।

श्रीराम कॉलेज बना विजेता

जबलपुर। श्रीराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी के तत्वावधान में आयोजित नोडल स्तरीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच श्रीराम कॉलेज और ज्ञानगंगा कॉलेज के मध्य खेला गया जिसे श्रीराम कॉलेज ने 25-19, 23-25 और 16-14 से जीता। टूर्नामेंट में 8 टीमों ने भाग लिया था। समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्रीराम कॉलेज के चेयरमेन रामेन्द्र करसोलिया, राजुल करसोलिया, श्रीराम कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. एलके पटेल और डॉ. वाईएम दुबे, नोडल अधिकारी भगवान सिंह, ज्ञानगंगा कॉलेज के खेल अधिकारी नितेंद्र सिंह, श्रीराम कॉलेज के खेल अधिकारी हरविंदर सिंह, भानु सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

फीटसकॉन 2025- गर्भस्थ शिशु के संबंध में नवीनतम शोध, तकनीक एवं अनुभव की कार्यशाला आज

जबलपुर। पेट के भीतर के बेबी (गर्भस्थ शिशु) को फीटस कहते हैं। हमारी एक पहल सन 2010 में शुरू हुई थी। इस शिशु के विशेष दिन के लिए जिसे हमने 31 अक्टूबर निर्धारित किया था, वह आज विश्व गर्भस्थ शिशु दिवस के रूप में पूरे विश्व में स्थापित हो गयी है। आप चैट, जी.पी.टी. या गूगल जेमिनी या एक्स के ग्रोफ में जांच सकते हैं। इसकी शुरुआत जबलपुर से डॉ. दिपंकर बैनर्जी द्वारा की गयी थी। इसका उद्देश्य एक स्वस्थ शिशु के विकास एवं एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करना है। इसी उपलक्ष्य में विगत पन्द्रह वर्षों से हम जबलपुर स्त्री एवं प्रसूति रोग संघ (जॉग्स) के साथ एक कॉन्फ्रेन्स करते आ रहे हैं, फीटसकॉन के नाम से। प्रति वर्षानुसार इस बार भी फीटल मेडिसिन विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जा रहा है, जिसमें पोंडीचेरी के डॉ. मणिकंडन कृष्णन, इंदौर की डॉ. श्वेता भंडारी, भोपाल की डॉ. अवंतिका गुप्ता एवं स्थानीय विशेषज्ञ डॉ. गीता गुईन एवं डॉ. देवाशीष मिश्रा उपलब्ध रहेंगे। इस वर्ष यह कॉन्फ्रेन्स 09 नवम्बर को होटल नर्मदा जैक्सन में आयोजित की जा रही है।

6वीं वाहिनी जबलपुर में क्रिकेट मैच के पश्चात हुआ हार्टफ़ुलनेस मेडिटेशन

जबलपुर। सेनानी 6वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल जबलपुर सिद्धार्थ चौधरी, आईपीएस के निर्देशन में 08.11.2025 को सद्भावना T-20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इस मैत्रीपूर्ण मैच में 6वीं वाहिनी की टीम ने जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज की टीम को 4 विकेट से पराजित किया। 6वीं वाहिनी की ओर से आरक्षक कृष्णकांत ने उत्कृष्ट हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए 84 रन बनाए एवं तीन विकेट प्राप्त किए। मैच उपरांत हार्टफ़ुलनेस मेडिटेशन सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रमाणित प्रशिक्षक आरक्षक सुरेंद्र विश्वकर्मा और निरीक्षक विक्रम सिंह ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों को ध्यान सत्र कराया। इस अवसर पर सहायक सेनानी सुबोध लोखंडे, निरीक्षक सुशील बागरी तथा दोनों टीमों के सदस्य सहित कुल 30 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

मराठी लोकसंगीत-नृत्य की धारा हुई प्रवाहित

जबलपुर। मराठी साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल द्वारा आयोजित द्वि-दिवसीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर कलारंजन मुंबई निर्मित उदय साटम निर्देशित "मराठी पाऊल पडते पुढे" का 4601वां आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक अशोक रोहाणी, मराठी साहित्य अकादमी के निदेशक संतोष गोडबोले, संतोष मुलमुले, पार्षद प्रतिभा भांपकर, सुरेश मुंजे, दीपक उबाळे, नीलिमा देशपांडे द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। "गर्जा जय जय महाराष्ट्र माझा" गीत का गायन मनीषा भावे, छाया दवंडे, मनीषा वैद्य, मंजू देशमुख द्वारा किया गया। प्रमुख अतिथियों का स्वागत किशोर कळमकर, डॉ. सुनील देशपांडे, विजय भावे, तरुण सोनोने, जया पागे द्वारा किया गया।

मुंबई से पधारे 30 कलाकारों के समूह ने राजा के पुरुषार्थ की संगीतमय गाथा अर्थात पोवाडा "प्रतापगडाच्या पायथ्याशी अफजलखान बेगुमान नाही त्याला जाण", श्रृंगाररस का नृत्यमय अविष्कार अर्थात लावणी "जाऊ द्या ना घरी आता वाजले की बारा", वीररस पूर्ण जगदंबा की संगीत आराधना बनाम गोंधळ "घे लल्लाटी भंडार दूर लोटून दे अंधार", दिंडी "माऊली माऊली ज्ञानेश्वर माऊली", मछुवारों का आनंद उत्सव याने कोळीनृत्य, आदि संगीतमय नृत्य छटाओं की मनमोहक प्रस्तुति सादर की गई, तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उपस्थित प्रेक्षक झूम उठे। मंच संचालन संजय आपटे द्वारा किया गया। इस अवसर पर मराठी साहित्य अकादमी के दीपक गुप्ता, सदानंद गोडबोले, प्रदीप रानडे, अभय गोरे, तरुण सोनोने, विश्वास पाटणकर, अनिल दांडेकर, वर्षा दांडेकर, क्षमा मांडवीकर, राजेश तोफखानेवाले, श्रीकांत बापट, सुबोध मांडवीकर, उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में वारी महामंडल, महाराष्ट्र समाज के सुरेश पागे का विशेष सहयोग रहा।

महाकोशल प्रान्त विशेष सम्पर्क विभाग विश्व हिंदू परिषद की बैठक संपन्न

जबलपुर। महाकोशल प्रान्त विशेष सम्पर्क विभाग विश्व हिंदू परिषद प्रांत कार्यकारिणी की बैठक 08 नवम्बर को आयोजित की गई। कार्यशाला में महाकोशल प्रांत से पधारे अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। सामाजिक संपर्क, स्व-बोध, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य, कुटुंब प्रबोधन इन सभी विषयों पर कार्यशाला में गहन मंथन हुआ तथा विभिन्न विषयों पर निर्णय लिए गए। कार्यशाला में विशेष सम्पर्क विभाग के क्षेत्रीय प्रमुख जुगराज धर तथा विहिप के उमेश मिश्रा द्वारा विशेष सम्पर्क की भूमिका और करणीय कार्य विषय पर विचार रखे गये एवं विभाग की आगामी कार्यशैली एवं कार्यक्रम तय किए गये। कार्यशाला में सम्पूर्ण प्रान्त से पदाधिकारी का आगमन हुआ, कार्यक्रम में प्रांत अध्यक्ष सुनील भागचंदानी, दिनेश सिंह, प्रो. उज्जवल सिंह, चन्द्रकान्त मिश्रा, मनीष भार्गव, सुरजीत सिंह, डॉ. शिवव्रत महंती, श्याम त्रिपाठी, एड. प्रकाश भौमिक, नवीन सिंह , सुभाष पाण्डेय, अमित बबेले, रोहित चौकसे आदि पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

स्वस्थ व्यक्ति ही सशक्त समाज का निर्माण करता है : प्रो. अरुण शुक्ल

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय जबलपुर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना एवं हैदराबाद ओमेगा हॉस्पिटल, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में "स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. पीयूष जैन, कैंसर रोग विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में तनाव, गलत खान-पान, शारीरिक निष्क्रियता और पर्यावरणीय प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, मोटापा, हृदय रोग जैसी बीमारियां अब केवल उम्र से नहीं, बल्कि जीवनशैली से जुड़ गई हैं। इसलिए स्वास्थ्य जागरूकता आज की असली आवश्यकता है। कार्यक्रम में युवाओं को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता किया गया। प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय समन्वयक स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग ने कहा कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के माध्यम से व्यक्ति स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वस्थ व्यक्ति ही सशक्त समाज का निर्माण करता है। प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता केवल व्यक्ति की जिम्मेदारी नही 'है, यह हम सबकी भी जिम्मेदारी है कि अपने आसपास के लोगों को भी स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाएं। इस अवसर पर डॉ. शिवचंद्र वल्के, डॉ. महेन्द्र कुमार कुशवाहा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत के साथ लगभग 128 विद्यार्थी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉन्क्लेव में आयोजित हुआ वेंडर्स डेवलपमेंट प्रोग्राम

B2B बैठकों में डीपीएसयू, निजी उपक्रम, एमएसएमई व स्टार्टअप ने साझा की उत्पादन नीति

जबलपुर। व्हीएफजे में आयोजित इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉन्क्लेव 2025 के दूसरे दिन शुक्रवार को वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम और **B2B** बैठकों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ बी. राजेश कन्ना, महाप्रबंधक एवीएनएल व्हीएफजे ने किया।

इस अवसर पर एवीएनएल, बीईएल, एचएएल, बीडीएल, टीएएसएल, एशोक लेलैंड, मिधानी, जीआरएसई, **AWEIL** और **IOL** जैसी अग्रणी रक्षा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने सप्लाई चैन और प्रोक्योरमेंट नीतियों पर प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम में एमएसएमई, स्टार्टअप और स्थानीय वेंडर्स ने आपसी सहयोग और व्यावसायिक संभावनाओं पर चर्चा की। दूसरे सत्र में आयोजित **B2B** बैठकों में डीपीएसयू, **OEM**, एमएसएमई और स्टार्टअप प्रतिनिधियों के बीच कई द्विपक्षीय सौदे तय हुए और भविष्य के उत्पादन कार्यों की रूपरेखा बनाई गई। निर्माणी के मुख्य महाप्रबंधक प्रवीण कुमार ने भी बैठकों में भाग लेकर बेहतर रक्षा उत्पाद निर्माण पर चर्चा की। कार्यक्रम में सीआईआई के प्रवीण धीमन, व्हीएफजे के सभी महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में प्रतिनिधि उपस्थित रहे। रक्षा उत्पादों की प्रदर्शनी में लोगों ने अत्याधुनिक उपकरणों का अवलोकन किया।

अनेकता में एकता का अनुपम उदाहरणः निरंकारी सामूहिक शादियाँ

जबलपुर। 78वें निरंकारी संत समागम के समापन उपरांत, समालखा के उन्हीं मैदानों में सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की उपस्थिति में सादगीपूर्ण निरंकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवविवाहित युगलों ने परिणय सूत्र में बंधकर अपने नवजीवन की मंगलमय शुरुआत हेतु सतगुरु से शुभ आशीर्वाद प्राप्त किया। यह समारोह अत्यंत अनुपम और प्रेरणादायी रहा। भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड सहित विदेश जैसे ऑस्ट्रेलिया और कनाडा से 126 नव युगल सम्मिलित हुए, इसमें मध्य प्रदेश के जबलपुर जोन ब्रांच छत्तरपुर के वर अभिषेक कुशवाहा एवं वधू सेजल आनंद तथा जबलपुर ब्रांच की हिमांशी एवं वर तरुण मंगलानी (बालाघाट) दो नवयुगल सम्मलित हुए। इस शुभ अवसर पर 126 वर-वधू एक ही स्थल से एकत्व और सरलता का सुंदर संदेश देते हुए परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर मिशन के वरिष्ठ अधिकारीगण, वर-वधू के परिजन, श्रद्धालु भक्तगण ने इस दिव्य एवं भावनात्मक दृश्य का भरपूर आनंद प्राप्त किया। यह आयोजन प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अपनी सादगी, समरसता और एकत्व के दिव्य संदेश से आलोकित रहा, जो जाति, धर्म, भाषा और प्रांतीय भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता के एक सुंदर, समग्र एवं प्रेरणादायी स्वरूप को अभिव्यक्त करता है। संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज कल्याण विभाग के सहयोग से आज सतगुरु माता जी के सान्निध्य में इस वर्ष लगभग 126 जोड़े भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी सम्मिलित हुए।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं कीर्ति सावलानी पति संदीप सावलानी निवासी-785, हाथीताल, गुप्तेश्वर वार्ड, जबलपुर में घोषणा करती हूँ कि शादी के पूर्व मेरा नाम अनोखी पमनानी पिता सुरेश पमनानी था। मेरी शादी श्री संदीप सावलानी से हुआ है। अतः अब से मुझे कीर्ति सावलानी पति संदीप सावलानी के नाम से जाना व पहचाना जावे एवं लिखा व पढ़ा जावे।

पुराना नाम- अनोखी पमनानी
नया नाम- कीर्ति सावलानी

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. NR 21722A RANK LT COL NAME A GRACE GNANA MARGRET W/O T FELIX R/O 6/91, AVUDAISIVANPATTI, VTC, AVUDAIYANOOR, PO-PAVOORCHATRAM, SUB DISTT-TENKASI, DISTT-TIRUNELVELI (TAMIL NADU)- 627808 AADHAR CARD No. 7190 6395 8390 I, have changed name of my **SON** from **JOEL** (name as per my army service records) to **F JOEL** (name as per my **SON, BIRTH CERTIFICATE AND AADHAR CARD)** vide affidavit dated **07/11/2025** formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)
CORRECT NAME-F JOEL
INCORRECT NAME-JOEL

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH

I, **SUNITA DEVI** is legally Mother of No **6500168A** RANK **SEP** NAME **DILIP KUMAR CHAURASIYA** presently residing at **VILL-BHILAI, PO-KHURSIPAR, TEH-DURG, DISTT-DURG (CG)- 490011** I, have changed of my name and date of birth from name **SUNITA CHAURASIYA** and date of birth **01/07/1965** (Name and date of birth as per my **SON,** Army service records)) to name **SUNITA DEVI** and date of birth **01/01/1968** (name and date of birth as per my **AADHAR CARD)** vide affidavit dated **08/11/2025** formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)
CORRECT NAME-SUNITA DEVI
INCORRECT NAME SUNITA CHAURASIYA
CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1968
INCORRECT DATE OF BIRTH 01/07/1965

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. NR 21722A RANK LT COL NAME A GRACE GNANA MARGRET W/O T FELIX R/O 6/91, AVUDAISIVANPATTI, VTC, AVUDAIYANOOR, PO-PAVOORCHATRAM, SUB DISTT-TENKASI, DISTT-TIRUNELVELI (TAMIL NADU)- 627808 AADHAR CARD No. 7190 6395 8390 I, have changed name of my **SON** from **JONAS** (name as per my army service records) to **F JONAS** (name as per my **SON, BIRTH CERTIFICATE AND AADHAR CARD)** vide affidavit dated **07/11/2025** formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)
CORRECT NAME-F JONAS
INCORRECT NAME-JONAS

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. NR 21722A RANK LT COL NAME A GRACE GNANA MARGRET W/O T FELIX R/O 6/91, AVUDAISIVANPATTI, VTC, AVUDAIYANOOR, PO-PAVOORCHATRAM, SUB DISTT-TENKASI, DISTT-TIRUNELVELI (TAMIL NADU)- 627808 AADHAR CARD No. 7190 6395 8390 I, have changed name of my **SON** from **ARON** (name as per my army service records) to **F AARON** (name as per my **SON, BIRTH CERTIFICATE AND AADHAR CARD)** vide affidavit dated **07/11/2025** formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)
CORRECT NAME-F AARON
INCORRECT NAME-ARON

चांद की मिट्टी मे छिपा भविष्य का ईंधन, नासा से लेकर चीन तक में पाने की लगी होड़

वॉशिंगटन। पृथ्वी के सबसे नजदीकी उपग्रह चांद पर अब एक नई होड़ शुरू हो गई है। यह दौड़ सिर्फ मानवों को फिर से चंद्रमा पर भेजने या वहां बस्तियां बसाने की नहीं, बल्कि वहां मौजूद एक बहुमूल्य तत्व हीलियम-3 पर कब्जा जमाने की है, जिसे भविष्य की स्वच्छ और असीमित ऊर्जा का स्रोत माना जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, चंद्रमा की सतह पर मौजूद रेगोलिथ (चांद की मिट्टी) हीलियम-3 से भरपूर है। यह एक हल्का, गैर-रेडियोधर्मी समस्थानिक है, जो अरबों वर्षों से सौर हवा के कारण चांद की सतह पर जमा होता आ रहा है। पृथ्वी पर यह तत्व बेहद दुर्लभ है और हर साल इसके केवल कुछ हजार लीटर ही ट्रिटियम के क्षय से बनते हैं।

हीलियम-3 को पाने की लगी होड़

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, हीलियम-3 का उपयोग संलयन रिएक्टरों में स्वच्छ और सुरक्षित बिजली उत्पादन के लिए किया जा सकता है। मौजूदा परमाणु विखंडन तकनीक रेडियोधर्मी कचरा उत्पन्न करती है, जबकि हीलियम-3 आधारित संलयन ना तो रेडियोधर्मी होगा और ना ही खतरनाक अपशिष्ट पैदा करेगा। इस संभावित ऊर्जा स्रोत के कारण अमेरिका, चीन, रूस, भारत और यूरोप सभी चंद्रमा पर स्थायी उपस्थिति स्थापित करने की दौड़ में हैं। अनुमान है कि चंद्रमा की सतह की ऊपरी परत में लाखों मीट्रिक टन हीलियम-3 मौजूद है। बता दें, सबसे पहले अपोलो मिशन के भूविज्ञानी हैरिसन श्मिट ने हीलियम-3 के बारे में बताया था। जेडएमई साइंस के अनुसार, फिनलैंड की क्रायोजेनिक्स कंपनी ब्लूफोर्स ने स्टार्टअप इंटरल्यून के साथ हर साल 1000 लीटर चंद्र हीलियम-3 की आपूर्ति के लिए 300 मिलियन डॉलर का करार किया है। वहीं, ब्लू ओरिजिन ने प्रोजेक्ट ओएसिस शुरू किया है, जिसके तहत वह चंद्रमा की कक्षा से पानी की बर्फ और हीलियम-3 जैसे संसाधनों का मानचित्रण करेगी।

इस दशक के अंत तक चंद्रमा पर मानव मिशन भेजने की योजना

नासा और चीन दोनों ही इस दशक के अंत तक चंद्रमा पर मानव मिशन भेजने की योजना बना रहे हैं। नासा के कार्यवाहक प्रमुख सीन डफी का कहना है कि चीन के पहले पहुंचने की संभावना कम है, जबकि बीजिंग ने अपने चंद्र दक्षिणी ध्रुव मिशन की तैयारियां तेज कर दी हैं, जहां पानी की बर्फ और खनिज संपदा होने का अनुमान है। हालांकि चंद्रमा से हीलियम-3 लाना संभव हो सकता है, लेकिन इसे ऊर्जा उत्पादन में उपयोग करने की वैज्ञानिक चुनौती अभी बनी हुई है। विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक गेराल्ड कुल्सिंस्की ने इस पर एक छोटा रिएक्टर विकसित किया है, लेकिन अब तक कोई भी प्रयोग कुछ मिनटों से ज्यादा समय तक शुद्ध ऊर्जा लाभ के साथ नहीं चल पाया है।

रोज नाश्ते में पीता है 110 कच्चे अंडे बिना फेंटे गटक जाता है शख्स

ताशकंद। सोशल मीडिया की दुनिया में रोज नई-नई वायरल स्टोरीज़ आती रहती हैं, लेकिन कभी-कभी ऐसी आती हैं जो इंसान की हदें पार कर जाती हैं। ताजा मामला उज़्बेकिस्तान का है, जहां एक शख्स ने दावा किया है कि वो पिछले कई सालों से हर सुबह नाश्ते में 110 कच्चे अंडे पी जाता है। अंडों को वो ना फेंटता है, ना पकाता है। बस ऐसे ही गटक जाता है! अपने इस दावे की पुष्टि के लिए उसने इसका वीडियो भी बनाया है। वीडियो में उसे देखकर लगता है जैसे वो कोई सुपरहीरो हो, लेकिन सवाल ये है – क्या ये इंसान है या जानवर? और क्या ये सचमुच हेल्थ बेनिफिट देता है, या फिर जानलेवा रिस्क है? शख्स का दावा है कि इससे मसल्स बनते हैं, सहनशक्ति बढ़ती है और पूरे दिन एनर्जी बनी रहती है। वीडियो में वो अंडे कटोरे से सीधा पीता नजर आया।

बताया हेल्थ सीक्रेट

शख्स ने इसके साथ ही एक और चौंकाने वाला दावा किया। शख्स के मुताबिक, वो पिछले कई सालों से एक दिन भी दिन बीमार नहीं पड़ा है। अंडे पीने से उसे ऐसा महसूस होता है जैसे वो 20 साल का है। वीडियो को अभी तक लाखों व्यूज मिल चुके हैं। अगर साइंस की नजर से देखें तो कच्चे अंडे में विटामिन बी12, डी, कोलेस्ट्रॉल और फैट्सोल्यूबल न्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो मसल ग्रोथ और एनर्जी के लिए अच्छे हैं। एक स्टडी कहती है कि कच्चे अंडे द्वारा पकाए हुए से 50% कम प्रोटीन अब्ज़ॉर्ब होते हैं, क्योंकि ओवोम्यूकॉइड प्रोटीन डाइजेशन रोकता है। लेकिन, फायदे के साथ रिस्क भी है। कच्चे अंडे में सलमोनेला बैक्टीरिया होता है। सीडीसी के मुताबिक, हर 20,000 अंडों में एक सलमोनेला से इन्फेक्टेड होता है। 110 रोज मतलब साल में 40,000 अंडे यानी हाई रिस्क। इससे उल्टी, डायरिया और फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

एजुकेट गर्ल्स को रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

मनीला (फिलीपींस)। भारत की गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स को प्रतिष्ठित रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार संस्था को भारत की लाखों बालिकाओं की शिक्षा में असाधारण परिवर्तन लाने और सामुदायिक सहयोग के माध्यम से शिक्षा को जन-आंदोलन बनाने के लिए प्रदान किया गया है। एजुकेट गर्ल्स यह सम्मान पाने वाली पहली भारतीय संस्था बन गई है। संस्था ने यह एशिया का सर्वोच्च सम्मान अपने 55,000 टीम बालिका स्वयंसेवकों, फील्ड कोऑर्डिनेटर्स और स्थानीय युवा सलाहकार को समर्पित किया है, जो हर दिन यह सुनिश्चित करने में जुटे हैं कि भारत की हर बालिका को शिक्षा का अवसर मिले और वह अपने सपनों को साकार कर सके। 2007 में स्थापित एजुकेट गर्ल्स ने बीते लगभग दो दशकों में गरीबी और निरक्षरता के चक्र को तोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। यह संस्था उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और बिहार के 30,000 से अधिक गांवों में कार्यरत है। अपनी स्थापना से अब तक एजुकेट गर्ल्स ने 55,000 से अधिक सामुदायिक स्वयंसेवकों के सहयोग से 20 लाख से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोड़ा है और अपने उपचारात्मक शिक्षण कार्यक्रम के तहत 24 लाख से अधिक बच्चों की शिक्षा में सुधार किया है।

21वीं सदी का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण, जब 6 मिनट 23 सेकंड के लिए अंधेरे में डूब जाएगी दुनिया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

2 अगस्त 2027 को दोपहर के समय आसमान में एक बहुत ही दुर्लभ पूर्ण सूर्य ग्रहण लगेगा। यह ग्रहण पूरे 6 मिनट और 23 सेकंड तक चलेगा और इस दौरान सूरज पूरी तरह से छिप जाएगा और दिन की रोशनी एक अजीब अंधेरे में बदल जाएगी। इतने लंबे देर का ग्रहण लगभग एक सदी तक फिर नहीं देखा जा सकेगा। ज्यादातर सूर्य ग्रहण 3 मिनट से भी कम समय तक चलते है, लेकिन यह ग्रहण दोगुने से ज्यादा समय तक रहेगा जो बहुत ही अद्भुत नजारा होने वाला है।

क्या है इतने लंबे सूर्य ग्रहण की

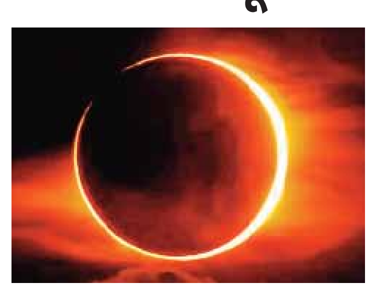

क्या है इतने लंबे सूर्य ग्रहण की वजह?

इस प्रभावशाली घटना का कारण 3 चीजों का एक साथ और दुर्लभ तरीके से होना है। पहला अपसौर, उस समय धरती सूरज से सबसे दूर होगी इसलिए सूरज छोटा दिखेगा। दूसरा ये कि, चांद उस समय धरती के सबसे नजदीक होगा इसलिए वह आसमान में बड़ा दिखाई देगा। तीसरा है, चंद्रमा की छाया धरती की भूमध्य रेखा के पास से गुजरेगी जिससे उसकी रफ्तार धीमी होगी और ग्रहण ज्यादा देर चलेगा।

क्या होगा इसका रास्ता?

इस पूर्ण सूर्य ग्रहण की शुरुआत अटलांटिक महासागर से होगी और यह जिब्राल्टर जलडमरूमध्य, साउथ स्पेन, उत्तरी अफ्रीका से होते हुए अरब प्रायद्वीप तक जाएगा। अंत में यह हिंद महासागर में जाकर खत्म हो जाएगा। यह रास्ता लगभग 170 मील चौड़ा होगा और बहुत ज्यादा आबादी वाले इलाकों से होकर गुजरेगा जिससे लाखों लोग इस ग्रहण को देख पाएंगे।

कितनी देर तक रहेगा अंधेरा?

साउथ स्पेन के शहर में 4 मिनट से ज्यादा समय तक पूरा अंधेरा रहेगा। मोरक्को के टैंजियर और टेटुआन इस छाया वाले रास्ते में सीधे पड़ेंगे। लीबिया के बेनगाजी के पास लगभग 5 मिनट तक अंधेरा रहेगा। सबसे लंबा नजारा मिस्र के ऐतिहासिक शहर लक्सर के पास दिखेगा, जहां 6 मिनट से ज्यादा समय तक अंधेरा तक छाया रहेगा। इतने लंबे समय तक चलने वाला अगला सूर्य ग्रहण साल 2114 में ही दिखाई देगा।

मासूम बच्चों को बर्फ में दफना रहे पेरेंट्स!

लंदन। दुनिया में कुछ देश ऐसे हैं, जहां साल के 12 महीने बर्फ जमी या फिर हद से ज्यादा सर्दी पड़ती है। ऐसे बर्फीले देशों में पेरेंट्स अपने बच्चों की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए उन्हें घर से बाहर ले जा कर बर्फ में दबा देते हैं। ऊपर से उन्हें बर्फ की मोटी परत से ढक दिया जाता है। बच्चा सिर्फ सांस ही ले सकता है। ये एक काफी पुरानी प्रथा है। आपको ये नजारा काफी क्रूर लग सकता है और शायद आप अपने बच्चों के साथ कभी सपने में भी ऐसा करने के बारे में नया सोचें। पेरेंट्स का यह कदम आमतौर पर प्यार या क्रूरता से प्रेरित नहीं होता, बल्कि इसके पीछे स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा बढ़ाने का विश्वास होता है। माता-पिता का मानना है कि बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बर्फीले पानी के संपर्क में लाने से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। उनका मानना है कि इससे बच्चे सर्दी, जुकाम और अन्य बीमारियों से बचे रहते हैं, उनका शरीर ठंड सहन करने के लिए तैयार होता है, और वे अधिक मजबूत और ऊर्जावान बनते हैं।

डॉ. एकांश राय ने आईआईएम कोलकाता में किया जबलपुर संभाग का प्रतिनिधित्व

जबलपुर। डॉ. एकांश राय, प्रभारी उप निदेशक (स्वास्थ्य) जबलपुर संभाग, ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) कोलकाता में आयोजित डॉक्टरों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम में जबलपुर संभाग का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए नेतृत्व, टीम प्रबंधन और नीतियों के क्रियान्वयन कौशल के साथ-साथ यह भी शामिल रहा कि किस प्रकार एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक भारत की लोक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती है। इस प्रशिक्षण के लिए डॉ. राय का नाम डॉ. संजय मिश्रा, क्षेत्रीय निदेशक (स्वास्थ्य), जबलपुर संभाग द्वारा प्रस्तावित किया गया था। डॉ. राय ने बताया कि इस कार्यक्रम से प्राप्त अनुभवों की मदद से सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं को अधिक पारदर्शिता, संवेदनशीलता और परिणाम-केंद्रित तरीके से लागू करने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग ने उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे कार्यक्रमों से जबलपुर संभाग का स्वास्थ्य सूचकांक और भी बेहतर होगा।

दुनिया का सबसे अजीबोगरीब मेंढक मुंह के अंदर छिपा कर रखता है आंख

ओटावा। कभी-कभी प्रकृति ऐसी रहस्यमयी चीजें दिखा देती है, जो फिल्मी कहानी जैसी लगती हैं। कुछ ऐसा ही हुआ कनाडा में, जहां एक लड़की को ऐसा मेंढक मिला जिसकी आंखें सिर पर नहीं, बल्कि उसके मुंह के अंदर थीं। पहली नजर में सुनकर ही हैरानी होती है, लेकिन ये कोई अफवाह नहीं, बल्कि विज्ञान द्वारा प्रमाणित सच्चाई है। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में बर्लिंगटन की रहने वाली एक हाईस्कूल छात्रा डीड्रे अपने यार्ड में खेल रही थी, तभी उसने एक अजीब से टोड (मेंढक) को देखा। वो मेंढक आंखें बंद किए बैठा था, लेकिन जैसे ही उसने मुंह खोला, डीड्रे देखते ही बुरी तरह चीख पड़ी। उसके मुंह के अंदर, तालू पर दो चमकदार आंखें झिलमिला रही थीं। डीड्रे को लगा कि शायद उसने किसी दूसरे जीव को निगल लिया है, लेकिन गौर से देखने पर पता चला कि वो आंखें उसी की खुद की थीं।

'गोलम' नाम दिया गया इस अजीब जीव को

डीड्रे ने इस मेंढक को लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के किरदार 'गोलम' के नाम पर नाम दिया, जो अंधेरे में रहता था। उसने इस अनोखे जीव की तस्वीरें लीं और स्थानीय अखबार को भेजीं। फोटोग्राफर स्कॉट गार्डनर पहले तो मजाक समझे, लेकिन जब देखा, तो हैरान रह गए। उन्होंने तस्वीरें लीं, जो बाद में रेडियो और न्यूज चैनलों पर वायरल हो गईं।

राशिफल

मेष नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। खर्च बढ़ेंगे। मीठे खानपान के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग भी बन रहे हैं।

वृष मानसिक शान्ति बनाये रखने के लिए प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। कारोबार के प्रति सचेत रहेत। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है।

मिथुन यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी।

कर्क स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है।

कन्या भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

तुला आय में वृद्धि होगी। सेहत का ध्यान रखें। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। यश की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। किसी मित्र का सहयोग से सम्पत्ति में निवेश हो सकता है।

धनु खर्च बढ़ेंगे। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। भवन सुख में वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मकर कारोबार का विस्तार होगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान

कुंभ अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। बातचीत में संयत रहें। किसी मित्र के सहयोग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन आय में वृद्धि होगी। यात्रा लाभप्रद रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति से बचने के प्रयास करें। आत्मसंयत रहें।

फैशन टूर ने तय की फैशन की अगली दिशा

जबलपुर। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर इस बार भी क्रिएटिविटी और संस्कृति को एक साथ लाकर एक मंच तैयार करेगा। यह मंच 'द वन एंड ओनली' की थीम पर आधारित होगा, जो आने वाले समय में फैशन की अगली दिशा तय करेगा। फैशन डिज़ाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) के साथ एक बार फिर हाथ मिलाते हुए, फैशन टूर देश के प्रमुख डिज़ाइनरों और मशहूर स्टाइल आइकॉन को एक मंच पर ला रहा है। इस बार यह टूर ऐसे फैशन अनुभव पेश करेगा, जो फैशन की दुनिया में अब तक देखी गई सीमाओं को पार करते हुए एक बिल्कुल नया प्रभाव बनाएंगे।

ऑयलर मोटर्स ने जबलपुर में शुरू की नई डीलरशिप

जबलपुर। इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन क्षेत्र की कंपनी ऑयलर मोटर्स ने एलीट मोटर्स के साथ साझेदारी में जबलपुर में डीलरशिप शुरू की है। यह डीलरशिप कटंगी बायपास रोड, करमेता पर स्थित है। जबलपुर, जिसे एक ईवी मॉडल हब के रूप में विकसित किए जाने वाले शहरों में शामिल किया गया है। इस अवसर पर आशीष टंडन ने कहा कि ऑयलर मोटर्स भारत में वाणिज्यिक ईवी क्रांति का नेतृत्व कर रही है, अपने नवाचारपूर्ण और सड़क के लिए तैयार समाधानों के माध्यम से, जो विभिन्न व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

कोरबा। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मोती सागर पारा बस्ती में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी जहां घटना की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज रवाना किया वहीं परिजनों का बयान दर्ज कर आगे की जांच कार्रवाई में जुट गई है।

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

शब्द पहेली - 6042

बाएँ से दाएँ
1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे
1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 6041 का हल

आ	द	त	न		ल		वा	य	लि	न
	ल		रा		प	व	न		ख	फा
ए			ध	व	ल		र			स
ह	र	द	म		पा	ल		फ	क	त
सा		म		दा	ना		सा		मा	
न	वी	न	त	म		अ	ज	वा	ई	न
	र		वा		स	दा		रि		वी
प	ता	का		ह	क		अ	स	मा	न
र			जी		प	र	दा			ता
वा	त		न	ल	का		व		द	
ज	रु	र	त		ना		त	ल	वा	र

सूडोकु बवाल - 6052

* * * * * कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 6051 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

हम सब जानते हैं कि देश-समाज का भविष्य हमारे नौनिहालों के हाथों में है। इसलिए उनके लालन-पालन से लेकर उनके समग्र विकास पर बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। नए दौर में बच्चों के सामने कैसी चुनौतियां हैं, उन्हें किन स्तरों पर संघर्ष करना पड़ रहा है, इसे हमें समझना होगा। तभी उनका बचपन सुरक्षित होगा और उनके साथ देश-समाज का भविष्य भी बेहतर बन सकेगा।

विशेष: बाल दिवस 14 नवंबर

हमारी सजगता से बच्चों को मिलेगा सुरक्षित बचपन-बेहतर भविष्य

कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम

हर साल 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर भारत में बाल दिवस मनाया जाता है, जिसका पारंपरिक अर्थ रहा है- बच्चों की मासूमियत और जिज्ञासा को सहेजना। लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि जब से बाल दिवस शुरू हुआ था, तब से अब तक इसके भावनात्मक अर्थ पूरी तरह से बदल चुके हैं। कभी यह बच्चों को टॉफी देने, उनसे कार्यक्रम करवाने और स्टेज से उन्हें अच्छी-अच्छी बातें सुनाने का दिन हुआ करता था। लेकिन 21वीं सदी के इस 25वें साल में बाल दिवस का मतलब हर बच्चे को डिजिटल, मानसिक और पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित बचपन देना है।

बदल गए बाल दिवस के मायने

आज बच्चों से मुखातिब होने का मतलब उन्हें केवल शिक्षा और पोषण तक सीमित रखना नहीं है बल्कि आज के बच्चों का एक्सपोजर-एआई, सोशल मीडिया, मोबाइल एडिक्शन, जलवायु संकट और करियर को लेकर तरह-तरह के दबावों से घिरा हुआ है। आज बचपन के चारों तरफ नई-नई चुनौतियां हैं, जिन्हें शायद आज के चार दशक पहले के बच्चे जानते तक नहीं थे। इसलिए साल 2025 में बाल दिवस का वही मतलब नहीं है, जो 1970 या 80 में हुआ करता था। आज बाल दिवस का मतलब बच्चों को सुरक्षित, स्वतंत्र और खुशहाल इंसान बनाने का सपना ही नहीं बल्कि उन्हें उचित अवसर देना भी है। इसलिए आज यह दिन बच्चों को याद करने का नहीं, उनकी दुनिया को बेहतर बनाने का दिन है। आज यह दिन हममें उनके भविष्य के निर्माण के प्रति चिंता पैदा करता है। नई सदी की नई चुनौतियों के अनुरूप आज बच्चों के बचपन को संजोने से आगे बढ़कर उन्हें भविष्य के अनुरूप इंसान गढ़ने का दिन है।

कई दबावों से घिरा है बचपन

पंडित नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। उनका सोचना था कि अगर बच्चों को सही दिशा में सोचने, सवाल करने और सीखने की आजादी मिले तो वे आपकी कल्पना से भी ऊंची उड़ान भर सकते हैं। लेकिन हमने आजादी के बाद के पिछले 80 सालों में बचपन को फलने-फूलने के लिए एक खुला वातावरण देने की बजाय आज के बच्चों को प्रेशर कुकर पीढ़ी बना दिया। आज दस साल का बच्चा भी अपने करियर की उस तरह चिंता करता है, जैसी चिंता आजादी के तुरंत बाद के दिनों में 40 साल के अधेड़ भी नहीं करते थे। उस जमाने में बचपन का मतलब होता था- खेलना, बेफिक्र होकर जीना और जीवन की असफलताओं से गुजरकर सफलता की ओर बढ़ना। लेकिन आज स्थिति एकदम बदल गई है। ऐसा माहौल बन गया है जैसे आज जीवन में असफलता के लिए कोई जगह ही नहीं है। आज की तारीख में दस-बारह साल के बच्चे एक नहीं कई-कई क्षेत्रों में पारंगत बनने के लिए वैसी गंभीर ट्रेनिंग लेते हुए मिल जाएंगे, जैसे कभी वयस्क लिया करते थे।

बच्चों के बीच न पनपे असमानता

डिजिटल युग में बचपन की बाधाएं बिल्कुल अलग हैं। आज 27 करोड़ बच्चे इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। अब किताबों से पहले उनके हाथ में स्मार्ट मोबाइल होते हैं, जबकि दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी बच्चे हैं, जिन्हें जीवन की बुनियादी सुविधाएं भी हासिल नहीं हैं। ऐसे में भला देश के सभी बच्चे एक तरह से कैसे आगे बढ़ सकते हैं? यहां स्मार्ट फोन रखने वाले बच्चे ऑनलाइन शिक्षा, कोडिंग, डिजाइन और उद्यमिता के भविष्य का पाठ अपनी स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वहीं करोड़ों गांवों, कस्बों के बच्चों के लिए ये पाठ उनकी जिंदगी शुरू हो जाने के बाद भी मुश्किल से शुरू हो पाता है। इसलिए जरूरी है कि किसी भी तरह से व्यवस्था करके भारत में बच्चों के बीच असमानता की इस बड़ी खाई को पाटना होगा। आज बड़े पैमाने पर नई पीढ़ी को यह समझाने की जरूरत है कि अब डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी नहीं बल्कि उस मोड़ पर आ गई है, जहां इसे नैतिक शिक्षा का भी हिस्सा बनना चाहिए। बच्चों को आज यह बताना जरूरी है कि डिजिटल माध्यम उनके अच्छे भविष्य को संवारने का साधन मात्र है, साध्य नहीं।

भविष्य के लिए करना होगा तैयार

आज बाल दिवस के मौके पर हम बच्चों को कोई चीज समझाने के लिए रटाने की जिद नहीं कर सकते बल्कि उन्हें समस्या का हल निकालने का मैथड समझाना होगा, साथ ही नैतिक निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें भरनी होगी, ताकि वह भविष्य में सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में ही सफल न हों बल्कि जीवन जीने के मामले में भी बेहद कामयाब हो सकें। आज बच्चों में पर्यावरणीय चेतना जगाना एक्स्ट्रा एक्टिविटी नहीं, न उनको विशेष बनाना है बल्कि यह जीने की जरूरी गतिविधि का हिस्सा है।

इसी तरह बच्चों में समानता और समावेशिता की सीख देना सिर्फ उन्हें बेहतर इंसान बनाने की कोशिश नहीं है बल्कि उन्हें आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में योग्य बने रहने का जरूरी गुण है और याद रखिए, आज के बच्चों को न तो पूरी तरह से घर की जिम्मेदारी पर छोड़ा जा सकता है और न ही मां-बाप उन्हें बेहतर इंसान और सफल नागरिक बनाने की सारी जिम्मेदारी स्कूलों पर डाल सकते हैं। यह स्कूलों और घरों के साझे अभियान का समय है। अगर हम बच्चों को भविष्य का सफल और शिष्ट नागरिक बनाना चाहते हैं, तो उन्हें आगामी चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। तभी बाल दिवस मनाना भी सफल होगा। *

बच्चों के तनाव को करें दूर

साल 2024 के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण के मुताबिक आज हर सात में से एक बच्चा किसी न किसी तरह के मानसिक तनाव से गुजर रहा है। मोबाइल युग के पहले ऐसा खतरा दूर-दूर तक नहीं होता था। आज बच्चों के सामने परीक्षा का डर, सोशल मीडिया की चिंता और माता-पिता की उम्मीदों की धुकधुकी उन्हें सहज नहीं होने देती। अगर हम बच्चों को भविष्य का स्वस्थ और सफल इंसान बनाना चाहते हैं, तो हमें उनके स्वास्थ्य को लेकर सहानुभूति से सुनने की सोच बदलनी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग सेल, ओपन टॉक सेशन और इमोशनल लिट्रेसी प्रोग्राम लागू करने की बेहद जरूरत आन पड़ी है। आज बाल दिवस बड़ी शिद्दत से हमें याद दिलाता है कि बच्चों में भावनात्मक मजबूती, उनके सफल होने की बुनियादी शर्त है। साथ ही आज बदलते युग की जरूरतों में किसी न किसी कुशलता में दक्ष होना और अपनी गतिविधियों में वैल्यू एडिशन करने की क्षमता पाना भी जरूरी है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि साल 2030 के बाद मशीनें सिर्फ मशीनें नहीं रहेंगी, वह इंसान से भौतिक प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। आने वाले दिनों में परंपरागत नौकरियां बदल जाएंगी। इसलिए आज की पीढ़ी को सीखना ही नहीं बहुत सतर्कता और सावधानी से अपनी क्रिएटिविटी और कोलेब्रेशन की क्षमता को भी साथ-साथ बढ़ाना है।

दायित्व / डॉ.अनिता राठौर

बचपन से किशोरावस्था तक बच्चों के जीवन में सबसे बड़ी भूमिका पैरेंट्स और टीचर्स की होती है। ऐसे में बच्चों के बेहतर, तनावरहित और उज्ज्वल भविष्य के लिए दोनों को उनकी जरूरतें और समस्याओं को गंभीरता से समझना होगा।

पैरेंट्स-टीचर्स जरूर समझें बच्चों की जरूरतें-समस्याएं

हर साल मनाए जाने वाले बाल दिवस का आशय हमें इस बात का एहसास भी कराना है कि कैसे आने वाले समय में बच्चे अपनी कल्पना, मासूमियत और संवेदनशीलता को बरकरार रखते हुए आगे बढ़ सकें? लेकिन सवाल है क्या आज अभिभावक और अध्यापक सचमुच बच्चों के रोजमर्रा की जरूरतों को समझते हैं? क्या तकनीक के बदलाव के इस दौर के बच्चों की जुबान और उनके मन पर तेजी से पड़ रहे प्रभावों को वो समय के अनुरूप समझ पा रहे हैं और इसको ध्यान में रखते हुए उनके विकास की जरूरत की भाषा बोल-समझ पा रहे हैं?

बदलें अपनी मानसिकता: जिस तरह से इंटरनेट, सोशल मीडिया, स्मार्ट क्लास, डिजिटल गेम्स और जूम्स गैदरिंग ने आज की समूची जीवनशैली को बदलकर रख दिया है, उस जीवनशैली को आज की एक दशक पुरानी भाषा से न तो समझा जा सकता है और न ही व्यक्त किया जा सकता है। लेकिन सवाल है, क्या आज भी कई दशक पुराने अध्यापक जो हमारी शिक्षा व्यवस्था की बागडोर अपने हाथों से संभाले हुए हैं, उन्हें डिजिटल युग के इन बच्चों की अभिव्यक्ति की भाषा समझ में आती है? क्या वे उन्हें उनके अनुरूप भाषा में जवाब दे पा रहे हैं? यह सिर्फ अध्यापकों के समक्ष का सवाल नहीं है। सच तो यह है कि यह बात अभिभावकों पर भी पूरी तरह से लागू होती है। आज के बच्चों का बचपन सिर्फ खेल के मैदान में नहीं बल्कि खेल के मैदान में कम, स्क्रीन की रोशनी के बीच ज्यादा बीतता है। लेकिन उनके अधिकांश अभिभावक साथ ही अध्यापक भी आज भी 90 के दशक की उस मानसिकता में अटके हुए हैं, जहां बच्चों से उम्मीद की जाती है कि वे किताबों में डूबे रहें, अपनी क्लास में सबसे ज्यादा नंबर लाएं, बड़ों की बातों को बिना सवाल किए मानें और घर में जब रिश्तेदार आएं तो उनके सामने वे अपने मां-बाप और रिश्तेदारों द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब गर्दन नीची करके दें।

बदल गई बच्चों की मन:स्थिति: आज के बच्चों की मन:स्थिति बिल्कुल बदल गई है। सच तो यह है कि आज के तेज रफ्तार विकास और चमत्कारिक हो चली तकनीकी के इस युग में उनके मनो-मस्तिष्क में जिज्ञासाओं और आशंकाओं की तेज रफ्तार के अंधड़ चल रहे हैं। फिर भी अभिभावक हों या अध्यापक, उनसे 90 के दशक के बच्चों की तरह ही अनुशासन और आज्ञाकारिता की मांग करते हैं। मां-बाप और स्कूल टीचर बच्चों को आज भी पुराने खांचे और सांचे में ढाले रखना चाहते हैं। आज के मां-बाप और अध्यापक इस बात को समझ ही नहीं रहे कि तेजी से आ धमके डिजिटल युग ने किशोरों की समूची मानसिक संरचना को बदल कर रख दिया है। आज 14 से 16 साल के बच्चे न सिर्फ भविष्य के अपने करियर को लेकर चिंतित हैं बल्कि अपने लाइफस्टाइल को लेकर भी उन पर अभी से दबाव है।

आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव्स' हैं यानी, ऐसी पीढ़ी जो तकनीक के साथ पैदा हुई है और समझती है कि उन्हें डांटने और रोकने की इजाजत भी मां-बाप के पास नहीं होनी चाहिए।

समझें नए दौर के बच्चों की जरूरतें: एक बड़ी समस्या यह भी है कि आज अभिभावक अपने बच्चों की ज्यादातर जरूरतों को भौतिक रूप ही समझते हैं। जैसे- उनका स्कूल अच्छा होना चाहिए, उनके पास अच्छी क्वालिटी का मोबाइल होना चाहिए, वो प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर या ट्यूटर से कोचिंग पढ़ें और उनके कपड़े अच्छे से प्रेस (इस्त्री) होने चाहिए। मां-बाप भूल जाते हैं कि बच्चों की इन सब चीजों के अलावा भी जरूरतें हैं। उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतें। लेकिन यह सिर्फ मां-बाप की ही कहानी नहीं है, आज के अध्यापक भी भूल जाते हैं कि उनके छात्र, उनसे टेक्नोलॉजी में कुशलता के अलावा जीवन की कठिन गांठों को सुलझाने की उम्मीद भी रखते हैं। आज के किशोरों के दिल की बात सुनने वाला कोई नहीं है, न स्कूल में अध्यापक, न घर में मां-बाप।

जी लेने दें बच्चों को बचपन: आज अभिभावकों और अध्यापकों को ठहरकर इन बातों पर गौर करना चाहिए। ऐसे संक्रमण काल में यह जरूरी है कि अध्यापक और अभिभावक दोनों ही बच्चों के दिल की आवाज को गंभीरता से सुनें। आज भी बच्चों को उनकी रुचियों के मुताबिक जीने और बचपने का आनंद लेने की छूट दी जानी चाहिए, जिसके लिए जरूरी है कि अभिभावक और अध्यापक दोनों ही आज के बचपने की भाषा को गंभीरता से समझें, तभी इस सब कुछ की संभावना वाले युग में बच्चों का बचपन शानदार और खुशियों से भरा होगा। *

व्यंग्य / विनय मोघे

मोबाइल का बवाल

सत्तर वर्षीय ख्यालीराम का परिवार चिंतित है, क्योंकि ख्यालीराम ने अन्न-जल त्याग देने की घोषणा कर दी है। कारण यह है कि घरवालों ने उनका मोबाइल उनसे ले लिया है। अब उनका फेसबुक, व्हाट्सएप सब बंद है। दुनिया से उनका संपर्क टूट गया है, इसीलिए उन्होंने अन्न-जल से अपना, संपर्क तोड़ लेने की ठान ली है।

दरअसल, कुछ महीने पहले ही उनके बेटे ने उनके जन्मदिन पर उन्हें अच्छा वाला स्मार्टफोन दिलाया था। उनके पौत्रों ने उनके मोबाइल पर कई सारे एप्स डाउनलोड कर दिए थे। ख्यालीराम की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कांपते हाथों और कमजोर नजरों से ख्यालीराम उन एप्स का उपयोग करने लगे। बस यहीं से उनकी और उनके परिवार की परेशानी का सिलसिला शुरू हो गया।

> पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो ख्यालीराम के कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए।

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो उनके कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। साथ ही में RIP की जगह दो बार PIP-PIP भी लिख दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए थे। हर बर्थ-डे और एनिवर्सरी पर सेम गलती करते या उनसे कोई और गलती हो जाती है। केक के चित्र की जगह या तो दूध की बोतल वाला चित्र भेज देते या कुत्ते को दी जाने वाली हड्डी का। बधाई संदेशों को खुद टाइप नहीं कर पाते तो कॉपी पेस्ट कर दिया करते। ऐसे में कभी एनिवर्सरी के उनके संदेश में अकसर पति-पत्नी की जोड़ी बदल जाती थी। पतियों को शायद उनका ऐसा करना अच्छा लगता हो पर पत्नियां नाराज हो उठती थीं। उनकी गलतियों से बचने के लिए उनके दोनों पौत्रों ने उन्हें वॉइस मैसेज भेजने का आइडिया सुझाया। एक बर्थ-डे पर उन्होंने जो वॉइस मैसेज भेजा, जिसमें सिर्फ उनके खांसने की आवाज और दो बार 'हे राम, ये खांसी तो मार ही डालेगी मुझे।' सुनाई दिया। पूरे मैसेज में बर्थ-डे का जिक्र कहीं नहीं हुआ।

फेसबुक पर अपने पुराने मित्रों, सहेलियों को ढूंढने के चक्कर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले कई लोगों को अपना मित्र बना लिया था। कुछ ही दिनों में उनके मित्रों की कुल संख्या सैकड़ा पार कर गई थी, जिनमें असली मित्र बहुत ही कम थे। कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण उनके फेसबुक मित्रों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही थी। एक दिन किसी ऑनलाइन शॉपिंग एप पर उनके कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण 43 इंच एलईडी टीवी ऑर्डर हो गया, वो भी 'कैश ऑन डिलीवरी।' जिस दिन यह घटना हुई, उसी दिन घरवालों ने उनसे मोबाइल वापस ले लिया। मोबाइल के आदी हो चुके ख्यालीराम अब अन्न-जल के बिना रह सकते हैं पर मोबाइल के बिना नहीं। घरवाले सोच रहे हैं, उन्हें अन्न-जल दें या मोबाइल? *

गजल / प्रताप सोमवंशी

वो सारा दर्द छुप जाता था जो घर-बार के अंदर
वही दिखने लगा है आज-कल अखबार के अंदर

वो घर के एक बूढ़े की तरह सबसे निभाता है
मुसीबत छह दिनों की छुप गई इतवार के अंदर

ये रिश्ते तौलना, गिनना, उठाना, देखना, रखना
ये हम परिवार के अंदर हैं या बाजार के अंदर

वहां रिश्तों की खिड़की पर हैं कितने कीमती पर्दे
घुटन महसूस होती है मुझे दीवार के अंदर

किसी को भी कभी शीशे के जैसे मत समझ लेना
बहुत चुभता है जब टूटा है कुछ किरदार के अंदर

भलाई सिर्फ इतना चाहती है सौंपकर सबकुछ
बदल जाए कहीं दुनिया में कुछ दो-चार के अंदर

बहुत मजबूत होते हैं ये मजबूरी के कांधे भी
जो पूरा गांव ढो कर रख गए बाजार के अंदर

एआई इमेज

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

बड़ा आदमी

सुभाष के बारह वर्षीय बेटे राहुल ने मचलते हुए कहा, 'पापा, मुझे बड़ा आदमी बनना है।'

'इस सीढ़ी पर चढ़कर बैठ जा।' सुभाष ने दीपावली की सफाई के लिए निकाली गई सीढ़ी की ओर इशारा करते हुए मजाकिया ढंग से कहा।

राहुल भी हंसी-हंसी में सीढ़ी के तीन डंडों पर चढ़कर ऊपर बैठ गया।

पिता ने पहले अपने और फिर उसके सिर पर हाथ ले जाते हुए बताया, 'देखो, अब तुम मुझसे भी बड़े हो गए। ध्यान दो, तुम एक-एक सीढ़ी चढ़ते हुए बड़े बने हो।'

राहुल ने शिकायती लहजे में कहा, 'ऐसे नहीं, मुझे सचमुच का बड़ा आदमी बनना है।'

'इसके लिए तुम्हें अपने ही आस-पास के किसी बड़े आदमी को ढूंढना होगा, उसके समीप रहना होगा और फिर उसके जैसा बनने की कोशिश भी करनी होगी।'

राहुल ने सवाल किया, 'लेकिन कोई बड़ा आदमी है, मैं कैसे पहचानूंगा?'

'हां, यह समस्या तो है। पहले के समय में पहचान का तरीका अलग था। कोई सज्जन होता था, ज्ञानी होता था, समाज के हित के लिए काम करता था तो उसे बड़ा आदमी माना जाता था। आज के जमाने में किसी व्यक्ति के आस-पास के लोगों को व्यवहार देखकर यह जाना जाता है।' सुभाष ने बताया।

'उस व्यक्ति के बजाय उसके आस-पास के लोगों का व्यवहार देखकर पहचाना जाएगा कि वह कितना बड़ा आदमी है?' राहुल ने आश्चर्य से पूछा।

'हां!' पिता सुभाष ने मुस्कराते हुए जवाब दिया, 'कोई आदमी कहीं पहुंचे तो उसे आता देखकर वहां बैठे सारे लोग खड़े हो जाएं, वह आकर बैठ जाए तो सभी बैठ जाएं, वह आदमी चलने के लिए उठकर खड़ा हो तो शेष लोग भी खड़े हो जाएं, उसे छोड़ने बाहर तक जाएं, तब समझो कि वह बड़ा आदमी है।' *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

जीने का रास्ता दिखाती कहानियां

समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है। इस बदलाव की सबसे बड़ी मार परिवार, रिश्ते, नाते और हमारी संवेदनाओं पर पड़ी है। हर किसी की जिंदगी में हर दिन कुछ ना कुछ टूट रहा है, बिखर रहा है। तकनीक की तरक्की ने दूरियों को और बढ़ाने का काम किया है। इन्हीं दूरियों, बिखराव और भटकाव के बीच जीने का रास्ता तलाशती हैं 'पा की डायरी' की कहानियां। इस पुस्तक की लेखिका आशा शर्मा हैं। लेखिका अपनी इन कहानियों में एक स्वप्न बुनती हैं। स्वप्न जिसमें परिवार का साथ, रिश्तों में नमी व स्त्री की स्वतंत्रता हो। शीर्षक कहानी 'पा की डायरी' दांपत्य प्रेम की अनूठी बानगी है। एक डायरी जो जीवन भर पत्नी को परेशान करती रही। पति के मृत्यु के बाद उसका रहस्य खुलता है, जो पत्नी को हैरान कर देता है। 'दिमाग वाली लड़की' आज की आत्मचेता स्त्री के स्वाभिमान की कहानी है। 'अधबुना स्वेटर' में लेखिका ने रिश्तों की गर्माहट की बड़ी आत्मीय कहानी लिखी है। 'प्रतिरूप', 'पिघलती बर्फ', 'जी ले जरा' आदि कहानियां भी जीवन के उतार-चढ़ाव को खूबसूरती से उकेरती हैं। कह सकते हैं कि ये आज के जटिल समय की कहानियां हैं। मगर लेखिका ने इसे बड़े सरल तरीके से लिखा है। बिल्कुल सुलझे अंदाज में। *

पुस्तक: पा की डायरी (कहानी संग्रह), **लेखिका:** आशा शर्मा, **मूल्य:** 260 रुपए, **प्रकाशक:** समृद्ध पब्लिकेशन, दिल्ली

खबर संक्षेप

21 साल के राहुल वीएस बने भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वीएस छठी आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप को एक राउंड शेष रहते हुए जीतकर देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। यह 21 वर्षीय खिलाड़ी एशियाई जूनियर चैंपियन भी है। वह 2021 में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बने थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने लिखा, 'राहुल वीएस को एक राउंड शेष रहते आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीतने और इस प्रक्रिया में देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने पर हार्दिक बधाई। आपको आगे भी कई उपलब्धियां हासिल करने और भारत को गौरवान्वित करने में निरंतर सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' फिलीपीन्स में आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप में राहुल ने जीत हासिल करके अपना अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया। वह पिछले दो सप्ताह के अंदर ग्रैंडमास्टर बनने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले युवा खिलाड़ी इलमपर्थी एआर ने 30 अक्टूबर को यह उपलब्धि हासिल की थी।

एशेज सीरीज का प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया : वुड

पर्थ। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया आगामी एशेज श्रृंखला में प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए आत्मविश्वास से भरी है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 से ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला नहीं जीत पाई है और उसका लक्ष्य इस बार यह इंतजार खत्म करने का होगा। वुड ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से श्रृंखला में प्रबल दावेदार है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारी टीम में भी इस बात का आत्मविश्वास है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।' मार्क वुड ने 15 महीनों से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है और वह फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में भी नहीं खेले हैं। इस टूर्नामेंट के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई थी। वह इंग्लैंड की गेंदबाजी योजनाओं का एक अहम हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत प्रतिशत फिट हूं। मुझे लगता है कि अभ्यास के दौरान हमेशा अपना शत प्रतिशत देना बहुत मुश्किल है। मैं लंबे समय तक दौड़ नहीं लगा पाया था लेकिन धीरे-धीरे मैं अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रहा हूं। मुझे विश्वास है कि मैं पहले टेस्ट मैच तक में खेलने के लिए पूरी तरह फिट हो जाऊंगा।'

पंत को लगी चोट, फिर भी की बल्लेबाजी

बेंगलुरु। भारत 'ए' के कप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन रिटायर्ड हर्ट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए दोबारा मैदान पर उतरते ही चोट की चिंताओं को दूर कर दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के मैदान पर दिन के शुरुआती सत्र के अंतिम क्षणों में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज शेपो मोराकी की गेंद पर तीन बार चोट लगने के बाद पंत को एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। पंत जब रिटायर हर्ट हुए तब वह 22 गेंद में 17 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। उनकी जगह ध्रुव जुरेल मैदान पर आए। उन्हें बाद में बाएं हाथ पर पट्टी बांधे देखा गया। पहली पारी में 24 रन बनाने वाले पंत को 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

बारिश में धुला भारत और आस्ट्रेलिया का अंतिम टी20 मैच, टीम इंडिया ने जीती सीरीज

अभिषेक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, सबसे तेज पूरे किए 1 हजार रन, बने दुनिया के पहले बल्लेबाज

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का अंतिम मैच ब्रिसबेन में खेला गया। इस मुकाबले में बारिश आने से पहले ही अभिषेक शर्मा ने एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

अभिषेक ने जैसे ही अपनी बैटिंग के दौरान 11वां रन बनाया तो वह दुनिया में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज एक हजार या उससे अधिक रन बनाने वाले पहले बैटर बन गए। ब्रिसबेन मुकाबले से पहले अभिषेक शर्मा के नाम 521 गेंदों में 989 रन दर्ज थे। लेकिन गाबा के मैदान में उन्होंने सात गेंद में जैसे ही 11 रन और बनाए तो उनके नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

अभिषेक शर्मा ने 528 गेंद में 1 हजार रन पूरे किए और ऐसा करने वाले पहले बैटर बन गए हैं। जबकि इससे पहले 569 गेंद में टिम डेविड ने 1 हजार टी20 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए थे। 573 गेंद में सूर्यकुमार यादव और 599 गेंद में इंग्लैंड के फिल साल्ट ने टी20 में एक हजार रन पूरे किए थे।

अभिषेक ने 528 गेंदों में पूरे किए एक हजार रन

अभिषेक का टी20 कॅरियर

भारत के लिए तूफ़ानी सलामी बैटर के रूप में जगह बनाने वाले अभिषेक शर्मा भारत के लिए अभी तक 29 टी20 मैचों में एक हजार से अधिक रन बना चुके हैं और वह 37 के करीब की औसत और 189 के धांसू स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे हैं। अभिषेक शर्मा का तूफ़ानी अंदाज अगले साल 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के काफी काम आएगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। अभिषेक ने सीरीज में 163 रन बनाए। अभिषेक लगातार दूसरी सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने हैं। एशिया कप 2025 में भी वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

बारिश के कारण मैच रद्द

अभिषेक शर्मा की बात करें तो वह चार मैचों में 140 रन बनाकर टॉप में चल रहे थे। इसके बाद अंतिम टी20 मैच में भी उनका बल्ला चला लेकिन बारिश आने से पहले पांच रन और 11 रन पर अभिषेक के दो कैच छूटे। दो जीवनदान मिलने के चलते अभिषेक शर्मा 13 गेंद में एक चौके और एक छक्के से 23 रन बनाकर नाबाद रहे तो शुभमन गिल भी 16 गेंद में छह चौके से 29 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने बारिश आने तक 4.5 ओवर में बिना विकेट गंवाए 52 रन बनाए थे। इसके तुरंत बाद ही भारी बारिश आ गई, जिससे मैच रद्द करना पड़ा।

सबसे कम गेंदों पर 1 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज

528 गेंद	- अभिषेक शर्मा
573 गेंद	- सूर्यकुमार यादव
599 गेंद	- फिल साल्ट
604 गेंद	- ग्लेन मैक्सवेल
609 गेंद	- आंद्रे रसेल/ फिन एलन

सबसे कम पारियों में 1 हजार रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी

27 पारी	- विराट कोहली
28 पारी	- अभिषेक शर्मा
29 पारी	- केएल राहुल
31 पारी	- सूर्यकुमार यादव
40 पारी	- रोहित शर्मा

2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया से नहीं गंवाई टी20 सीरीज

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार चौथी टी20आई सीरीज में जीत दर्ज की। साथ ही साथ भारत ने साल 2008 के बाद से ऑस्ट्रेलिया से कोई भी टी20 सीरीज नहीं गंवाई है। यही नहीं सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेली और इसमें भारत को शानदार जीत मिली।

विश्व चैंपियनशिप में रविंदर सिंह ने पहले दिन जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| काहिरा

सेना के अनुभवी निशानेबाज रविंदर सिंह ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप (पिस्टल और राइफल) के पहले दिन 50 मीटर फ्री पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण और टीम रजत पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया। जम्मू-कश्मीर के भारतीय सेना के हवलदार के लिए यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले 29 वर्षीय रविंदर ने बाकू में 2023 विश्व चैंपियनशिप में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता था।रविंदर 2019 से भारतीय टीम में अंदर-बाहर होते रहे हैं। उन्होंने गैर-ओलंपिक स्पर्धा में 569 अंक हासिल कर शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के किम चेयोंगयोंग (556 अंक) और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट एंटोन अरिस्तारखोव (556 अंक) को पीछे छोड़ दिया, जिन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस साल की शुरुआत में 10 मीटर एयर पिस्टल में राष्ट्रीय खेलों में रजत पदक जीतने वाले रविंदर ने 93 के कम स्कोर के साथ शुरुआत की लेकिन अगले पांच राउंड में 98, 94, 95, 93 और 96 अंक बनाकर 47 निशानेबाजों के बीच कुल 569 का स्कोर बनाया।

जुरेल ने ठोका शतक, पंत ने खेली तूफानी पारी भारत-ए ने साउथ अफ्रीका को दिया 417 का टारगेट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडिया ए के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी करते हुए दूसरी पारी में भी शतक लगा दिया। ध्रुव पहली पारी में भी शतक लगाकर नाबाद (137 रन) रहे थे और भारत को अच्छी स्थिति में पहुंचाने का काम किया था। ध्रुव जुरेल ने दूसरी पारी में भी टीम को मुसीबत से निकालने का काम किया और अपना शतक पूरा किया। ये उनका दूसरे टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ बैक-टू-बैक शतक रहा साथ ही ये उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का 5वां शतक रहा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट से पहले ध्रुव का लय में आना टीम इंडिया के लिए काफी अच्छा संकेत है। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरी पारी में 7 विकेट पर 382 रन

बनाए और पारी की घोषणा कर दी। इसके साथ ही भारत की कुल बढ़त 416 रन की हो गई और साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 417 रन का टारगेट मिला है।

जुरेल का लगातार दूसरा शतक

दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में ध्रुव जुरेल ने अपना शतक 159 गेंदों पर पूरा किया। ध्रुव ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 12 चौके लगो। ध्रुव ने दूसरी पारी में हर्ष दुबे के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 250 गेंदों पर 184 रन की शानदार साझेदारी की। हर्ष दुबे ने भी टीम के लिए अच्छी पारी खेली और उन्होंने 116 गेंदों पर 84 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक छक्का और 12 चौके निकले।

पंत ने 48 गेंदों पर पूरा किया अर्धशतक

दूसरी पारी में ध्रुव जुरेल ने 170 गेंदों पर एक छक्का और 15 चौकों की मदद से नाबाद 127 रन की पारी खेली। वहीं मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में कप्तान ऋषभ पंत पहले रिटायर हर्ट हो गए, लेकिन इसके बाद वो बैटिंग के लिए मैदान पर आए और अपना अर्धशतक सिर्फ 48 गेंदों पर छक्के के साथ पूरा किया और दूसरी पारी में उन्होंने 54 गेंदों पर 4 छक्के और 5 चौकों की मदद से 65 रन की तेज पारी खेली।

सुल्तान अजलान शाह कप के लिए कप्तानी करेंगे संजय

नई दिल्ली। डिफेंडर संजय 31वें सुल्तान अजलान शाह कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को 23 से 30

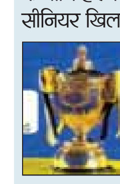

नवंबर तक मलेशिया के इपोह में होने वाले प्रतिष्ठित आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए आराम दिया गया है। भारत की पहली पसंद के दोनों गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा को आराम दिया गया है। उनकी जगह पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार को टीम में चुना गया है। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह और स्ट्राइकर मनदीप सिंह भी टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे।

एनएसडब्ल्यू ओपन के फाइनल में पहुंचीं रतिका, अब शाहीन से खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी रतिका सुथांथरा सीलन ने सिडनी में खेले जा रहे एनएसडब्ल्यू ओपन में न्यूजीलैंड की छठी वरीयता प्राप्त एम्मा मर्सन पर सीधे गेम में जीत हासिल करके अपने चौथे पीएसए फाइनल में प्रवेश किया। पिछले सप्ताह नॉर्थ कोस्ट ओपन की सेमीफाइनलिस्ट रहीं दूसरी वरीयता प्राप्त रतिका ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एम्मा को 32 मिनट में 11-9, 11-7, 11-6 से हराया।

विश्व रैंकिंग में 180वें स्थान पर काबिज तमिलनाडु की यह 24 वर्षीय खिलाड़ी इस चैलेंजर प्रतियोगिता के खिताब के लिए कनाडा की शीर्ष वरीयता प्राप्त इमान शाहीन से भिड़ेंगी। इस बीच स्प्रिंगफील्ड (अमेरिका) में पांचवीं वरीयता प्राप्त और दुनिया के 51वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी वीर चोटरानी ने क्वार्टर फाइनल में मिस्र के दूसरे वरीय और दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद एलशेरबिनी को 7-11, 12-10, 11-8, 5-1, 11-6 से हराकर सेंट जेम्स एक्सप्रेशन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

सबालेंका ने अनिसिमोवा को हराया अब रयबाकिना से खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| रियाद

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फाइनल में जगह बनाई।

सबालेंका खिताबी मुकाबले में एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी, जिन्होंने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी रयबाकिना ने एक अन्य सेमीफाइनल में 15 ऐस के दम पर विश्व की पांचवें नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। सबालेंका को चौथे नंबर की अनिसिमोवा ने कड़ी टक्कर दी। पहला सेट एक घंटे तक चला। अनिसिमोवा ने ब्रेक प्वाइंट के पांच मौके गंवाए और 24 अनफोर्स्ड एरर किए। लेकिन दूसरे सेट में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और तीन बार सबालेंका की सर्विस तोड़कर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया।

सबालेंका ने निर्णायक सेट के सातवें गेम में ब्रेक बनाकर स्कोर 4-3 कर दिया और फिर मैच अपने नाम किया। कजाकिस्तान की 2022 की विंबलडन चैंपियन रयबाकिना ने इस प्रतियोगिता में अभी तक अपने सभी चार मैच जीते हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके अपने पहले मैच प्वाइंट पर पेगुला पर जीत हासिल की। पिछले साल की उपविजेता सबालेंका रयबाकिना से उनके करियर मुकाबलों में 8-5 से आगे हैं। इसमें 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में जीत भी शामिल है। एलेना रयबाकिना के खिलाफ मुकाबले को लेकर सबालेंका ने कहा, यह एक और जबरदस्त मुकाबला होने वाला है। मुझे लगता है कि इस मैच के साथ एलेना ने शानदार तैयारी की है।

टोकियो डेफलिम्पिक्स के लिए भारत भेजेगा 111 सदस्यों का दल

नई दिल्ली। भारत 15 नवंबर से 26 दिसंबर तक टोकियो में होने वाले डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) के लिए 73 खिलाड़ियों सहित 111 सदस्यों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजेगा। भारतीय खिलाड़ी 11 खेल एथलेटिक्स, बैडमिंटन, गोल्फ, जूडो, कराटे, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, कुश्ती और टेनिस में भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने भारतीय दल को मंजूरी दे दी है। इसका खर्चा सरकार वहन करेगी। भारत मई 2022 में ब्राजील में आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ स्वर्ण, एक रजत और सात कांस्य सहित 16 पदक जीतकर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 77 प्रतिभागी देशों में नौवें स्थान पर रहा था। डेफलिम्पिक्स का आयोजन अंतरराष्ट्रीय बधिर खेल समिति (आईसीएसडी) की ओर से किया जाता है। यह समिति अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता प्राप्त है।

भारत की महिला क्रिकेटरों का जलवा नई ऊंचाइयों पर पहुंची ब्रांड वैल्यू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत को महिला वनडे विश्व कप में पहली बार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली खिलाड़ियों का इसके बाद ब्रांड मूल्य भी आसमान छूने लग गया है और उनके पास पैसा कमाने का यह सबसे अच्छा मौका है।

स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो उन्हें संभालने वाली प्रबंधन फर्मों के अनुसार व्यक्तिगत रूप से एक करोड़ से अधिक के विज्ञापन सौदों में तब्दील हो जाएगा। इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन का चेहरा

बनाने के लिए कतार में लगे ब्रांडों में ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा खेल सामग्री, जीवनशैली, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल और शिक्षा निगमों के साथ भी सौदे होने की उम्मीद है।

मंधाना, ऋचा घोष और राधा यादव का प्रबंधन करने वाली बेसलाइन वेंचर्स के एमडी और सह-संस्थापक तुहिन मिश्रा तथा शेफाली और जेमिमा का प्रबंधन करने वाले जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी करण यादव दोनों महिला क्रिकेटरों के भविष्य के बारे में उत्साहित थे।

यिंग ने 17 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीते और 12 टूर्नामेंट में रहीं उपविजेता

बैडमिंटन की दिग्गज ताई जु ने हमेशा के लिए छोड़ा कोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टोकियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और चीनी ताइपे की महिला बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी ताई जु यिंग ने खेल से संन्यास ले लिया है, जिसके साथ उनके शानदार करियर का अंत हो गया है, जिसमें उन्होंने 17 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीते और 12 टूर्नामेंट में उपविजेता रहीं।

अपनी कलात्मकता और कलाई के जादू के लिए मशहूर 31 वर्षीय शटलर ने कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें संन्यास का फैसला करना पड़ा। उन्होंने अपना आखिरी बीडब्ल्यूएफ खिताब 2024 में इंडिया ओपन में जीता था।

एक खूबसूरत अध्याय समाप्त

ताई जु ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, 'एक खूबसूरत अध्याय समाप्त हो गया है। बैडमिंटन, आपने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके लिए आभार।' उन्होंने कहा,'आखिरकार मेरी चोटों ने मुझे कोर्ट छोड़ने पर मजबूर कर दिया। मैं अपने करियर का अंत उस तरह नहीं कर पाई जैसा मैंने सोचा था और मुझे यह बात स्वीकार करने में थोड़ा समय लगा।'' दक्षिणी ताइवान के शहर काऊशुंग में जन्मी ताई जु पिछले साल से चोटों से जूझ रही थी और अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर वापसी नहीं कर पाई। विश्व चैंपियनशिप दो बार की पदक विजेता ने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान कुछ समय शांति के साथ बिताने पर है। उन्होंने लिखा, 'मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मैं आगे क्या करूंगी, लेकिन फिलहाल मैं अलार्म घड़ियों के बिना जीवन का आनंद लेने जा रही हूं।'

सिंधू ने लिखा मार्मिक संदेश

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने ताई जु को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर एक मार्मिक संदेश लिखा। सिंधू ने कहा, 'पंद्रह वर्षों से अधिक समय तक आप मेरी ऐसी प्रतिद्वंद्वी रही, जिन्होंने मुझे हर बार मेरी सीमा तक धकेला। मेरे जीवन के दो सबसे महत्वपूर्ण पदक रियो 2016 ओलंपिक में रजत और 2019 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण मैंने आपके साथ उन मैराथन और सांस थाम देने वाले मुकाबलों के बाद हासिल किए।'

चालाकी भरा खेल और शांत प्रतिभा ने किया प्रभावित : सिंधू

सिंधू ने लिखा, 'मैं इस बात नहीं छिपाऊंगी, मुझे आपके साथ खेलना बिल्कुल पसंद नहीं था। आपकी कलाई की कला, आपका चालाकी भरा खेल, आपकी शांत प्रतिभा ने मुझे उससे भी ज़्यादा गहराई तक जाने के लिए प्रेरित किया, जितना मैंने कभी सोचा भी नहीं था। आपका सामना करने से एक खिलाड़ी के रूप में मैं बदल गई।' भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'लेकिन प्रतिद्वंद्विता से परे हमारे बीच अच्छी दोस्ती और एक दूसरे के प्रति सम्मान था। आपके संन्यास लेने से ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अपने सफर का एक हिस्सा खो दिया हो। खेल को और मुझे आपके जादू की कमी खलेगी। मुझे अब यह एहसास होने लगा है कि मेरी पीढ़ी के खिलाड़ी धीरे-धीरे खेल को अलविदा कहने लगे हैं और कोई भी चीज आपको इसके लिए तैयार नहीं करती।'

याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा रिजल्ट व नियुक्तियां

सिविल जज भर्ती परीक्षा 2022 के चयनित उम्मीदवारों का रिजल्ट जारी करने के निर्देश

मप्र हाईकोर्ट ने सिविल जज भर्ती 2022 के चयनित उम्मीदवारों का रिजल्ट जारी करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि कोर्ट ने कहा कि रिजल्ट की घोषणा और नियुक्तियां इस याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगी। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने मामले पर अंतिम सुनवाई 21 नवंबर को निर्धारित की है।

हरिभूमि जबलपुर।

मामले पर शुक्रवार को सुनवाई के दौरान रजिस्ट्रार परीक्षा की ओर से बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट ने 23 सितंबर को मप्र सिविल जज (जूनियर डिवीजन, एंट्री लेवल) 2022 भर्ती के तहत इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी करने और नतीजे घोषित करने की अनुमति दी थी। सुको के आदेश पर चयनित उम्मीदवारों के साक्षात्कार कराए गए हैं और परिणाम भी तैयार कर लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि तीन साल की शर्त भविष्य के लिए लागू रहेगी। उल्लेखनीय है कि यह भर्ती प्रक्रिया गत 2 वर्ष से अटकी हुई है।

दरअसल,मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियम, 1994 में 23 जून 2023 को संशोधन करके यह शर्त रखी गई थी कि सिविल जज प्रवेश-स्तर की परीक्षा में केवल वही उम्मीदवार बैठ सकते हैं, जिनके पास तीन वर्ष की वकालत का अनुभव हो। इसके बाद दो अभ्यर्थियों ने यह दलील दी कि यदि संशोधित नियम लागू किए जाएं तो वे भी पात्र होंगे। उन्होंने हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर कर मांग की गई कि कट-ऑफ की समीक्षा की जाए। इस पर हाईकोर्ट ने इस संशोधित नियम के आधार पर सफल 77 उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया और भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ सफल उम्मीदवारों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

एडवोकेट यूनियन फॉर डेमोक्रेसी एण्ड सोशल जस्टिस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने दलील दी कि भर्ती के लिए बने हिन्दी व अंग्रेजी नियम में विसंगति है। हिन्दी में नियम 5 के उपनियम 4 के तहत ओबीसी व सामान्य के लिए 50 प्रतिशत अंक, एससीएसटी के लिए 45 अंक अनिवार्य होगा। वहीं अंग्रेजी में यह लिखा है, प्रत्येक विषय में उक्त अंक चाहिए और मुख्य परीक्षा में सभी वर्ग के लिए एग्रीगेट 50 फीसदी जरूरी है। हाईकोर्ट ने अंग्रेजी के नियम के तहत परिणाम तैयार किया है।

हाईकोर्ट ने निरीक्षक के खिलाफ जांच पर रोक लगाई

इंस्पेक्टर को पुलिस अधीक्षक नहीं दे सकते चार्जशीट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक मामले में कहा है कि पुलिस रूल्स के अनुसार इंस्पेक्टर को पुलिस अधीक्षक चार्जशीट नहीं दे सकते। इस मत के साथ कोर्ट ने याचिकाकर्ता निरीक्षक के खिलाफ जांच पर रोक लगा दी। जस्टिस विजय शुक्ला की एकलपीठ ने डीजीपी भोपाल को निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन पर विचार कर उचित निर्णय पारित करें। भोपाल निवासी भगवान दास बीरा की ओर से अधिवक्ता अजय रायजादा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि पुराने प्रकरण के आधार पर देवास में पदस्थ रहने के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर चार्जशीट जारी की थी। वहीं डीआईजी उज्जैन ने जांच अधिकारी नियुक्त किया था। दलील दी गई कि निरीक्षक को आईजी नियुक्त करता है, इसलिए वहीं चार्जशीट जारी करने का अधिकारी है। याचिकाकर्ता की पत्नी ने दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए प्रकरण दर्ज कराया था। उस मामले में अधीनस्थ अदालत ने याचिकाकर्ता को निर्दोष करार दिया। इसके बावजूद कार्रवाई की गई।

सीजन में पहली बार पारा 12 डिग्री पर आया

धीरे-धीरे तीखे हो रहे ठंड के तेवर

जबलपुर। मौसम के मिजाज अब धीरे-धीरे तीखे होते जा रहे हैं। उत्तरी हवाओं के कारण अब पारा नीचे आने लगा है। ठण्ड का यह शुरुआती दौर है जब पारा औसत से नीचे आयेगा तब ठंड अपना जलवा दिखायेगी। शाम ढलने के बाद ठंड का माहौल बनने लगता है और रात आते-आते सर्द हवाओं के झोंके हावी हो जाते हैं। रात में अक्सर तेज सर्द हवाओं से मौसम एकदम बदला नजर आने लगता है पिछले दो-तीन दिनों से संध्या समय अथवा देर रात में कहीं-कहीं शीतलहर से रातें अभी सर्द हो रही हैं और उस पर तेज हवाएं ठण्ड को बढ़ाने में असर दिखा रही हैं हालांकि दिन और रात के तापमान में फर्क तो रहता है पर सर्द हवाएं अपना असर जरूर दिखा रही हैं। दिन और रात के तापमान में चढ़ाव-उतार हो रहा है। अब रात में गर्म वस्त्रों का सहारा लेना पड़ रहा है। सीजन में पहली बार पारा 12 डिग्री पर आ गया।

मौसम कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुताबिक पिछले 24 घण्टों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 27.4 सामान्य से 2 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 12.0 सामान्य से 3 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 73 प्रतिशत और सांय काल 56 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 6:20 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 5:28 पर हुआ। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 30.06 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 17.04 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। प्रदेश में सबसे कम 7.4 डिग्री तापमान राजगढ़ जिले में दर्ज किया गया। उत्तर-पूर्वी हवाएं 3 से 4 किलो मीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घण्टे के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

रास्ता रोककर रुपये लूटने पर 10 वर्ष का कारावास

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश सुमन उइके की अदालत ने रास्ता रोककर रुपये छीनने के आरोपियो गढ़ा निवासी केतन रजक, राजा बेन व दुर्गेश बेन का दोष सिद्ध पाया। कोर्ट ने आरोपियों को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। पांच-पांच हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक जीत सिंह पटेल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि अनिल कुमार गोल्हानी के साथ नौ दिसंबर, 2019 को लूट की गई थी। रात्रि नौ बजे देवताल से निकल रहा था। तभी आरोपितों ने रास्ता रोका। बेल्ट व हाथ का पंच बनाकर हमला कर दिया। शर्ट फाड़ दी। साथ ही रुपयों की मांग की। मना करने पर 350 रुपये छीन लिए। मोटर साइकल भी छीनने की नाकाम कोशिश की गई। लिहाजा, पुलिस में प्रकरण दर्ज कराया गया।

मोबाइल लुटेरों को 4- 4 साल का कारावास

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश प्रवेन्द्र सिंह की अदालत ने मोबाईल फोन लूटने के आरोपियो जबलपुर निवासी धर्मेन्द्र रजक व अद्दू उर्फ अल्तमस का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ दोनों को चार-चार वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही पांच-पांच सौ रुपये जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से एजीपी लहर दीक्षित ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि फरियादी उदय राजभर 19 जुलाई, 2020 को जब समाधान अस्पताल की कैंटीन से पैदल अपने घर जा रहा था। उसी समय रात्रि करीब नौ बजे के लगभग चार नंबर गेट के पास मोटर साइकिल सवार आरोपियों ने पंद्रह हजार रुपये कीमत का मोबाइल छीन लिया। इसके साथ ही फरार हो गए थे। जिसकी शिकायत मदनमहल थाने में दर्ज कराई थी। मामले की सुनवाई दौरान पेश किए गए गवाह व साक्ष्यों के मद्देनजर अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

पति सहित ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना का मामला दर्ज

दहेज लोभियों ने गभर्वती महिला को घर से निकाला

जबलपुर। हनुमानताल थाना अतंर्गत ढलगर मोहल्ला पीले स्कूल के सामने हनुमानताल में एक महिला ने अपने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। बताया गया है कि ससुराल वाले दहेज में कम सामान मिलने और मायके से बाईक लाने की मांग करते हुए महिला को शारीरिक व मानसिक रुप से प्रताड़ित करते हुए उसे घर से निकाल दिया। हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ढलगर मोहल्ला पीले स्कूल के सामने हनुमानताल निवासी 21 वर्षीय श्रीमति इसरा बानो का निकाह अहमदनगर गोहलपुर निवासी इलेक्ट्रीशियन नौसाद हुसैन से 20 अक्टूबर 2024 को हुआ है। निकाह के 3 माह बाद से ही पति नौसाद हुसैन घरेलू बातों को लेकर टोकते और तेरे मां बाप ने तुझे काम नही सिखाया है कहते हुए मारपीट करते थे। उसने अपनी ननंद, ससुर को यह बात बताई तो ननंद नाजरीन बानो व ससुर सज्जाद हुसैन दहेज की बात पर ताना कसते। पति ननद, ससुर दहेज में मोटर साईकल, ड्रेसिंग न मिलने को लेकर उसे परेशान करने लगे थे। इसी बीच वह गर्भवती हो गई और सातवे महीनें पर पति ने मायके से बाईक लेकर आएगी तभी ससुराल वापस आना कहते हुए उसे मायके छोड़ दिया। गत 29 सितंबर 2025 को एल्गिन में आपरेशन से एक बेटी को जन्म देने के बाद भी उसका पति बेटी को देखने नहीं आया। 4 अक्टूबर को एल्गिन अस्पताल से छुट्टी के समय पति आये जिसे कहा कि ससुराल ले चलो तो पति ने कहा अभी मायके में रहो। लगभग 3-4 दिन बाद अपने टाके कटवाने एल्गिन अस्पताल गई जहां पर दस्तावेज मांगे गए, उसने अपने पति से दस्तावेज मांगे तो पति ने बोला पहले बाईक दिलवाओं उसके बाद आधारकार्ड मिलेगा कहते हुए फोन काट दिया। पुलिस ने आरोपी ससुराल पक्ष वालों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 85, 3(5) बीएनएस तथा 3, 4 दहेज अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

रंगदारी वसूलने बदमाश ने चाकू मारा

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत बड़ा पत्थर में राहुल स्टेशनरी के पास पेटीस खा रहे एक युवक से एक बदमाश ने जबरन रुपए की मांग कर गालीगलौज व मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ा पत्थर रांझी निवासी 17 वर्षीय ओमप्रताप सिंह गत रात लगभग 9 बजे राहुल स्टेश्नरी के सामने पेटीस की दुकान में पेटीस खा रहा था तभी बड़ा पत्थर निवासी सुब्बी उर्फ मौलिक सैय्यद आए और उससे खर्चा करने लिये 500 रूपये की मांग करने लगा, रूपये देने से मना करने पर गाली गलोज कर सुब्बी उर्फ मौलिक सैय्यद ने चाकू से उसके पैर व कंधे पर हमलाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296 (बी), 119(1), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

करंट लगने से मासूम बच्चे की मौत

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत बजरंग नगर मदरटेरेसा में करंट लगने से एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरानी बस्ती मानेगांव रांझी निवासी 9 वर्षीय शनि सेन को बजरंग नगर मदर टेरेसा माढ़ोताल में करंट लगने से आई चोटों के कारण मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उपचार दौरान गत शाम लगभग 7.20 बजे शनि सेन की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240